वर्ष 73 अंक 250 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 08 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

यदि आप सकारात्मक संभावनाओं को देखें और अपनी निराशा और हताशा की ऊर्जा को सही दिशा दो तो कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकते हो।
– राल्फ मार्स्टन

ऑफ बीट

गर्लफ्रेंड को आईफोन देने चुराये लग्जरी नल

महाराष्ट्र के नागपुर में दो नाबालिगों ने अपनी गर्लफ्रेंड को महंगा आईफोन गिफ्ट करने के लिए करीब 11 लाख रुपये के लग्जरी डिजाइनर नलों और सैनिटरी फिटिंग्स की चोरी कर ली। पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए करीब 6.5 लाख रुपये का चोरी का सामान बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार, 27-28 मई की रात आरोपियों ने चिखली कलमना स्थित एक सैनिटरी सामान के गोदाम की छत की टिन हटाकर अंदर प्रवेश किया और करीब 11.39 लाख रुपये के महंगे नल और सीपी फिटिंग उत्पाद चोरी कर लिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ में नाबालिगों ने बताया कि वे गर्लफ्रेंड को महंगा आईफोन गिफ्ट करना चाहते थे और इसके लिए पैसों की जरूरत थी।

वन रक्षक भर्ती परीक्षा रद्द

- सर्वर ठप होने के कारण नहीं हो सकी परीक्षा, अब 20 जून को होगा पेपर
- अभ्यर्थियों को करना पड़ा घंटों तक इंतजार समय पर नहीं दी कोई स्पष्ट जानकारी
- भोपाल के मित्तल कॉलेज पर परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों ने दिया धरना, नारेबाजी
- सतना समेत कई शहरों में विरोध प्रदर्शन धांधली का अरोप, उठाई जांच की मांग

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। नीट और सीबीएसई परीक्षाओं को लेकर देश भर में मचे बवाल के बीच रविवार को मध्यप्रदेश में भर्ती परीक्षाएं एक बार फिर कठघरे में आ गईं। कर्मचारी चयन मंडल (ईसीबी) की चार परीक्षाओं के पहले ही कई शहरों में सर्वर ठप हो गया। शाम तक परीक्षा शुरू न होने पर परीक्षार्थियों ने राजधानी सहित कई शहरों में हंगामा किया। परीक्षार्थियों ने इसे व्यापमं काल की धांधली से जोड़ते हुए ज्ञापन भी दिए। कर्मचारी चयन मंडल ने स्थगित हुई परीक्षा की 20 जून को दोबारा कराने का ऐलान किया है।

प्रदेश में 4 जून से दो विभागों के चार पदों के लिए भर्ती परीक्षा शुरू हुई हैं। इनमें वन विभाग के वन रक्षक व क्षेत्र रक्षक तथा जेल विभाग के जेल प्रहरी व जेल अधीक्षक के पदों के लिए रविवार को भी परीक्षा रखी गई थी। दूसरी पाली में दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक पेपर होना था। रिपोर्टिंग टाइम 12.30 बजे था। सभी केंद्रों पर रिपोर्टिंग टाइम तक हजारों अभ्यर्थी पहुंचे, लेकिन घंटों तक कोई सूचना नहीं दी गई। फिर शाम को अचानक तकनीकी कारणों से परीक्षा कैंसिल होने की जानकारी दी गई। इससे परीक्षार्थी भड़क गए। उन्होंने सेंटर में ही हंगामा कर दिया। भोपाल के मित्तल कॉलेज में परीक्षार्थी हंगामा करते हुए धरने पर बैठ गए। फिर स्टॉफ से विवाद के बाद कॉलेज के सामने सड़क जाम कर दी। कॉलेज को पुलिस बुलाना पड़ी। पुलिस के समझाने पर परीक्षार्थी शांत हुए। सतना में परीक्षार्थियों ने धांधली के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। साथ ही आने-जाने, ठहरने व खाने-पीने के खर्च की भरपाई की मांग उठाई।

सतना में तीन केंद्रों के अभ्यर्थी करीब 5 किमी का पैदल मार्च निकालकर कलेक्टर से मिलने पहुंचे और जांच की मांग की।

दिग्विजय सिंह ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग: परीक्षा स्थगित होने से नाराज अभ्यर्थी जुलूस की शक्ल में पूर्व सीएम व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से मिलने पहुंचे। समस्या सुनने के बाद पूर्व सीएम ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हस्तक्षेप की मांग की। सिंह ने कहा कि परीक्षा संचालन का कार्य ब्लैकलिस्टेड या विवादित कंपनियों को किस आधार पर दिया गया, इसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

भोपाल: छात्रों ने किया चक्काजाम, कहा- पैसा व समय हुआ बर्बाद

राजधानी के मित्तल कॉलेज में दोपहर की पाली में करीब दो घंटे इंतजार कराने के बाद प्रबंधन ने गेट खोला। परीक्षार्थियों को अंदर बैठाया, लेकिन पेपर शुरू नहीं कराया। ढाई बजे के बाद भी पेपर शुरू न होने पर परीक्षार्थियों ने नाराजगी जताई। करीब साढ़े चार बजे कॉलेज स्टॉफ ने बताया कि तकनीकी कारणों से परीक्षा निरस्त कर दी गई है। इसके बाद परीक्षार्थी धांधली के आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस बीच कॉलेज प्रबंधन परीक्षार्थियों को बाहर निकालने लगा। इससे हालात बिगड़ गए और परीक्षार्थियों ने सड़क जाम लगा दिया। हंगामा बढ़ने पर कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस बुलाई। पुलिस बल और अधिकारियों ने चक्काजाम खत्म किया। कई अभ्यर्थी बालाघाट, मंडला और जबलपुर से भी आए थे। इन परीक्षार्थियों का कहना है कि हम सैकड़ों किलोमीटर दूर से आए हैं। उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो गए।

यह भर्ती परीक्षा कुल 1679 पदों के लिए हो रही है। इनमें जेल प्रहरी के 757, वन रक्षक के 728, क्षेत्र रक्षक के 125 तथा जेल अधीक्षक के 25 पद शामिल हैं। परीक्षाओं के लिए फरवरी में फार्म भरवाए गए थे। उस समय परीक्षा 25 मई को बताई गई थी। रविवार 7 जून की परीक्षा अब 20 जून को सुबह 10 से 12 बजे की पाली में होंगी।

प. बंगाल में टीएमसी नेताओं के खिलाफ बढ़ा जनाक्रोश

टीएमसी विधायक की कार पर हमला, लोगों ने फेंके अंडे

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं के खिलाफ जनता के विरोध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कोलकाता के कमरहाटी इलाके में टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर लोगों ने हमला कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाते हुए कार पर अंडे फेंके और कथित तौर पर वर्षों से वसूली गई 'कटमनी' का पैसा वापस करने की मांग की।

घटना अरियादाहा इलाके की बताई जा रही है, जहां एक स्थानीय पार्षद के घर के बाहर ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की बैठक चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक में शामिल लोग स्थानीय नेताओं पर अवैध वसूली और कटमनी लेने के आरोप लगा रहे थे। जैसे ही मदन मित्रा वहां से निकले, भीड़ उनकी कार की ओर दौड़ पड़ी। कुछ प्रदर्शनकारी करीब 100 मीटर तक वाहन के पीछे भागते रहे, जबकि एक व्यक्ति ईंट लेकर कार पर हमला करने की कोशिश करता भी दिखाई दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, मदन मित्रा ने बाद में दावा किया कि हमले के समय वह कार में मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने उनके ड्राइवर के साथ मारपीट की और वाहन को निशाना बनाया।

गौरतलब है कि पिछले दस दिनों में टीएमसी के कई बड़े नेताओं को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। इससे पहले अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर भी विरोध प्रदर्शन के दौरान हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने राज्य की सियासत को और गरमा दिया है तथा टीएमसी के सामने राजनीतिक और जनविश्वास दोनों की चुनौती खड़ी कर दी है।

कहीं सिर मुंडवाकर घुमाया तो कहीं साड़ियों में छिपा नेता

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल नेताओं के खिलाफ जनता का गुस्सा लगातार सामने आ रहा है। रविवार को कोलकाता में गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को अदालत ले जाते समय प्रदर्शनकारियों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके और नारेबाजी की। वहीं सोशल मीडिया पर दो अन्य वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें एक नेता पुलिस से बचने के लिए साड़ियों के ढेर के नीचे छिपा दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरे मामले में एक स्थानीय नेता का सिर मुंडवाकर उसे जूते-चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमाया गया।

संक्षिप्त खबरें

व्हाइट हाउस छोड़ेंगे टेक विशेषज्ञ श्रीराम कृष्णन

वॉशिंगटन, जेएनएन। भारतीय मूल के प्रख्यात टेक विशेषज्ञ और व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पॉलिसी सलाहकार श्रीराम कृष्णन ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है।

उन्होंने बताया कि वह जून के आखिर में व्हाइट हाउस में अपनी जिम्मेदारियां छोड़ देंगे। हालांकि उन्होंने अपने फैसले के पीछे की वजह सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन एआई क्षेत्र में आगे भी सक्रिय रहने के संकेत दिए हैं। श्रीराम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में काम करना गर्व की बात रही है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप प्रशासन के नेतृत्व में अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के लाभ पहुंचाने जैसी चुनौतियों को आने वाले समय के महत्वपूर्ण मुद्दे बताया।

भारत-नेपाल के बीच यूपीआई लिंक लॉन्च

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और नेपाल ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए दोनों देशों के भुगतान नेटवर्क को आपस में जोड़ दिया है। नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की मौजूदगी में भारत के यूपीआई और नेपाल के नेशनल पेमेंट सिस्टम के बीच लिंक लॉन्च किया गया। इस नई व्यवस्था के लागू होने से दोनों देशों के नागरिकों, व्यापारियों और यात्रियों के लिए सीमा पार पैसा भेजना और डिजिटल भुगतान करना पहले से अधिक आसान और तेज हो जाएगा। बैठक के दौरान भारत ने 2015 के विनाशकारी भूकंप के बाद चल रहे पुनर्निर्माण सहयोग के तहत नेपाल को 72 स्वास्थ्य सुविधाएं और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनियां भी सौंपीं।

संसदीय समिति के सीबीएसई-एनटीए से तीखे सवाल

पूछा- आपकी नजर में किसे माना जाएगा 'पेपर लीक'

नई दिल्ली, जेएनएन। नीट परीक्षा और सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) से जुड़े विवादों पर संसदीय समिति ने सख्त रुख अपनाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से कई महत्वपूर्ण सवालों के लिखित जवाब मांगे हैं। समिति ने परीक्षा सुरक्षा, कथित अनियमितताओं, संस्थागत जवाबदेही और ठेका प्रक्रिया में किए गए बदलावों पर विस्तृत जानकारी तलब की है। समिति ने एनटीए से सबसे अहम सवाल पूछा है कि उसकी परिभाषा में 'पेपर लीक' किसे माना जाएगा। साथ ही यह भी जानना चाहा गया है कि क्या 2018 से अब तक एनटीए द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में पेपर लीक की घटना हुई है। पिछले सप्ताह हुई बैठक के बाद समिति ने यह सवाल एजेंसी को लिखित रूप में भेजे हैं। एनटीए अधिकारियों ने समिति के समक्ष कहा था कि प्रणाली से कोई पेपर लीक नहीं हुआ।

अनियमितताओं पर मांगा जवाब

समिति ने एनटीए से पूछा है कि क्या उसने सीबीआई जांच के अलावा नीट-यूजी 2024 में सामने आई कथित अनियमितताओं की कोई अलग आंतरिक जांच कराई थी। इसके साथ ही पिछले तीन वर्षों में एजेंसी की कर्मचारी संख्या, 2022 के बाद हुई नई नियुक्तियों और उच्च शिक्षा विभाग को भेजी गई वार्षिक रिपोर्ट्स का ब्योरा भी मांगा गया है। समिति ने पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति की 101 सिफारिशों पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

दावा: सवाल बनाने वाले विशेषज्ञों को भी नहीं पता होगा किस परीक्षा का पेपर कर रहे हैं तैयार

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मूल्यांकन संबंधी गड़बड़ियों के बाद केंद्र सरकार और एनटीए परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि एनटीए एक ऐसे सिस्टम पर काम कर रही है जिसमें प्रश्न तैयार करने वाले विषय विशेषज्ञों को भी यह जानकारी नहीं होगी कि वे किस प्रतियोगी परीक्षा के लिए सवाल तैयार कर रहे हैं। अलग-अलग विशेषज्ञ अपने विषय से जुड़े प्रश्न तैयार करेंगे और उन्हें एक बड़े डिजिटल प्रश्न बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा।

एआई करेगा अनुवाद का काम

एनटीए ने यह भी दावा किया है कि अब प्रश्नपत्रों के अनुवाद की प्रक्रिया में भी बदलाव करने जा रही है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि लगभग 85 प्रतिशत अनुवाद का काम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए कराया जाएगा। इसके बाद विशेषज्ञ केवल यह सुनिश्चित करेंगे कि अनुवाद सही और त्रुटिरहित है। कोशिश यह भी रहेगी कि अनुवाद करने वाले विशेषज्ञों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के प्रश्न देख रहे हैं।

घुसपैठियों के खिलाफ अभियान

अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुर्शिदाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर लंबे समय से रह रहे एक ही परिवार के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि परिवार ने न केवल भारत में जमीन खरीदकर मकान बनाया, बल्कि फर्जी तरीके से सरकारी पहचान पत्र भी हासिल कर लिए थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान बांग्लादेश के चपाईनवाबगंज जिले के मूल निवासी 43 वर्षीय उजीर अली, उनकी 36 वर्षीय पत्नी जैनुर खातून और उनके तीन बेटों के रूप में हुई है। परिवार के बच्चों की उम्र क्रमशः 15, 10 और 4 वर्ष बताई गई है।

होर्मुज से गुजर रहे जहाजों से 19 करोड़ रुपए तक वसूल रहा ईरान

तेहरान/तेल अवीव। पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान ने दावा किया है कि उसकी मंजूरी से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से औसतन 15 लाख से 20 लाख डॉलर (करीब 19 करोड़ रुपये) तक शुल्क लिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर हवाई हमले करने का दावा किया है। ईरान की संसद की बजट एवं योजना समिति के सदस्य मोहसिन जंगनेह ने एक इंटरव्यू में कहा कि तेहरान की अनुमति से होर्मुज का इस्तेमाल करने वाले जहाजों से यह शुल्क वसूला जा रहा है। उनका दावा है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की निगरानी और प्रशासनिक अधिकार ईरान और ओमान के पास हैं। हालांकि यह दावा अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून की प्रचलित व्याख्याओं से अलग माना जा रहा है। ईरान ने यह भी कहा है कि अमेरिका और उसके बीच कूटनीतिक बातचीत में प्रगति इसलिए धीमी है क्योंकि अमेरिका बार-बार अपनी मांगों और रुख में बदलाव कर रहा है।

30 दिन तक बंद रह सकता है होर्मुज मार्ग

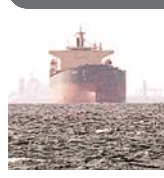

इसी बीच ईरान की वार्ता टीम से जुड़े मजीद शकेरी ने संकेत दिया है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ जवाबी रणनीति के तहत ईरान होर्मुज को दोबारा खोलने से पहले 30 दिन की प्रतीक्षा अवधि लागू कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव के अनुसार तेहरान यह घोषणा कर सकता है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों से जुड़े सभी खतरों के समाप्त होने के 30 दिन बाद ही ईरानी प्रशासन के तहत इस समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोला जाएगा।

गुना: दूषित पानी से 15 बच्चे बीमार

टूटी पाइपलाइनों से गंदे पानी की आपूर्ति, उल्टी-दस्त की चपेट में आए बच्चे

जागरण, गुना। प्रदेश के गुना शहर के बूढ़े बालाजी और पुरानी छावनी क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई के कारण बच्चों की सेहत पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में गंदा और संक्रामक पानी आने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके चलते एक दर्जन से अधिक घरों के लगभग 15 बच्चे उल्टी-दस्त, पेट दर्द और अन्य संक्रमण संबंधी बीमारियों की चपेट में आ गए। हालत बिगड़ने पर सभी बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। यहां उनका उपचार जारी है। जानकारी मिलते ही वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि लालाराम लोधा प्रभावित क्षेत्र और जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से

क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। देखने में पानी साफ दिखाई देता है, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार उसमें बैक्टीरिया और संक्रमण मौजूद है। लोधा ने जनस्वास्थ्य विभाग (पीएचई) पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि टूटी हुई पाइपलाइनों की शिकायत पहले भी कई बार की गई थी, लेकिन समय पर सुधार नहीं किया गया।

अधिकारियों ने दिए जांच और सुधार के निर्देश

बच्चों के बीमार होने की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका और प्रशासनिक अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएचई और नगर पालिका की टीम को प्रभावित क्षेत्र में भेजकर पानी के नमूने जांच के लिए लेने तथा टूटी पाइपलाइनों की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि संक्रमण के स्रोत की जांच कर जल्द ही स्थायी समाधान किया जाएगा।

खान सर की बढ़ीं मुश्किलें

फायर सेफ्टी में खामियां सेंटर हो सकता है सील

पटना, जेएनएन। बिहार के चर्चित शिक्षक खान सर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। फायरिंग मामले में एफआईआर दर्ज होने और गिरफ्तारी की आशंका के बीच अब उनके केजीएस कोचिंग सेंटर पर फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन का मामला भी सामने आया है। बिहार अग्निशमन सेवा ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में कमियां दूर नहीं की गईं तो कोचिंग सेंटर को सील करने सहित सख्त कार्रवाई की जा सकती है। बिहार अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार, कोचिंग सेंटर के निरीक्षण के दौरान अग्नि सुरक्षा से जुड़ी कई खामियां पाई गई हैं। विभाग ने संस्थान को इन कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए हैं।

उपलब्धि दुनिया के 20 आदर्श शहरों में शामिल हुआ वर्कला, 262 महिलाओं ने बदली लोगों की आदतें

भारतीय शहर बना दुनिया की 'जीरो वेस्ट सिटी'

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। केरल के तिरुवनंतपुरम जिले का प्रसिद्ध तटीय पर्यटन शहर वर्कला अब महज अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समुद्र तटों और ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के लिए ही नहीं, बल्कि कचरा प्रबंधन के एक वैश्विक मॉडल के रूप में भी पहचान बना रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों यूएन-हैबिटैट और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने वर्कला को दुनिया के 20 'जीरो वेस्ट सिटी' शहरों में शामिल किया है। खास बात यह है कि इस सूची में शामिल होने वाला वर्कला भारत का एकमात्र शहर है। करीब 40 हजार की आबादी वाला यह छोटा-सा शहर आज दुनिया के सामने इस बात का उदाहरण बनकर उभरा है कि यदि सरकार, स्थानीय निकाय और नागरिक मिलकर काम करें तो कचरे की समस्या का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

5 साल पहले तक आम भारतीय शहरों जैसा था हाल

आज जिस वर्कला की दुनिया में चर्चा हो रही है, उसकी स्थिति भी कुछ वर्ष पहले देश के अन्य शहरों जैसी ही थी। सड़कों पर कचरा, कचरा निपटान की सीमित व्यवस्था और लोगों में जागरूकता की कमी जैसी समस्याएं यहां भी मौजूद थीं। वर्ष 2020 में नगर पालिका ने वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन को लेकर एक महत्वाकांक्षी अभियान शुरू किया। इसके तहत 262 महिलाओं की एक विशेष टीम 'हरिता कर्म सेना' का गठन किया गया। इन महिलाओं को सिर्फ कचरा संग्रहण का काम नहीं दिया गया, बल्कि उन्हें जागरूकता अभियान और निगरानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

वर्कला के मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसे केवल सरकारी परियोजना बनाकर नहीं छोड़ा गया। नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन केएम लाली के अनुसार, शुरुआत से ही इसे जन आंदोलन का रूप दिया गया। उन्होंने राजनीतिक दलों, वैज्ञानिकों और आम नागरिकों को अभियान से जोड़ा और महसूस कराया कि कचरा प्रबंधन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है।

घर-घर पहुंचीं महिलाएं बदली लोगों की सोच

हरिता कर्म सेना की महिलाएं नियमित रूप से घर-घर पहुंचकर कचरा एकत्र करती हैं। वे लोगों को यह भी समझाती हैं कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखना क्यों जरूरी है। शुरुआत में लोगों को नई व्यवस्था अपनाने में कठिनाई हुई, लेकिन लगातार संवाद और जागरूकता अभियानों का असर धीरे-धीरे दिखाई देने लगा। आज वर्कला के 12,695 घरों और 2,601 संस्थानों में कचरे का 100 प्रतिशत पृथक्करण किया जाता है। हर घर में जैविक और गैर-जैविक कचरे को अलग रखने की आदत विकसित हो चुकी है। यही बदलाव वर्कला की सफलता की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

कचरे से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल

वर्कला नगर पालिका ने कचरा प्रबंधन को संग्रहण और निपटान तक सीमित नहीं रखा। यहां पांच टन क्षमता वाला एक विशेष प्लांट स्थापित किया, जिसमें सैनिटरी और बायोमेडिकल कचरे का प्रसंस्करण कर बिजली बनाई जाती है। इस प्लांट से प्रतिदिन लगभग 60 किलोवॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इससे एक तरफ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कचरे का सुरक्षित निपटान हो रहा है, वहीं ऊर्जा उत्पादन भी संभव हो रहा है। वर्कला में हर साल लगभग छह हजार टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से 81 प्रतिशत जैविक कचरा है, जबकि गैर-जैविक कचरे का लगभग 95 प्रतिशत पुनर्प्रबंधन या पुनर्चक्रण किया जाता है। यह आंकड़ा अधिकांश शहरों की तुलना में बेहद प्रभावशाली माना जाता है।

अमेरिका में भारतीय मूल के युवक की गोली मारकर हत्या

फर्जी पिज्जा ऑर्डर के बहाने बुलाया और मार डाला

फिलाडेल्फिया, जेएनएन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में भारतीय मूल के युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह देर रात पिज्जा की डिलीवरी करने पहुंचे थे, जहां उन पर घात लगाकर हमला किया गया। परिजनों का आरोप है कि यह कोई सामान्य लूटपाट नहीं, बल्कि फर्जी पिज्जा ऑर्डर के जरिए रची गई सुनियोजित हत्या है।

तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले के गुंडलपोचमपल्ली निवासी अंशुल करीब चार साल पहले नौकरी के सिलसिले में अमेरिका गए थे। परिवार के मुताबिक वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत थे, लेकिन अतिरिक्त आय के लिए सप्ताहांत में पिज्जा डिलीवरी का काम भी करते थे। खबरों के अनुसार, जिस पते पर पिज्जा डिलीवरी का ऑर्डर दिया था, वह मकान खाली पड़ा था। जांच एजेंसियों को आशंका है कि ऑर्डर केवल अंशुल को सुनसान जगह पर बुलाने के लिए किया गया था। सीसीटीवी फुटेज में अंशुल को पिज्जा लेकर जाते हुए और उनके पीछे दो संदिग्धों को चलते हुए देखा गया है। दोनों ने गहरे रंग के कपड़े पहन रखे थे और उनके पास बैकपैक थे। अंशुल की बहन तन्वी ने दावा किया कि कम से कम दो नकाबपोश हमलावरों ने उन पर हमला किया और सिर में कई गोलियां मारीं। हमलावरों ने न तो पैसे लूटे और न ही कोई सामान छीना, बल्कि गोली मारकर सड़क पर छोड़ दिया।

हादसे को न्योता दे रहा नगर निगम का वेंकट बाजार

जागरण, रीवा। नगर निगम प्रशासन द्वारा जर्जर भवनों को चिहिंत कर उनको नोटिस जारी किए जा रहे हैं और जहां सुधार की गुंजाइश है वहा सुधार भी कराया जा रहा है लेकिन नगर निगम द्वारा अपने ही भवनों के मेंटेनेंस की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है, यह बिल्डिंगें अब निगम के आय मात्र का साधन बन रह गई हैं। यहां रहने वाले किराएदार खौफजदा हैं। बता दें कि नगर निगम के सुधार न्यास द्वारा बनाए गए स्वागत भवन के सामने वेंकट बाजार की बिल्डिंग पूरी तरह से जर्जर हो गई है, यहां सुधार न्यास का कार्यालय भी लगा करता था, वर्तमान में इस बिल्डिंग में अपेक्स बैंक सहित नीचे दुकाने व दूसरे मंजिला अल्प आय वर्ग सोसायटी का ऑफिस संचालित किया जा रहा है।

प्रथम तल में संचालित अपेक्स बैंक के मुख्य गेट में ही सभी पिलर पूरी तरह से जर्जर हो गए हैं। यह पिलर बारिश के बाद कभी भी बीच से टूटकर गिर सकते हैं। इसको लेकर अपेक्स बैंक प्रबंधन द्वारा शिकायत भी नगर निगम से की गई व मेंटेनेंस की मांग की गई लेकिन सुधार नहीं हुआ।

हालात यह हैं कि इस जर्जर भवन से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, इस भवन के नीचे वाहनों की पार्किंग सहित चाय व पान की गुमटी में दो दर्जन से अधिक लोग हमेशा खड़े रहते हैं और ऐसे में यदि यह पिलर गिरते हैं तो बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता है।

गंदगी और खज्जी से पटी बिछिया नदी लोग नहीं कर पा रहे पानी का उपयोग

मवेशी के पीने लायक भी नहीं बचा पानी

जागरण, रीवा। बिछिया नदी में इन दिनों गंदगी की भरमार है, नदी में कचरे के साथ ही कंजी भी तैर रही है, जिससे लोग चाहकर भी नदी के पानी का उपयोग न तो नहाने के लिए कर पा रहे हैं न ही कपड़े आदि धोने में। आसपास के लोगों ने बताया कि नदी में गंदगी के चलते मवेशी भी इसका पानी पीने से कतरा रहे हैं। कंजी और गंदगी युक्त पानी दुर्गंध मारने लगा है। अधिकतर घरों के सीवरेज का पानी नदियों में जा रहा है जिससे नदियों का पानी भी दूषित होने लगा है, शहर के नालों की गंदगी के कारण ही दुर्दशा हो रही है, नाले की गंदगी बहकर नदियों में जा रही है। एक ओर तो नदियों की सफाई करने का अभियान चलाया जा रहा है, वहीं नदियों को गंदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही।

तीन माह में ही रसोई पर 500-1000 तक का बढ़ा बोझ

खाड़ी की 'जंग' से 'रसोई' में लगी आग, थाली से स्वाद गायब, दूसरे सामान भी लगातार हो रहे महंगे

अभी राहत की उम्मीद नहीं, संभलकर खर्च करने का वक्त

जागरण, रीवा

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़े त्रिकोणीय युद्ध ने दुनिया के नक्शे को तो हिलाया ही है लेकिन इसका सबसे मारक और सीधा प्रहार गृहिणियों के बजट पर हुआ है। पिछले तीन महीनों में महंगाई के बढने से एक मध्य मवर्गीय परिवार(4 सदस्य) के मासिक खर्च में 500-1000 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। आमजन महंगाईसे परेशान है और सरकारों को कोसने लगी है, उनका कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई और बेराजगारी के बीच कैसे जीवन यापन किया जाए। सबसे अधिक समस्या मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ है, उन्हें न ही शासन की योजना का लाभ मिल रहा है और इस महंगाई से कमर टूट रही है।

इस तरह रेट में हुआ ईजाफा : बीतें दिनों में घरेलू खर्च पर महंगाई की मार में रिफाइंड तेल 120 से बढ़कर 135 रुपए, सरसों तेल 150 से 180 रुपए, वनस्पति 140 से बढकर 160 रुपए और मूंगफली का तेल 190 से सीधा 220 रुपए प्रति लीटर पर जा पहुंचा है। वहीं उड़द दाल 120 से उछलकर 140 रुपए, बासमती चावल 80 से 110 रुपए और रोजमर्रा का आटा 31 रुपए से बढ़कर 33 रुपए प्रति किलो हो गया है। शक्कर 44 से 48-50 रुपए, चायपत्ती 190 रुपए से 200 रुपए और देसी घी 580 से बढ़कर 640 रुपए किलो हो गया है। मसाले भी पीछे नहीं हैं। धनिया 180 रुपए से 220 रुपए, लाल मिर्च 260 रुपए से 320 रुपए और हल्दी 180 रुपए से 220 रुपए प्रति किलो पर तांडव कर रही है। बता दें कि अमेरिकन बादाम 650-750 रुपए से बढ़कर 950-1100 रुपए और काजू 700-800 रुपए से सीधा 900-1050 रुपए किलो हो चुका है।

क्या कहतीं हैं गृहणियां

तीन महीने में मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए घर का खर्च चलाना दूभर हो गया है। खाद्य पदार्थों, पेट्रोल-डीजल और गैस की बढ़ती लागत ने हमारे मासिक बजट को पूरी तरह मटियामेट कर दिया है।

निशा तिवारी, शारदापुरम वार्ड 15

आटा से लेकर चावल-दाल व घर के रोजमर्रा के सामानों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में एक मध्यम वर्गीय परिवार को घर चलाना मुश्किल हो रहा है। लगातार इस तरह से यदि महंगाई की मार आम जन पर पड़ती रही तो घर चलाना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाएगा।

रानी तिवारी, आनंद नगर वार्ड 8

यह पूरी तरह से सप्लाई का मामला है। हॉर्मुज जलडमरू मध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई है। भारत अपनी 91 फीसदी एलपीजी जरूरत का 91 खाड़ी देशों से आयात करता है। डॉलर के 92 रुपए पहुंचने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से देश के भीतर ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स कॉस्ट बढ़ गई है। पैकेजिंग मटेरियल महंगे होने से स्थानीय पैकेज्ड फूड भी महंगे हुए हैं। जब तक वैश्विक मोर्चे पर तनाव कम नहीं होता और मालभाड़े में कमी नहीं आती, तब तक घरेलू बाजार में खुदरा महंगाई पर काबू पाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। सरकार को इस ओर सोचना चाहिए ताकि आमजन की समस्याओं का निराकरण हो सके।

मनीषा द्विवेदी, शिक्षिका रीवा।

आगे और बिगड़ेंगे हालात

जानकारों की माने तो आगे तीन माह स्थितियां और चुनौतीपूर्ण बनी रहेंगी। मानसून की अनिश्चिता और अंतर राष्ट्रीय क्रूड की कीमतें रिटेल मार्केट को दबाव में रखेंगी और गैस और खाद्य तेलों के दाम ऊंचे स्तर पर ही टिके रह सकते हैं। वहीं 6 माह बाद की स्थिति को लेकर कहा जा रहा है कि सरकार द्वारा रुस से कच्चे तेल के वैकल्पिक इंतजामों और घरेलू स्तर पर पेटशेकेमिकल्स के बजाय रसोई गैस उत्पादन को प्राथमिकता देने से धीरे-धीरे सप्लाई और समान्य होगी।

20 दिन में 5 ग्रह बदलेंगे राशि, दिखेंगे बड़े असर

दुर्लभ खगोलीय घटना, मौसम के साथ कारोबार में आएंगे बड़े बदलाव

जागरण, रीवा। जून का महीना ब्रह्माण्ड और ज्योतिष की दुनिया में कुछ विशेष करने जा रहा है। इस महीने ग्रहों की चाल ऐसी रहेगी कि देश के मौसम से लेकर आपकी जेब और कारोबार, सब कुछ प्रभावित होने वाला है। ज्योतिषियों की मानें तो महज 20 दिनों के भीतर 5 प्रमुख ग्रह अपनी राशि बदलने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक दुर्लभ खगोलीय घटना है। 21 जून की तारीख बेहद खास होने वाली है। इस दिन सूर्य देव उत्तरायण से दक्षिणायन की ओर मुड़ेंगे। यह न सिर्फ साल का सबसे लंबा दिन होगा, बल्कि इसे प्रकृति के नए चक्र और वर्षा ऋतु की शुरुआत का साफ संकेत माना जा रहा है। यानी भीषण गर्मी से राहत के बादल इसी के बाद बरसेंगे।

29 को बुध देव होंगे कर्क में वक्री

29 जून को बुध देव कर्क राशि में ही वक्री (उल्टी चाल) हो जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों ने चेतावनी दी है कि जून के आखिरी दिनों में कोई भी बड़ा फैसला लेते समय आंखें और कान खुले रखें। विशेषकर व्यापारिक सौदे, कागजी दस्तावेज (डॉक्यूमेंट्स) एग्रीमेंट्स और पैसों के लेन-देन में जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है।

गुरु और शुक्र की जुगलबंदी

इस महा-बदलाव की शुरुआत देवताओं के गुरु बृहस्पति ने कर दी है। 3 जून की तड़के ही गुरु मिथुन राशि को अलविदा कहकर अपनी उच्च राशि कर्क में प्रवेश कर चुके हैं। गुरु ज्ञान और विवेक के कारक हैं। अब इसमें तड़का लगाने आ रहे हैं सुख-समृद्धि के देवता शुक्र 8 जून को शाम 5.43 बजे शुक्र भी कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। जब ज्ञान के देव और संसार के सुखों के देव एक ही घर (कर्क) में बैठेंगे, तो इसे ज्योतिष की दुनिया में बेहद खास जुगलबंदी माना जा रहा है। 22 जून को दोपहर 3.53 बजे बुद्धि और व्यापार के देवता बुध भी कर्क राशि में कदम रखेंगे। गुरु और शुक्र पहले से ही वहां मौजूद होंगे, जिससे कर्क राशि में त्रिग्रही योग (तीन ग्रहों का महामिलन) बन जाएगा।

क्या होगा इसका असर: ज्योतिषीय विश्लेषण के अनुसार, इस त्रिग्रही योग से शिक्षा, रिसर्च, टेक्नोलॉजी, प्रॉपर्टी बाजार और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में उछाल और नई संभावनाएं देखने को मिलेंगी।

20 दिन का ग्रह कैलेंडर

- 3 जून: बृहस्पति का कर्क राशि में प्रवेश हुआ।
- 8 जून : (शाम 5.43 बजे) शुक्र का कर्क राशि में गोचर (गुरु-शुक्र की युति)
- 15 जून : सूर्य देव का मिथुन राशि में प्रवेश
- 20 जून : मंगल देव का वृषभ राशि में आगमन
- 21 जून : साल का सबसे बड़ा दिन और वर्षा ऋतु का शंखनाद
- 22 जून (दोपहर 3.53 बजे), बुध का कर्क में प्रवेश (त्रिग्रही योग की शुरुआत)

तीन साल बाद जलबिहार के लिए आज से फिर शुरू हो रहा मिहिरसेन तरणताल

साढ़े चार करोड़ की लागत से मरम्मत कराने के बाद हो पाया है तैराकी के लायक

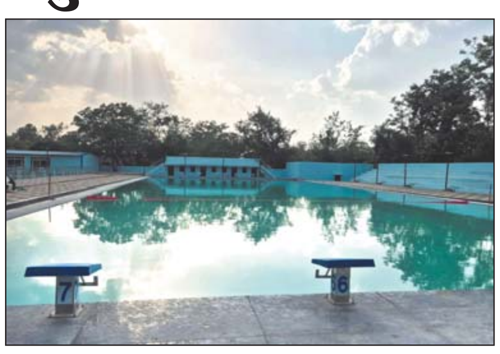

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा साढ़े चार करोड़ रुपये से मरम्मत कराने उपरांत तीन साल बाद जलविहार के लिए मिहिरसेन तरणताल को आज 8 जून से फिर से प्रारंभ किया जा रहा है। तैराकी के शौकीन एवं तैराकी सीखने वालों को इसका बेसब्री से इंतजार था। अब उनका इंतजार समाप्त हो गया। नगर निगम द्वारा शहरवासियों को स्वास्थ्य, फिटनेस एवं मनोरंजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मिहिर सेन तरणताल का संचालन प्रारंभ किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों के लिए पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके माध्यम से इच्छुक व्यक्ति मासिक सदस्यता प्राप्त कर अथवा दैनिक शुल्क जमा कर तरणताल की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। हालाकि इसके दीर्घकालीन संचालन के लिए टेंडर जारी कर दिये गये हैं। लेकिन टेंडर होने तक लोगों की सुविधा की दृष्टि से इसे प्रारंभ किया जा रहा है। तरणताल में प्रवेश हेतु दो प्रकार के पैकेज उपलब्ध कराए गए हैं। मासिक सदस्यता पैकेज के अंतर्गत 2,500रु. प्रति व्यक्ति प्रतिमाह शुल्क निर्धारित किया गया है, जो माह के प्रारम्भ में अग्रिम रूप से जमा करना अनिवार्य होगा। मासिक सदस्यों को प्रतिदिन एक बार तथा अधिकतम एक घंटे तैरने की पात्रता होगी। सदस्यता समाप्त होने के बाद नवीनीकरण न कराने पर सदस्यता स्वतः निरस्त मानी जाएगी। दैनिक आगंतुक पैकेज के अंतर्गत 100रु. प्रति व्यक्ति प्रति घंटे का शुल्क रखा गया है। दैनिक आगंतुक को प्रत्येक पाली के लिए अभिस्वीकृति प्रपत्र अनिवार्य रूप से भरना होगा। नगर निगम ने तैराकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक सत्र में प्रशिक्षित लाइफगार्ड एवं तैराकी कोच की तैनाती सुनिश्चित की है। जिन आगंतुकों को तैरना नहीं आता, वे केवल पूल में चिह्नांकित उथले क्षेत्र (शैलो जोन) में ही रह सकेंगे, गहरे क्षेत्र में प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा।

तीन सत्रों में की गई है तैराकी व्यवस्था

नगर निगम द्वारा तरणताल में प्रतिदिन तीन सत्रों में तैराकी की व्यवस्था की गई है। प्रातःकालीन सत्र प्रातः 6:00 बजे से 10:00 बजे तक सभी आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। सायं 5:00 से 6:00 बजे तक का सत्र केवल महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा, जिसमें पुरुष का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। सायंकालीन सत्र सायं 6:00 बजे से 8:00 बजे तक सभी के लिए उपलब्ध रहेगा। प्रत्येक सत्र में एक समय पर अधिकतम 30 व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

डाइविंग पूल में प्रतिबंधित रहेगा प्रवेश : नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में फिलहाल मिहिर सेन तरणताल में केवल स्विमिंग पूल का संचालन किया जाएगा। सुरक्षा एवं तकनीकी कारणों से डाइविंग पूल को आगामी आदेश तक बंद रखा गया है तथा उसमें प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नागरिकों को केवल निर्धारित स्विमिंग क्षेत्र में ही तैराकी की अनुमति होगी।

सदस्यों को इन नियमों का पालन करना होगा : तरणताल के सदस्यों को नगर निगम के नियमों को पालन सख्ती करना होगा। तरणताल परिसर में मदिरापान, धूम्रपान, पान-तम्बाकू का सेवन, थूकना एवं किसी भी प्रकार की गंदगी करना सर्वथा प्रतिबंधित है। इसका उल्लंघन करने पर तत्काल सदस्यता निरस्त की जाएगी। पूल में उतरने से पूर्व परिसर के स्नानागार में स्नान करना आवश्यक है तथा शरीर पर तेल या साबुन लगाकर पूल में उतरना वर्जित है। निगम ने आगंतुकों को सलाह दी है कि वे पैसे, आभूषण, मोबाइल अथवा अन्य कोई मूल्यवान वस्तु परिसर में न लाएं।

5 से 14 वर्ष आयु के बच्चों के साथ अभिभावक की मौजूदगी जरूरी

नगर निगम ने पंजीयन हेतु विशेष शर्तें रखी हैं जिनमें तरणताल में प्रवेश हेतु पहचान व आयु सत्यापन के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, अंकसूची अथवा जन्म प्रमाण पत्र में से कोई एक शासकीय पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। 18 वर्ष से कम आयु के आवेदकों के लिए माता-पिता अथवा अभिभावक का हस्ताक्षर अनिवार्य है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा, जबकि 5 से 14 वर्ष आयु के बच्चों के साथ माता-पिता या अभिभावक का तरणताल परिसर में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। नियमित मासिक सदस्यता लेने से पूर्व प्रारम्भिक तैराकी परीक्षा 20 मीटर की दूरी तैरकर पार कर उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा।

वार्ड 29 के रहवासियों को पांच दिनों से नसीब नहीं हुआ पेयजल

रीवा। शहर के वार्ड क्रमांक 29 के रहवासियों को पिछले पांच दिनों से पेयजल नसीब नहीं हो रहा, लोग पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। जब से वार्ड 38 वाले हड़ताल किए हैं उसके दूसरे दिन से ही यहां पानी आना बंद हो गया। वार्ड पार्षद ज्योति नामदेव ने बताया कि कुछ लोग कुएं से पानी भरकर ला रहे हैं यहां हैंडपंप तो लगा है जो नियमित पानी उगल रहा, एकाध बाल्टी भरने के बाद हैंडपंप में पानी आना बंद हो जाता है, यहां की सड़कें इतनी संकरी हैं कि वार्ड में पानी के टैंकर भी नहीं आ पा रहे, लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। वार्ड की जनता बार-बार फोन लगाकर परेशान कर रही है, पता नहीं क्या सिस्टम है, नियमित पानी भी सप्लाई नहीं किया जा रहा। वार्ड पार्षद ने बताया कि वे स्वयं 50 मीटर दूर से पानी भरकर लाने को मजबूर हैं।

खरीफ सीजन में महंगी हो गई बुवाई, यंत्रों का किराया बढ़ा

डीजल के दाम में बढ़ोतरी का असर, कृषि कल्याण वर्ष में किसानों पर महंगाई की मार

जागरण, रीवा। कृषि कल्याण वर्ष में किसानों को महंगाई का मार का सामना करना पड़ रहा है। खरीफ सीजन में कृषि कार्य की लागत बढ़ गई है। दरअसल डीजल के दामों में हुई बढ़ोतरी का असर किसानों पर भी पड़ रहा है। जिसके चलते किसानों को खेतों को तैयार करने के लिए किराये से प्लाऊ, कल्टीवेटर और रोटावेटर चलवाना महंगा पड़ रहा है। प्रति घंटे 200 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक प्रदेश सरकार कृषि कल्याण वर्ष मना रही है। अन्नदाता की आय बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे है लेकिन किसानों को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने खाद के दामों में इजाफा कर दिया है, हालांकि यूरिया और डीएपी के दाम स्थिर है।

1500 रुपए प्रति घंटा

डीजल के दामों में बढ़ोतरी के चलते कृषि कार्य भी महंगा हो गया है। इससे किसानों का बजट बिगड़ गया है। खरीफ सीजन में लागत बढ़ने से किसानों की आय पर इसका असर पड़ेगा। पहले कल्टीवेटर का प्रति घंटा 700 रुपये किराया था, यह बढ़कर 900-1000 रुपये प्रति घंटा हो गया है। सीडड्रिल का 1000 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये, रोटावेटर का 1000 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये, प्लाऊ का 1200 रुपये से बढ़कर 1500 रुपये प्रति घंटा बढ़ गया है।

डीजल 7.96 रुपए बढ़ा

जिले में 15 मई से अभी तक पांच बार डीजल पेट्रोल के दाम में इजाफा हो चुका है। डीजल के दाम में 7.96 रुपये और पेट्रोल के दाम में 8.10 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। 15 मई के पहले पेट्रोल 107.92 रुपये और डीजल 93.20 रुपये था। अब पेट्रोल बढ़कर 116.02 रुपये और डीजल 101.16 रुपये तक पहुंच गया है। पिछले दिनों पेट्रोल में 2.85 रुपये और डीजल में 2.79 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

रखे-रखे ही पत्थर हो गई सीमेंट की बोरियां

निर्माण कार्य के लिए आई थीं, उपयोग ही नहीं हो पाया

जागरण, रीवा। शासकीय संपत्ति की दुर्दशा कैसे करना हो ये शहर में स्थित पशु पालन एवं डेयरी विभाग की लापरवाही से पता चलता है। पशु पालन एवं डेयरी विभाग में चल रहे निर्माण के लिए यहां पर प्रिज्म सीमेंट की बोरियां आई थीं। यहां कोई निर्माण किया जा रहा है, निर्माण कार्य भी सिर्फ पिलर तक बन पाया है, निर्माण कार्य में उपयोग के लिए आई सीमेंट की बोरियां खुले में बाहर रख दी गई, जिससे उपयोग किए बिना ही यहां रखी सीमेंट पत्थर में तब्दील हो गई। अधिकारियों सहित यहां के कर्मचारियों ने भी सीमेंट की ओर ध्यान नहीं दिया। खुद सीमेंट खरीदकर लाते तो संभवतः इसकी चिंता करते। विभाग का कार्य है ये सीमेंट खराब हो गई तो दूसरी आ जाएंगी।

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

रीवा में पहली बार
यूरोलॉजी एवं किडनी संबंधित बीमारियों के उपचार हेतु
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल इंदौर के एक्सपर्ट अब
मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
METRO HOSPITAL
OPD क्लीनिक की सुविधा
यदि आप इन समस्याओं से परेशान हैं, तो आज ही पाएं उपचार एवं परामर्श:

पथरी, प्रोस्टेट, मूत्र मार्ग के रोग/ कैंसर का आधुनिक इलाज।
किडनी ट्रांसप्लांट संबंधित सलाह एवं उपचार।
डॉ. विकास सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (General Surgery), M.Ch.
दिनांक 20 जून 2026 शनिवार को
मिलने का समय दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक
यूरोलॉजी जेनिटो-यूरो ऑन्कोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा
अपॉइंटमेन्ट के लिए सम्पर्क करें: 07662-314775,7771000668

आसमान पर छाए काले बादल, नदियों में ठहरा जल और मानसून का इंतजार...

जागरण,रीवा। आसमान पर छाए बादल और विंध्य क्षेत्र की जीवनदायिनी बीहर नदी में ठहरा यह जल किसान की अजीविका का महत्वपूर्ण चक्र है। यह समय अर्थव्यवस्था की नींव है, जहां बादलों की आहट किसानों की उम्मीदों का केन्द्र है। मानसून के पूर्व भीषण गर्मी के बाद आसमान पर छाए काले बादल किसानों के लिए आशा लेकर आते हैं। बोवनी के लिए तैयार खेत जो गर्मी में जोते और समतल किए जा रहे हैं, अब बारिश का इंतजार कर रहे हैं। बारिश की पहली फुहारों के साथ मिट्टी की सोंधी खूशबू नए कृषि वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। यह वह समय है जब किसान अपने खेतों में बीज बोने के लिए अनूकूल समय का इंतजार करता है और बारिश न होने की स्थिति में यह विंध्य की जीवनदायिनी बीहर नदी का यह थमा हुआ पानी उसे एक बड़ा हौसला देता है। **छायाकारः विजय वर्मा (निक्की)**

नगर निगम 78000 घरों से वसूल रहा प्रापर्टी टैक्स

28 हजार ऐसे जिनमें किराएदार व दुकानें हैं संचालित, 50 हजार से अधिक है संख्या, पुलिस के पास 5 प्रतिशत का भी नहीं रिकॉर्ड

किराएदार, पेइंग गेस्ट और नौकरों की जानकारी देना अनिवार्य फिर भी लापरवाही कर रहे लोग

जागरण,रीवा

नगर निग प्रशासन के सर्वे में अब 78 हजार के करीब मकान हैं, जिनसे नगर निगम द्वारा प्रापर्टी टैक्स लिया जाता है। इन प्रापर्टियों में 28 हजार प्रापर्टी ऐसी हैं जिनके द्वारा सेमी कामर्शियल उपयोग कर टैक्स दिया जा रहा है। इन घरों में किराएदार हैं व दुकानें चल रही हैं। बता दें कि निगम के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार इन घरों में करीब 50 हजार लगभग किराएदार रहते होंगे। जबकि पुलिस के रिकॉर्ड से यह किराएदार दूर हैं। अपराधों पर नियंत्रण के लिए किराएदार, पेइंग गेस्ट और घरेलू करों की जानकारी पुलिस को देना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए मकान मालिक जिम्मेदार हैं। पुलिस ने ऑनलाइन सुविधा भी दी है लेकिन शहर के लोगों में किराएदारों को लेकर कोई जागरुकता नहीं है। यही वजह है कि पूरे शहर में करीब 50 हजार परिवार किराए से रहते हैं, जिनमें सदस्यों की संख्या लगभग 50 हजार के करीब है लेकिन पुलिस को 5 प्रतिशत की जानकारी भी नहीं दी गई। यहां तक कि नौकर और पेइंग गेस्ट की जानकारी भी पुलिस के पास नहीं पहुंच रही है। हालात ये हैं जब कहीं कोई घटनाक्रम हो जाता है, तब पुलिस को पता चलता है कि आरोपी किराए के मकान में रह रहा था। इसके पुलिस को उसका ब्यौरा जुटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इतना ही नहीं पुलिस को जानकारी न देने के कारण मकान मालिक को भी परेशान होना पड़ता है।

सूचना देना इसलिए जरूरी

कई बार आपराधिक प्रवृत्ति के लोग किराए का मकान लेकर रहते हैं या नौकर बनकर घर में प्रवेश करते हैं। कई बदमाश भी अपराध करने के बाद फरारी काटने के लिए दूसरे शहरों में नौकर बनकर रहते हैं। ऐसे में अगर आप किराएदार रखने से पहले पुलिस को उसका पूरा ब्यौरा देंगे तो भविष्य में होने वाली अनहोनी से बच सकते हैं।

नहीं मिली थी जानकारी

अपराधियों द्वारा किराएदार बनकर की गई वारदातों को देखते हुए यह अनिवार्य कर दिया गया था कि किराएदारए नौकर और पेइंग गेस्ट रखने से पहले मकान मालिक द्वारा पुलिस को सूचना दी जाए। यह अनिवार्यता पिछले कई सालों से है फिर भी शहर के लोग अभी तक जागरूक नहीं हुए हैं। पिछले साल संपत्तियों में से किराएदारों की सूची अलग करने के लिए नगर निगम ने जब पुलिस से जानकारी मांगी तब यह जानकारी ही नहीं दी गई, इधर उधर आंकड़ों का खेल चलता रहा।

निगम में दर्ज हैं 28 हजार

शहर में करीब 78000 मकान हैं। इनमें से 28 हजार ऐसे मकान हैं जिनमें किराएदार व दुकानें संचालित हैं। इन घरों में अनुमान के अनुसार करीब 50 हजार परिवार किराए से रहते हैं। जबकि पुलिस के रिकॉर्ड में यह नहीं हैं। राजस्व विभाग द्वारा शुरू किए गए अभियान के बाद से किरायादारों की संख्या सामने आई है, पूर्व में किराए के मकानों का भी आवासीय टैक्स ले लिया जाता था, हालांकि अभी भी कई ऐसे घर हैं जहां किराएदार व दुकानें तो हैं लेकिन सांठगांठ से टैक्स रहवासी का लिया जा रहा है। जिससे किराएदारों को लेकर निगम के आंकड़ों में भी बड़ा अंतर हो सकता है।

बायपास पुल आवागमन के लिए खुला, फिर भी शहर को भारी वाहनों से निजात नहीं

नो इंट्री खुलने पर 11 बजे के बाद रात भर गुजरते हैं भारी वाहन

जागरण, रीवा। बायपास मार्ग पर बीहर नदी पर पुल कर मरम्मत पूरी हो जाने के बाद भारी वाहनों का आवागमन बहाल हो गया और बायपास से भारी वाहन जाने भी लगे हैं, लेकिन इसके बावजूद शहर के लोगों को भारी वाहनों से निजात नहीं मिल पाई है। अभी भी नो इंट्री खुलने पर 11 बजे के बाद रात भर शहर से होकर भारी वाहनों की आवाजाही बंद नहीं हो पाई है। शहर के लोगों को उम्मीद थी कि बायपास से यातायात बहाल हो जाने के बाद शहर को भारी वाहनों से मुक्ति मिल जाएगी और लोग सुकून से कहीं भी सुरक्षित आ-जा सकेंग, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, सीमेंट कंपनियों के एवं अन्य भारी वाहन बीच शहर से फर्राटा मारते गुजरते हैं। जिससे अभी भी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है और डर के साये में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चलाते हैं।

गौरतलब है कि बायपास मार्ग से दो माह बाद पुल की मरम्मत पूरी होने पर अंततः 5 जून सुबह 6.00 बजे से प्रारंभ कर दिया गया है। इसके साथ भारी वाहनों का प्रवेश भी शहर में प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन रात में पुलिस गश्त नहीं होने के कारण प्रशासनिक आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। पुल के बंद हो जाने से भारी वाहनों के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोग भी परेशान थे। उनके लिए भी यह महत्वपूर्ण मार्ग था। पुल से आवागमन बहाल हो जाने से सभी को राहत मिली है लेकिन शहर को नहीं मिल पाई है। शहर के लोगों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि रात्रि में शहर के चोरहटा एवं समान थाना पुलिस को भारी वाहनों के प्रवेश रोकने के लिए सख्त हिदायत दी जाय।

दो बोलेरो में सवार सरहंगों ने घर जा रहे युवक पर किया प्राणघातक हमला

सलैया गांव की घटना, वाहन में भी की गई तोड़फोड़

जागरण,रीवा। आबकारी विभाग और पुलिस के संरक्षण में शराब ठेकेदार और उनके गुर्गे पूरे जिले में आतंक का पर्याय बने हैं। देर रात गाड़ियों में हथियारों से लैस होकर तफरी करने वाले इनके गुर्गों पर कानून का जरा भी भय नहीं हैं, या यूं कहे कि पुलिस अधिकारी खुद अब इन गुर्गों से खौफ कर बैठे हैं। मामला बीती रात्रि बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलैया का है, जहां बोलेरो सवार युवक के ऊपर दो बोलेरो वाहन से आए दर्जन भर लोगों ने लाठी डंडे और चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को देर रात उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं फिल्मी स्टाइल में कानून से बेखौफ बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए।

यह है पूरा घटना क्रम

घटना के संबंध में ग्राम जोड़ौरी निवासी ज्ञानेंद्र तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात्रि तकरीबन 1 बजे वह गांव के ही शिव बालक मिश्रा के साथ घर की ओर जा रहा था। ज्ञानेंद्र ने बताया कि जैसे ही वह सलैया गांव के समीप पहुंचा तभी अचानक सामने से दो बोलेरो में सवार लोग आए और उसकी फोर व्हीलर के सामने दोनों बोलोरो लगा दी। जब तक वह कुछ समझ पाता आरोपी गाड़ी से उतरे और सीधे मारपीट करते हुए वाह्न में तोड़फोड़ शुरू कर दिए। ज्ञानेंद्र ने बताया कि इस दौरान वह भाग निकला जबकि उसका साथी शिव बालक मिश्रा बदमाशों के चंगुल में फंस गया और उसके ऊपर लाठी डंडा सहित चाकू से हमला किया गया।

मनगवां शराब दुकान से जुड़े लोग

वहीं मीडिया को दिए गए बयान में ज्ञानेंद्र तिवारी ने कहा कि वारदात को अंजाम देने वाले मनगवां शराब दुकान से जुड़े हैं। फिलहाल पीड़ित द्वारा घटना की शिकायत थाने में दर्ज कर दी गई है। सूत्रों की मानें तो शराब दुकानों में सिंडीकेट को लेकर ठेकेदारों के बीच लगातार बातचीत हो रही है और वह सफल नहीं हो पा रही, एक दूसरे को तोड़ने के लिए शराब के दामों में भी कमी कर बेची जा रही है। कई जगहों पर कुछ दिन सिंडीकेट बनाकर काम भी होता है और फिर आपसी विवाद के बाद यह टूट जाता है। चर्चा है की शहर की शराब दुकानों में कुछ ऐसे ठेकेदारों को ठेका मिल गया है जिनका शराब तस्करी से पुराना नाता रहा है, जिसके चलते वह शहर में तो कब्जा जमाए ही हुए हैं, कई ग्रामीण क्षेत्र में भी अपना कारोबार चला रहे हैं और रेट गिराकर अन्य ठेकेदारों का प्रभावित कर रहे हैं।

स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त, एक युवक हिरासत में

एसपी के निर्देश पर गढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर 25 पेटी शराब की बरामद

जागरण, रीवा। जिले में अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक रीवा डॉ. गुरकरण सिंह के निर्देश पर गढ़ थाना प्रभारी अवनीश पांडे ने पुलिस टीम के साथ मिलकर कटरा के समीप घेराबंदी कर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन से भारी मात्रा में शराब जब्त की है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक को कटरा क्षेत्र के पास रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 25 पेटी के आसपास शराब लोड पाई गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जब्त शराब की मात्रा काफी अधिक बताई जा रही है और इसकी कीमत लाखों रुपये तक आंकी जा सकती है। फिलहाल पुलिस द्वारा शराब की गिनती, ब्रांड सत्यापन और दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वाहन के साथ एक युवक को भी हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब का परिवहन किस उद्देश्य से किया जा रहा था, इसका गंतव्य क्या था और इस पूरे नेटवर्क के पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय हैं।

सरपंच-सचिव पर मिट्टी बेचने का आरोप

रीवा। सरकारी तालाब मे अवैध उतखनन कर मिट्टी बेचने का मामला प्रकाश मे आया है। आरोप है की ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव ने मिलकर तालाब मे अवैध उत्खनन करा मिट्टी की बिक्री की है। फिलहाल ग्रामीणो ने मामले की लिखित शिकायत कर जाँच करा कार्यवाही की मांग की थी, जिस राजस्व अमला रविवार को मौके पर पहुंचा तो शिकायत सही पाई गयी। दरअसल मामला रीवा के ग्राम पंचायत सहिजना का है, जहां गांव मे स्थित सरकारी तालाब की मिट्टी खोद कर बिक्री कर दी गयी। ग्रामीणों ने शिकायत मे बताया की सरपंच-सचिव सहित सरपंच के देवर ने सरकारी तालाब मे अवैध उत्खनन कराया और तालाब से निकली मिट्टी को गांव सहित आसपास के इलाकों मे बिक्री कर दी।

पुरानी पुलिस चौकियों में कब्जा, कहीं टेंट का सामान तो कहीं हो रहा निवास

लंबे समय से अतिक्रमणकारी कर रहे दुरुपयोग, रोकने वाला कोई नहीं

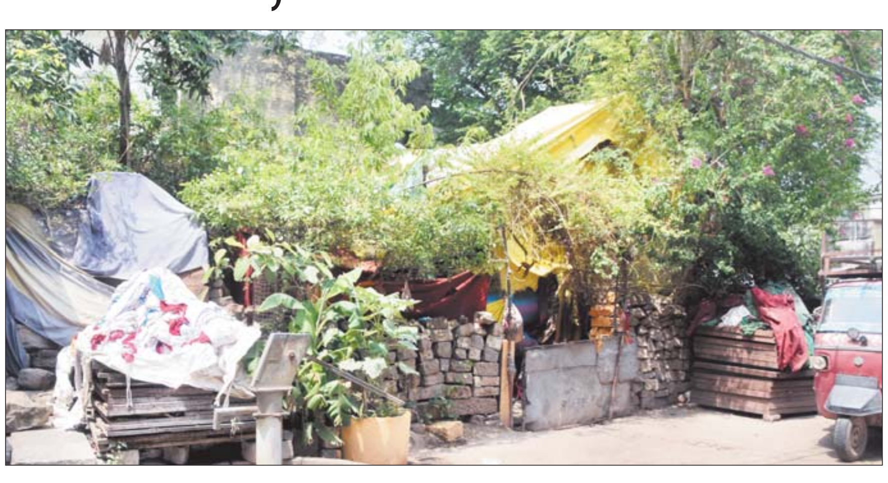

जागरण, रीवा। शहर में स्थित पुरानी चौकियां काफी समय से बंद पड़ी हैं, शहर पहले से शासकीय भूमि का अभाव झेल रहा है, अधिकांश शासकीय भूमि निजी व्यक्तियों को लीज पर दे दी गई है, इसके बाद भी इन चौकियों को बंद करने के पश्चात यहां अन्य चौकी अथवा शासकीय भवन का निर्माण नहीं किया गया। बताते हैं 1995-97 से ये चौकियां अनुपयोगी पड़ी हैं, जिनमें लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, चौकियां बंद करने के बाद इनके भवन भी डिस्मेंटल नहीं किए गए, भवन खंडहर जरुर हो चुके हैं, इसी का लाभ उठाते हुए अतिक्रमणकारियों को यहां अवैध रूप से कब्जा करने का मौका मिल गया।

घोघर में स्थित पुरानी चौकी पर अवैध रूप से कोई निवास कर रहा है, चौकी के सामने का हिस्सा तो यथावत है लेकिन पिछले हिस्से में यहां पक्का निर्माण कर लिया गया है और अतिक्रमणकारी इसमें मुफ्त में निवास कर रहे हैं। आसपास के लोगों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि ये अवैध कब्जा आज से नहीं लंबे समय से हो चुका है, अतिक्रमण हटाने वाले भी इधर से गुजरते हैं, किन्तु चौकी पर किया गया अवैध कब्जा दिखाई नहीं दे रहा। इसी प्रकार कटरा क्षेत्र में स्थित चौकी के अंदर और आसपास टैंट हाउस की सामग्री भरी हुई है, ऊपर से बरसाती बांध दी गई है, यहां के लोगों के अनुसार इस चौकी में भी अवैध रूप से किया गया कब्जा आज से नहीं बल्कि काफी समय पूर्व किया जा चुका है, इस पर भी अतिक्रमण हटाओ अमले की नजर नहीं पड़ी या फिर जानबूझकर नजर नहीं डाल रहे ये तो वे ही बेहतर बता सकते हैं।

स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल से गर्भवतियों के पंजीयन और निगरानी कार्य प्रभावित

जागरण,रीवा। स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मी एक बार फिर नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन पर है। संविदा कर्मियों ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय के बाहर धरना देकर आंदोलन शुरू किया था, जो अभी भी जारी है। स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल से गर्भवती के पंजीयन व निगरानी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संविदा कर्मचारियों के कार्य को रेगुलर कर्मचारियों को पूरा करने के निर्देश दिए गए है। बताया गया कि जिले में करीब 500 संविदा कर्मचारी हड़ताल पर है। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित न हों इसके लिए जिले के रेगुलर कर्मचारियों को दायित्व दिए गए हैं ताकि स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित न होने पाए। वहीं दूसरी तरफ संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के बावजूद 15-20 साल सेवा के बाद भी उन्हें नियमित नहीं किया गया है। अप्रेजल और नियमों का हवाला देकर उनका शोषण हो रहा है। कोई सुविधा नहीं मिल रही। भविष्य असुरक्षित है। कर्मियों ने कहा कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग उनके हितों को लेकर गंभीर नहीं है। जब तक मांग पूरी नहीं होती काम नहीं करेंगे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

लेबनान से सेना वापस बुलाना ही शांति का उपाय

इजराइल और लेबनान के बीच हुए नए युद्धविराम समझौते से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को राहत महसूस हो सकती है। ट्रंप पिछले कई दिनों से ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किए जा रहे शुरुआती समझौते को सुनिश्चित करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। इजराइल और लेबनान की जंग इसमें आ रही एक बड़ी बाधा है। पिछले हफ्ते, ईरान ने इजराइल द्वारा लेबनान में जंग को बढ़ाए जाने के विरोध में अमेरिका के साथ वार्ता स्थगित कर दी। अप्रैल में, जब ट्रम्प ने इजराइल और लेबनान के बीच युद्धविराम का एलान किया था, तब उन्होंने कहा था कि इजराइल को अब उस मुल्क पर हमला करने से 'रोका' जा चुका है। लेकिन तेल अवीव ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे और जमीनी अभियानों का विस्तार किया। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ 8 अप्रैल को हुए युद्धविराम समझौते में वाशिंगटन ने वादा किया था कि यह युद्धविराम लेबनान सहित तमाम मोर्चों पर लागू होगा। अब, ईरान द्वारा अमेरिका के साथ वार्ता स्थगित करने के बाद, ट्रम्प हरकत में आ गए। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बेरूत पर बमबारी करने की अपनी योजना से पीछे हटने के लिए मना लिया है और हिजबुल्लाह के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करके उन्हें 'गोलीबारी न करने' पर सहमत कर लिया है। इजराइल और लेबनान के बीच युद्धविराम का बयान ट्रम्प के एलान के बाद आया। ट्रम्प का दृढ़ राजनयिक हस्तक्षेप, जिसमें कथित तौर पर नेतन्याहू के साथ अपशब्दों से भरी बातचीत भी शामिल थी, उनके द्वारा राजनयिक प्रक्रिया को दिए जा रहे महत्व को दर्शाता है। लेबनान संकट के भड़कने से पहले, अमेरिका और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी को हटाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर बातचीत कर रहे थे, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए मंच तैयार करेगा।

यूं तो युद्धविराम समझौता स्वागत योग्य है, लेकिन यह अभी भी नाजुक और अधूरा ही है। इससे संघर्ष की प्रमुख समस्याएं अभी भी अनसुलझी ही रह गई हैं। ईरान अमेरिका को यह संदेश दे रहा है कि उसका प्रतिरोध करने का संकल्प कमजोर नहीं पड़ा है जरूरत पड़ने पर वह अरब देशों में अमेरिकी ठिकानों के बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि अमेरिका और ईरान के बीच किसी व्यापक समझौते का पहला लक्ष्य क्या होगा। ये लक्ष्य होगा युद्धविराम को जारी रखना और आगे की बातचीत के एजेंडे पर एक 'सहमति पत्र' तैयार करना। लेकिन इस लक्ष्य तक पहुँचना आसान नहीं दिख रहा है।

लेबनान में असल लड़ाई इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच हो रही है। लेबनानी सरकार इस संघर्ष में पक्षकार नहीं है और हिजबुल्लाह लेबनानी सेना के अधीन नहीं है। लेकिन हिजबुल्लाह वार्ता का हिस्सा नहीं था। युद्धविराम समझौते के तहत हिजबुल्लाह को एकतरफा हमले बंद करने होंगे, लेकिन इसमें इजराइल से कोई रियायत देने की बात नहीं कही गई है। हिजबुल्लाह का कहना है कि वह लड़ाई तभी रोकेगा जब इजराइल दक्षिणी लेबनान से पीछे हट जाएगा। इजराइल, जिसने 2000 में अपनी वापसी के बाद से दक्षिणी लेबनान में सबसे गहरी घुसपैठ की है, के सैनिकों की वापसी की किसी भी योजना के बारे में बात नहीं कर रहा है। इजराइल ने हाल के सालों में अपने सभी युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन ही किया है। संघर्षविराम समझौते के बावजूद, वह गाजा पर बमबारी करना जारी रखे हुए है। मौजूदा संघर्षविराम के बावजूद ट्रम्प द्वारा एक नए युद्धविराम के एलान से इस बात का पता चलता है कि यह समझौता कितना नाजुक है। उनका मकसद लेबनान में एक अस्थायी समझौता करके ईरान के साथ अपने प्रस्तावित समझौते को आगे बढ़ाना है। लेकिन इसके लिए उन्हें इजराइल से इस बात का पक्का आश्वासन लेना होगा कि वह समझौते की शर्तों का उल्लंघन नहीं करेगा। लेबनान में एक स्थायी युद्धविराम के लिए, इजराइल को दक्षिणी लेबनान पर अपना अवैध कब्जा खत्म करना होगा और अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा।

प्रसंगवश

जनगणना में आंकड़ों की सत्यता कायम रखना जरूरी

यह परेशान करने वाली बात है कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 'जनगणना 2027' के कुछ प्रगणकों को बेहद असामान्य कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन दो राज्यों में जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण और मकान गणना (एचएलओ) चल रहा है। इसमें लगाए गए प्रगणकों को 'परिवारों के पास दोबारा जाने और आंकड़ों में असंगतियों को ठीक करने' और 'सरकार की छवि खराब दिखा सकने वाले विकल्प नहीं चुनने' की सलाह दी गयी है। पुनर्सत्यापन किसी भी अध्ययन या सर्वेक्षण का एक जायज हिस्सा है लेकिन यह सच्चाई को सटीक ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए होना चाहिए, न कि धारणाओं को प्रबंधित करने के लिए। राजस्थान में, यह मसला जिला-स्तरीय अधिकारियों को जनगणना कार्य निदेशक के उस परिपत्र से उपजा है जो क्षेत्र के आंकड़ों (फील्ड डेटा) में चिह्नित की गयी असंगतियों से संबंधित है। जैसा कि ऊपर से दिख रहा है, इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रश्नावली में उपयुक्त विकल्पों का इस्तेमाल करके आंकड़े सटीकता के साथ दर्ज किये जाएं। हालांकि, कुछ मामलों में प्रगणकों को पूर्व-धारणाओं के आधार पर आंकड़े दर्ज करने को कहा गया है। मसलन, अगर किसी परिवार के पास शौचालय नहीं है, तो प्रगणक को यह देखने को कहा गया है कि क्या नजदीक में शौचालय उपलब्ध है, जिसके आधार पर प्रविष्टि को 'खुले में शौच' से बदलकर 'शौचालय तक पहुंच [है]' किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में, संदेश यह प्रतीत होता है कि तथ्यों को जस का तस न पेश किया जाए, जिससे एक बेहद अहम और संवेदनशील कवायद के लिए आंकड़ों की सत्यता और विश्वसनीयता के बारे में चिंता खड़ी हो रही है।

खुले में शौच के खिलाफ देश में लंबे समय से चल रहे अभियान जैसे कार्यक्रम कितने कारगर साबित हुए हैं, यह प्रकरण इसे सामने लाता है। कई राज्यों ने ठोस प्रगति की है, लेकिन यह निष्कर्ष निकालना कि समस्या खत्म हो गयी है, हकीकत से मुंह मोड़ना होगा। धन मुहैया कराने समेत प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए, शहरों और गांवों को निश्चित मानदंडों के आधार पर खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ), ओडीएफ प्लस और ओडीएफ प्लस मॉडल जैसी श्रेणियों में बांटना वाजिब है। लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि क्या इस तरह का वर्गीकरण हकीकत को दर्शाता है या फिर प्रगणकों के काम के साथ विरोधाभास को जन्म देता है। यह सुनिश्चित करना नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि जनगणना के आंकड़े सटीक और भरोसेमंद हों। उन्हें लोगों को सही सूचनाएं मुहैया कराने के लिए जागरूक भी बनाना होगा, क्योंकि सार्वजनिक नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं इन आंकड़ों के आधार पर बनायी जाती हैं और अंततः उन्हें ही फायदा पहुंचाती हैं। अधिकारियों को प्रगणकों द्वारा सामना की जा रही जायज कठिनाइयों को स्वीकार करना चाहिए और उनका समाधान निकालना चाहिए। चूंकि जनगणना के महत्व को दोहराने की शायद ही कोई जरूरत है, केंद्र सरकार को दक्ष और समयबद्ध काम सुनिश्चित करने के लिए प्रगणकों के भत्ते बढ़ाने में काफी उदार होना चाहिए। उसे न केवल इसमें शामिल वित्तीय परिव्यय (पूरे देश के लिए लगभग 11,718 करोड़ रुपये) के प्रति, बल्कि लक्षित और समावेशी नीति-निर्माण जैसे उद्देश्यों के लिए भरोसेमंद आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की जरूरत के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। सरकार को यह साफ संदेश भेजना चाहिए कि पुनर्सत्यापन की आड़ में आंकड़ों की साफ-सफाई कतई न की जाए।

क्षेत्रीय राजनीति

फिल्म जगत के नेताओं ने पारंपरिक द्रविड़ मॉडल को कमजोर करने में खासा योगदान दिया

नव-द्रविड़ राजनीति- नई विचारधारा की दस्तक

आर. राजगोपालन

द्रविड़ आंदोलन ने कई बार अपनी दिशा बदली है। अब विजय द्रविड़ राजनीति के प्रमुख तत्वों को जेन-जी की आकांक्षाओं से जोड़ रहे हैं, उससे नव-द्रविड़ राजनीति के सूत्रपात के ही संकेत मिलते हैं। सी विजय जोसेफ ने तमिलनाडु में एक ऐसी विचारधारा की शुरुआत की है, जिसे कई विश्लेषक 'नव-द्रविड़ विचारधारा' बताते हैं। सौ साल पुरानी द्रविड़ अवधारणा इस समय संकट में है। महज 27 महीने पुरानी पार्टी, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने उन दो दिग्गज पार्टियों (द्रमुक और अन्नाद्रमुक) के राजनीतिक वर्चस्व को खत्म कर दिया है, जो पिछले 72 वर्षों से तमिलनाडु पर राज कर रही थीं। विजय ने यह कमाल जेन-जी (जेनरेशन जेड) की द्रमुक-विरोधी भावना और राजशाही जैसे शासन के प्रति उनके विरोध का फायदा उठाकर किया। क्या द्रमुक की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले उदयनिधि स्टालिन, विजय की 'सुनामी' और 'नव-द्रविड़ युग' का मुकाबला कर पाएंगे?

आने वाले 10 से 15 वर्षों में, टीवीके के तमिलनाडु की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की संभावना है। पूर्व भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने एक अलग पार्टी बना ली है, जो टीवीके के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर सकती है। विजय और टीवीके सीधे तौर पर द्रविड़ विचारधारा से मुकाबला नहीं कर रहे हैं, बल्कि पांच नेताओं के नामों का सहारा लेकर अपनी राजनीति को आकार दे रहे हैं। ये नेता हैं—के. कामराज, ई.वी. रामासामी 'पेरियार', वेलू नाचियार, अंजलाई अम्माल और बी.आर. आंबेडकर। अक्तूबर 2024 में टीवीके को लॉन्च करते समय, विजय ने पार्टी की जाति-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक विचारधारा के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी द्रविड़ राष्ट्रवाद को तमिल राष्ट्रवाद से अलग नहीं करेगी।

हालांकि टीवीके ने तमिलनाडु में जिस किस्म की राजनीति शुरू की है वह परेशान करने वाली है। यह उस 'ऑपरेशन लोटस' मॉडल से काफी मिलती-जुलती है जिसे भाजपा ने सबसे पहले कर्नाटक में अपनाया था। अपनी विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे चुके चार एआईएडीएमके विधायकों को तुरंत अपने पाले में शामिल करके, खुद को एक 'पाक-साफ ताकत' के रूप में प्रचारित करने वाली टीवीके ने संदेहास्पद चाल अपनायी है। यह मॉडल विपक्षी विधायकों को इस्तीफा देने और सत्तारूढ़ दल में शामिल होने, और फिर उप-चुनाव के जरिए विधानसभा में दोबारा दाखिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है। फिल्म जगत के नेताओं ने पारंपरिक द्रविड़ मॉडल को कमजोर करने में खासा योगदान दिया है। यह इसका भी संकेत है कि कैसे द्रविड़ विचारधारा कई टुकड़ों में बंट गई। द्रविड़ आंदोलन के मूल संगठन से कई शाखाओं का जन्म हुआ—डीके, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, एमडीएमके, डीएमडीके और एएमएमके। तमिलनाडु में फिल्मी सितारों ने सफलतापूर्वक अपने प्रशंसक-वर्ग को राजनीतिक वोट-बैंक में बदल दिया और उन्हें कट्टर द्रविड़ अवधारणा से दूर ले गए। उन्होंने सामाजिक न्याय और आत्म-सम्मान की मशाल को जलाए रखकर यह सुनिश्चित किया कि वंचितों के लिए 69 प्रतिशत तक आरक्षण बना रहे। उन्होंने इस आंदोलन की दिशा भी बदल दी। नतीजतन कई बार, द्रविड़ आंदोलन अपने रास्ते से भटक भी गया।

1972 में, एम.जी. रामचंद्रन (एमजीआर) ने यह साबित करके एक बड़ा मोड़ ला दिया कि एक द्रविड़ नेता भी ईश्वर का भक्त हो सकता है। उन्होंने 17 अक्तूबर, 1972 को अन्नाद्रमुक की शुरुआत की और 1977 में मुख्यमंत्री बने। फिर जयललिता फिल्मों से राजनीति में आईं और 1991 में मुख्यमंत्री बनीं। उनके उदय ने द्रविड़ राजनीति की दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने अपने करिश्मा से लगातार छह कार्यकालों तक राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखा। इसी बीच, एक और फिल्मी हस्ती, विजयकांत ने 2005 में डीएमडीके की शुरुआत की। उन्होंने कुछ हद तक द्रविड़ संस्कृति के क्षरण को रोकने का प्रयास किया।

अब, सी. विजय जोसेफ ने द्रविड़ राजनीति के सात दशकों के वर्चस्व को ललकारा है। विजय ने पेरियार और आंबेडकर की सामाजिक न्याय की विरासत की नई व्याख्याएं प्रस्तुत की हैं, और 'विजयवाद' का सूत्रपात किया है। टीवीके द्वारा ब्राह्मणों को जगह देना एक अहम बदलाव है। लगता है कि विजय ने जयललिता से प्रेरणा ली है, जिन्होंने सफलतापूर्वक एक द्रविड़ पार्टी का नेतृत्व किया था। उन्होंने ब्राह्मणों को मंत्री पद दिया है, जिसमें संवेदनशील 'हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती' विभाग भी शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने आठ दलितों को भी महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपे हैं। पिछले दो दशकों में, द्रविड़ मूल के अस्तित्व की चुनौतियां और भी बढ़ गई हैं। तमिलनाडु अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां 'जेन-जी' राजनीतिक विमर्श को तेजी से प्रभावित कर रहा है-भले ही यह बदलाव बेहतर के लिए हो या बदतर के लिए। 1916 में, तमिलनाडु में जस्टिस पार्टी का उदय हुआ, जो 1960 के दशक के मध्य के बाद एक सामाजिक आंदोलन से विकसित होकर प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन गई। पेरियार ने उच्च-जाति विरोधी राजनीति, राज्य की स्वायत्तता, महिला सशक्तीकरण और कभी-कभी तो अलगाववादी विचारों का भी समर्थन किया। द्रविड़ आंदोलन 1967 में एक नए दौर में प्रवेश कर गया, जब सी.एन. अन्नादुरई ने जस्टिस पार्टी के कुछ मूल सिद्धांतों को नरम किया और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए अधिक व्यावहारिक मार्ग अपनाया। सी. राजगोपालाचारी, जो एक ब्राह्मण और दक्षिणपंथी नेता थे, ने द्रमुक के उभार को पहले ही भांप लिया था और कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए उसके साथ गठबंधन कर लिया। इस गठबंधन ने द्रविड़ आंदोलन को राजनीतिक सत्ता का स्वाद चखने का अवसर दिया।

1967 के बाद से, द्रविड़ राजनीति अपनी कुछ मूल वैचारिक स्थितियों से दूर हटने लगी। यह कट्टर द्रविड़वाद के नरम पडने की दिशा में पहला कदम था। फिर करुणानिधि इस आंदोलन के केंद्रीय व्यक्तित्व के रूप में उभरे। जनता में व्याप्त असंतोष ने अंततः एमजीआर के लिए जगह बनाई, जिन्होंने 1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना की। एमजीआर ने जबर्दस्त जीत हासिल की और एक नए द्रविड़ मॉडल के निर्विवाद नेता बन गए।

1972 और 1989 के राजनीतिक घटनाक्रमों की एक समानांतर स्थिति अब 2026 में देखने को मिल सकती है। आज कोई ऐसा कद्दावर नेता नजर नहीं आता, जो विभिन्न द्रविड़ गुटों को एक ही बैनर तले एकजुट कर सके और पेरियार की विरासत को और अधिक धूमिल होने से रोक सके। टीवीके नेता विजय सामाजिक न्याय के क्षेत्र में मौजूद खाली जगह को भरने की राह पर अग्रसर प्रतीत होते हैं।

खुला मंच

नानीलैंड होती थी बच्चों की समर कैपिटल

शमीम शर्मा

एक जमाना था जब बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां कुल्लू-मनाली, श्रीनगर, स्विट्ज़रलैंड नहीं, सीधे 'नानीलैंड' में कटती थीं। गर्मियों की छुट्टियों का मतलब ही होता था- नानी का घर और बच्चों के चेहरे पर ऐसा उत्साह, जैसे विदेश यात्रा पर जा रहे हों। नानी के घर जाने पर बच्चे पांच मिनट में तैयार हो जाते थे। नानी का घर उस समय बच्चों का 5 स्टार रिजॉर्ट होता था। वहां के पंखे की हवा में भी अलग ही किस्म की ठंडक होती थी। उसकी चर्र-चर्र में भी लोरी होती थी।

नानी का घर कोई साधारण घर नहीं होता था। वह बच्चों का संयुक्त राष्ट्र था। वहां मौसी के बच्चे, मामा के बच्चे, पड़ोस के बच्चे सब मिलकर ऐसा शोर मचाते थे कि लगता था घर में बच्चे नहीं पूरी बारात ठहरी हुई है। बच्चों की धींगामस्ती देखकर तो घर का कुत्ता भी कोने में बैठकर शांति वार्ता की मांग करता था। नानी के घर में नियम कम, प्यार ज्यादा होता था। सुबह देर तक सोओ तो भी कोई डांट नहीं। रोटी छोड़ दो तो नानी खुद हाथ से कौर बनाकर खिलाती थी और रात को कहानी सुनाते-सुनाते खुद सो जाती थी। बच्चे पूरे दिन छत पर, आंगन में, पेड़ों पर, गली में घूमते थे। कभी लूडो, कभी पिट्ठू, कभी कंचे। और शाम को नानी की आवाज—आजा बेट्टा, दूध पी ले। नानी बोलती कि एक रोटी और ले ले। बच्चा कहता—ना नानी पेट भर गया। इस पर नानी कहती पर नानी का मन नहीं भरा। छुट्टियों के बाद नानी के घर से अपने घर पहुंचते तो बात-बात पर सुनना पड़ता- नानी का घर समझ रखा है क्या।

आज सब बदल गया है। अब बच्चे नानी के घर जाते कम हैं, इंस्टाग्राम रील ज्यादा बनाते हैं। पहले नानी के घर से लौटते समय आंसू निकलते थे। अब बच्चे पूछते हैं- नानी, आपका वाईफाई इतना स्लो क्यों है? सबसे दुख की बात ये है कि अब नानी के घर रिश्ते कम, फोटो ज्यादा बनती हैं।

अब सब कुछ ऑनलाइन हो गया। वीडियो कॉल पर नानी मुस्कुरा देती है पर मोबाइल स्क्रीन कभी वो खुशबू नहीं दे सकती जो नानी के आंचल से आती थी। जिस पीढ़ी ने नानी की गोद खो दी, उसने बचपन का सबसे मुलायम तकिया खो दिया। नाना बैठे-बैठे आज भी यह सोचते होंगे कि उसके घर को नाना का घर क्यूं नहीं कहते।

एक छोरे ने अपने नाना से पांच सौ रुपये मांगे। नाना अचरज से बोले- पांच सौ का के करेगा ? छोरा बोला पीजा और बर्गर खाऊंगा। नाना बोला- पांच सौ में तो हमारे टाइम में छोरी का रिश्ता पक्का हो जाया करता था।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता

बायोगैस के ऊर्जा विकल्प से ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी होगी मजबूत

बायोगैस और सीबीजी से कम होगा ईंधन आयात

वीरेंद्र कुमार विजय

वैश्विक ऊर्जा संकट, आयातित ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, भू-राजनीतिक अस्थिरता और तेजी से बिगड़ती पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। भारत की ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर एलपीजी और एलएनजी, वैश्विक घटनाओं पर अत्यधिक निर्भर है। इसने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि आयातित ऊर्जा पर अत्यधिक निर्भरता भारत के लिए दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित नहीं है। यही वह समय है, जब भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति को स्थानीय संसाधनों की ओर मोडना होगा।

ऐसे समय में बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) एक प्रभावी, व्यावहारिक और स्वदेशी समाधान होगा, जो न केवल ऊर्जा संकट को कम कर सकता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि भारत अपने विशाल जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक व संगठित ढंग से उपयोग करे, तो 'ऊर्जा स्वराज' का सपना साकार किया जा सकता है और देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है।

देश के 6.5 लाख से अधिक गांवों में हर वर्ष भारी मात्रा में कृषि अवशेष, गोबर, पशु अपशिष्ट, खाद्य अपशिष्ट और अन्य जैविक पदार्थ उत्पन्न होते हैं। शहरी क्षेत्रों में भी ठोस कचरा, होटल और रेस्टोरेंट का जैविक कचरा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का अपशिष्ट, चीनी मिलों से निकलने वाला प्रेसमड और अन्य औद्योगिक जैविक अपशिष्ट बड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। यदि इन्हें एकत्रित कर बायोगैस उत्पादन में परिवर्तित किया जाए, तो यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का भी स्थायी समाधान हो सकता है।

विभिन्न अध्ययनों के आधार पर भारत में हर वर्ष लगभग 23-24 करोड़ टन फसल अवशेष उपलब्ध होता है। इससे लगभग 60 से 80 अरब घन मीटर बायोगैस उत्पन्न की जा सकती है। इसके अलावा, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 110-120 करोड़ टन गोबर, छह-आठ करोड़ टन शहरी ठोस अपशिष्ट तथा 7.5-8 करोड़ टन खाद्य अपशिष्ट उपलब्ध होता है। इनसे अरबों घन मीटर/वर्ष बायोगैस उत्पन्न की जा सकती है। इस बायोगैस को शुद्ध कर लाखों टन प्रति वर्ष कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्राप्त की जा सकती है। यह मात्रा भारत के परिवहन ईंधन की कुल मांग का लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक प्रतिस्थापित करने की क्षमता रखती है।

इस दृष्टि से बायोगैस और सीबीजी न केवल वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, बल्कि देश के ऊर्जा आयात बिल को कम करने और विदेशी मुद्रा की बचत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब 1.2 करोड़ घरेलू बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की क्षमता है, जिनमें से करीब 51 लाख संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। यह दर्शाता है कि बायोगैस तकनीक भारत में सफलतापूर्वक कार्य कर सकती है और स्वच्छ ईंधन की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम है। बायोगैस संयंत्रों से निकलने वाला डाइजेस्ट उच्च गुणवत्ता वाला जैविक उर्वरक होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाकर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करता है।

भारत की ऊर्जा बहस अक्सर बड़े उद्योगों, बिजली उत्पादन और पेट्रोलियम आयात के इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि देश की ऊर्जा खपत का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप हमारी रसोई में खर्च होता है. भोजन पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाली ऊर्जा न केवल घरेलू अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना पर भी गहरा असर डालती है. ऐसे में हमें अब ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों के कुशल प्रबंधन की ओर ध्यान देना चाहिए. इस कुशल प्रबंधन से हम अपने देशी ऊर्जा संसाधनों को विकसित कर ऊर्जा के घरेलू खपत के मामले में आत्मनिर्भर हो सकते हैं.

गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों में मुख्यतः सौर ऊर्जा-सूरज की रोशनी से बिजली बनाना (सोलर पैनल), पवन ऊर्जा-हवा की गति से टर्बाइन चलाकर बिजली बनाना, जल विद्युत- पानी की गतिज ऊर्जा से बिजली बनाना (हाइड्रोपावर), भूतापीय ऊर्जा- पृथ्वी की आंतरिक गर्मी से ऊर्जा प्राप्त करना, बायोमास ऊर्जा-जैविक पदार्थों (कृषि अवशेष, लकड़ी) से ऊर्जा बनाना आदि आते हैं. ये सभी गैर पारंपरिक स्रोत पर्यावरण अनुकूल हैं, हमारी प्रकृति में उपलब्ध हैं या प्रकृति प्रदत्त हैं एवं नवीकरणीय (ये स्रोत प्राकृतिक रूप से पुनःपूर्ति होते रहते हैं). इन स्रोतों को स्थानीय विकास के साथ जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की जा सकती है.

यह स्पष्ट है कि वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट भारत के लिए एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। भारत के गांवों में मौजूद जैविक संपदा को ऊर्जा में परिवर्तित करना केवल एक तकनीकी विकल्प नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता है। आज भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने स्थानीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग करे और एक आत्मनिर्भर, स्वच्छ व सतत ऊर्जा भविष्य की ओर अग्रसर हो।

जीवन दर्शन

उम्मीद न रखें, यही इंसान को सबसे ज्यादा देती है दुःख

जब हम अपनों से घिरे होते हैं, तो ये स्वाभाविक है कि हम अपनों से उम्मीदें लगाते हैं और ये उम्मीद जब पूरी नहीं होती, तो हमारा दिल टूट जाता है। ऐसे में किसी से उम्मीद न लगाने की सलाह दी जाती है। लेकिन फिर मन ये सोचता है कि अगर अपनों से उम्मीद न लगाएं, तो किससे लगाएं। अगर आपका मन भी इस उम्मीद में फंसा है, तो आपको गौतम बुद्ध का ये विचार जरूर जानना चाहिए।

अपनों से उम्मीद करना मनुष्य की स्वाभाविक प्रकृति है लेकिन कई बार ये अनचाहे दुःख का भी कारण बन जाती है। जब हम किसी से जरूरत से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो हम अपने मन की शांति उस व्यक्ति के व्यवहार पर निर्भर कर देते हैं। बुद्ध की सीख का मतलब यह नहीं है कि रिश्तों में प्रेम या भरोसा खत्म कर दिया जाए। जब उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो मन दुःख, गुस्से और निराशा से भर जाता है। मनुष्य के इसी निराशा को देखते हुए बुद्ध ने यह कहा था कि जब अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं तो मन में निराशा और पीड़ा जन्म लेती है। उनका मानना था कि इंसान के दुखों का सबसे बड़ा कारण उसकी अपेक्षाएं यानी उम्मीदें हैं। ऐसे में , शांति और संतोष पाने के लिए हमें दूसरों से नहीं, बल्कि अपने प्रयास और समझ से सुख की तलाश करनी चाहिए।

गौतम बुद्ध का कहना था कि दुःख का मूल कारण तृष्णा यानि लालसा या अपेक्षा है। जब हम किसी से जरूरत से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो हम अपने मन की शांति उस व्यक्ति के व्यवहार पर निर्भर कर देते हैं। यदि सामने वाला हमारी उम्मीदों के अनुसार व्यवहार न करे, तो हमें दुःख होने लगता है। बुद्ध का मानना था कि दूसरों से कम अपेक्षा और खुद पर विश्वास ज्यादा रखना चाहिए क्योंकि हर व्यक्ति की सोच, परिस्थिति और व्यवहार अलग होता है। जो हम चाहते हैं, जरूरी नहीं कि दूसरा व्यक्ति भी वैसा ही सोचता हो। बुद्ध ने सिखाया कि जीवन में सुख और सफलता का आधार स्वयं का प्रयास है। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय स्वयं को बदलना और सुधारना ही सही मार्ग है। एक कथा के अनुसार, एक बार एक आलसी व्यक्ति से बुद्ध ने कहा कि कोई भी जन्म से हुनर लेकर नहीं आता, बल्कि परिश्रम से ही जीवन सुधरता है। इसलिए, अपनी मेहनत और सोच पर भरोसा करें। उम्मीदें रिश्तों में तनाव पैदा करती हैं। बुद्ध ने समझाया कि स्वीकार्यता और करुणा से रिश्ते मजबूत होते हैं, न कि अपेक्षाओं से। बार-बार यह सोचना कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया या मेरे लिए इतना भी नहीं कर सका मन को अशांत कर देता है। बुद्ध ने कहा कि जीवन में संतोष ही सबसे बड़ा धन है। दूसरों से उम्मीदें घटाने का अर्थ यह नहीं कि हम उनसे दूरी बना लें, बल्कि यह कि हम उनकी स्वतंत्रता को स्वीकार करें। इससे मन में क्रोध, ईर्ष्या और निराशा कम होती है। बुद्ध की सीख का मतलब यह नहीं है कि रिश्तों में प्रेम या भरोसा खत्म कर दिया जाए। इसका अर्थ यह है कि इंसान को अपनी खुशी पूरी तरह दूसरों के व्यवहार पर निर्भर नहीं करनी चाहिए।

दूसरों से पहले खुद को समझने की कोशिश करें। अपनी खुशी का स्रोत खुद बनें। लोगों से प्रेम करें, लेकिन उनसे अत्यधिक अपेक्षाएं न रखें। वर्तमान में जीना सीखें। छोटी-छोटी बातों को दिल से लगाना छोड़ दें।

चंदा कुमारी

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति॥

भावार्थ

इस संसार में ज्ञान के समान कोई भी पवित्र वस्तु नहीं है। जो योग में सिद्ध हो जाता है, वह अपने भीतर ही समय के साथ उस ज्ञान को प्राप्त करता है।

सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट ने बच्चों के साथ परिजनों को भी मुसीबत में डाला

ऑन स्क्रीन मार्किंग के चलते हजारों बच्चे प्रभावित हुए, रात 12 बजे तक रिवैल्यूएशन के आवेदन की मशक्कत

जागरण,रीवा

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों से अभी तक बच्चे और उनके पालक उबर नहीं पाए हैं। इसके नियमों ने अलग मुसीबतें पैदा करके रखी हैं। परिणामों के बाद जब बच्चों को पता चला कि ऑन स्क्रीन मार्किंग में भारी गड़बड़ी हुई है और कॉपियों के कई पन्नों की मार्किंग नहीं हुई या फिर उनमें बिना जांचे ही ब्लैंक पेज की सील लगा दी गई, तब तक उत्तर पुस्तिका की स्कैन की गई कॉपी प्राप्त करने की डेट ही निकल गई। इससे बहुत से बच्चे रिवैल्यूएशन के अधिकारी ही नहीं रह गए। अब उन्हें केवल सप्लीमेंट्री या दूसरी परीक्षा में ही शामिल होने का मौका मिलेगा। सीबीएसई 12वीं की परीक्षा घोषित होने से लेकर अब तक कई बदलाव हुए हैं। सबसे पहला कि ऑन स्क्रीन मार्किंग से संबंधी जानकारियां परिणाम घोषित होने के बाद ही दी जानी चाहिए थीं लेकिन स्कूल प्रबंधकों ने ऐसा नहीं किया। न तो बोर्ड की तरफ से जानकारी दी गई और न ही स्कूलों ने सहयोग किया। यही कारण है कि बहुत से बच्चे रिवैल्यूएशन की प्रक्रिया से चूक गए क्योंकि उन्होंने कॉपी देखने का आवेदन ही नहीं किया था। जिन बच्चों ने आवेदन कर भी दिया था तो उन्हें भी पोर्टल पर आवेदन करने में कई मुसीबतें झेलनी पड़ीं। यही कारण था कि रिवैल्यूएशन की तारीख बढ़ानी पड़ गई। रविवार यानी 7 जून की रात 12 बजे तक छात्र-छात्राओं को आवेदन करने का समय दिया गया था, रविवार को देर रात तक बच्चे आवेदन के लिए जूझते रहे, सूत्रों की माने तो सर्वर की समस्या ने छात्रों को जमकर परेशान किया। वह आवेदन के लिए परेशान होते रहे।

फाईल फोटो

इस लिंक से जानकारी लें छात्र

सीबीएसई बोर्ड में नई प्रणाली से कुछ परेशानियां आई हैं। जिम्मेदारों का दावा है कि बच्चों की की मदद की जा रही है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि जिन भी बच्चों को परेशानी हो, वे पोर्टल लिंक पोस्ट रिजल्ट डॉट सीबीएसईआईटी डॉ.इन आब्लिक पीवीआर पर जानकारी ले सकते हैं।

तरीका बदलने दी गई जानकारी

बताया जाता है कि बोर्ड ने वेरिफिकेशन या रिवैल्यूएशन के समय अगर रजिस्ट्रेशन में दिक्कत आ रही है, तो परिवार के किसी अन्य सदस्य के आधार डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करने के निर्देश दिए हैं। कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी नहीं मिली है। ऐसे सभी मामलों और अन्य मामलों में भी सत्यापन पोर्टल पर पंजीकरण करें।

ऐसी रही अब तक प्रक्रिया

- 13 मई को कक्षा 12वीं का मुख्य परिणाम घोषित किया गया।
- 17 मई को सीबीएसई ने कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए डिजिटल ऑन-स्क्रीन मार्किंग और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संबंधित नोटिस जारी किया।
- 2 जून को अंकों के वेरिफिकेशन और रिवैल्यूएशन के लिए पोस्ट-रिजल्ट ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया।
- 3 जून को सीबीएसई के पोस्ट रिजल्ट पोर्टल पर भारी ट्रैफिक और साइबर हमले हुए।
- 5 जून को कुछ तकनीकी समस्याओं और भारी ट्रैफिक के कारण बोर्ड ने आवेदन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया।
- 6 जून को पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों को देखते हुए बोर्ड ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया और इसे 7 जून की मध्य रात्रि तक कर दिया था।

तकनीकी खामियों से गुरुजी संवर्ग के हजारों शिक्षक परेशान

जागरण,रीवा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समस्त शासकीय शिक्षकों की सेवा पुस्तिका को एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपडेट कर क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी से सत्यापित कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा इसके लिए 7 जून तक की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। हालांकि पोर्टल पर उपलब्ध तकनीकी एवं संरचनात्मक कमियों के कारण विशेष रूप से गुरुजी संवर्ग के हजारों शिक्षक गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार एजुकेशन पोर्टल पर प्रथम नियुक्ति संबंधी विवरण दर्ज करने के लिए उपलब्ध पदनामों में गुरुजी का विकल्प ही उपलब्ध नहीं है, जबकि प्रदेश में वर्ष 1997 से 2002 के मध्य बड़ी परीक्षा एवं शासन के विभिन्न आदेशों के तहत इन शिक्षकों का नियोजन वर्ष 2008, 2011 एवं 2014 में संविदा शिक्षक वर्ग-3 के रूप में किया गया तथा वर्तमान में वे प्राथमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। पोर्टल पर गुरुजी पद का विकल्प उपलब्ध न होने के कारण शिक्षक अपना मूल नियुक्ति वर्ष दर्ज नहीं कर पा रहे हैं। यदि बाध्य होकर संविदा शिक्षक के रूप में प्रथम नियुक्ति दर्ज करते हैं, तो उनकी वास्तविक सेवा अवधि वर्ष 1997 अथवा 2000 के स्थान पर वर्ष 2008 अथवा उसके बाद से प्रदर्शित होगी। इससे उनकी लगभग 8 से 10 वर्ष की सेवा अवधि रिकॉर्ड से प्रभावित होने की आशंका है।

गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे, भविष्य पर पड़ेगा असर

भविष्य पर पड़ेगा असर

शिक्षकों का कहना है कि सेवा पोर्टल पर अवधि संबंधी यह त्रुटि भविष्य में वरिष्ठता, पदोन्नति, स्थानांतरण, पेंशन एवं अन्य सेवा लाभों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। जिले सहित पूरे प्रदेश में हजारों संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति गुरुजी संवर्ग के शिक्षक इस समस्या से प्रभावित हैं।

जारी हों चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान के आदेश

प्रदेश के शिक्षा विभाग में भोपाल जिले के शिक्षक जो चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान पाने हेतु योग्य हैं, उन सहायक शिक्षकों के आदेश जारी हो गए हैं। इधर प्रदेश के अन्य जिलों में आदेश जारी नहीं होने की वजह से शिक्षकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं सैकड़ों सहायक शिक्षक प्रतिमाह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है और शिक्षक हैरान हैं कि आखिर आदेश जारी होने में इतनी लेट लतीफी क्यों? मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन का कहना है कि भोपाल की तरह अन्य जिलों में भी आदेश जारी होने चाहिए।

कराते बेल्ट परीक्षा में शामिल हुए 50 खिलाड़ी

रीवा। रीवा मार्शल आर्ट कराते अकादमी मार्तण्ड क्रमांक 3 में गत दिवस कराते बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें रीवा के 50 कराते खिलाड़ियो ने भाग लिया। सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और बेल्ट करते हुए जिसमें कान्हा यादव ने दो वर्षों में कड़ी मेहनत कर ब्राउन बेल्ट परीक्षा में सफलता प्राप्त किए। वहीं शिवानी कुशवाहा, राधिका सोधिया, अंश गुप्ता ने ब्लू बेल्ट प्राप्त किया एवं अर्नव वाजपेयी, अंश कुशवाह, उत्कर्ष पटेल, निहाल सिंह परिहार, युग विश्वाकर्मा, शीतल कुशवाहा, आकांक्षा चौरसिया ने ग्रीन बेल्ट प्राप्त किया। सृष्टि शुक्ला, नियूष वर्मा, जय कुशवाहा ने अरेंज बेल्ट तथा स्वतंत्र वर्मा, ऋषि सिंह, मयंक यादव, विधि सोधिया, काव्या सोनी ने यलो बेल्ट प्राप्त किया। उक्त खिलाड़ियों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युनाइटेड सोतोकान कराते के दीपक पटेल, कराते अध्यक्ष डॉ.कौशलेंद्र मणि त्रिपाठी, कराते कोच कौशलेंद्र पान्डेय, राहुल कुशवाहा, सपना तिवारी, राकेश विश्वकर्मा मार्शल आर्ट प्रशिक्षक रमेश चौरसिया ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कमना की है।

स्कूल खेल पंजीयन में खिलाड़ियों का आधार अपडेशन अनिवार्य

फॉर्म फॉरवर्ड होने के बाद नहीं होगा संशोधन, जारी हुए दिशा-निर्देश

जागरण,रीवा। स्कूल खेलों के ऑनलाइन पंजीयन को लेकर राजधानी में आयोजित हुई बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसमें जिक्र है कि सभी खिलाड़ी अपना आधार कार्ड पहले अपडेट करवा लें। आधार कार्ड में दर्ज फोटो, नाम, जन्मतिथि एवं अन्य जानकारी के अनुसार ही ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा। इस संबंध में दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। यदि आधार कार्ड में नाम की स्पेलिंग या अन्य जानकारी गलत है तो उसे पहले सुधारना आवश्यक होगा। फोटो भी पुरानी की जगह वर्तमान की होनी चाहिए। स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आधार कार्ड को आधार मानकर ही ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पंजीयन के बाद फार्म जनरेट होगा, जिसे प्रिंट कर खिलाड़ी एवं उसके अभिभावक के हस्ताक्षर के साथ जमा करना होगा। ऑनलाइन फॉरवर्ड करने से पहले माता-पिता और अभिभावकों को खिलाड़ी की भागीदारी एवं प्रतियोगिता संबंधी सभी जानकारी होना आवश्यक है।

स्कूल से भरा जाएगा फॉर्म

खेल अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग चंदन सिंह ने बताया कि ऑनलाइन फॉर्म स्कूल के माध्यम से भरा जाता है। एक बार फॉर्म ऑनलाइन फॉरवर्ड होने के बाद उसमें किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह लॉक हो जाता है। इस पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी स्कूल के खेल शिक्षक (स्पोर्ट्स टीचर) की होगी।

इवेंट की दे सही जानकारी

अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिए कि खिलाड़ियों का पंजीयन संबंधित खेल की सही स्पर्धा (इवेंट) में किया जाए। उदाहरण के लिए एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर आदि स्पर्धाओं का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। इसी प्रकार रायफल शूटिंग में भी विभिन्न इवेंट्स होते हैं, जिन्हें पंजीयन के समय सही ढंग से दर्ज करना आवश्यक है। चयनित खिलाड़ी आगे जिला, संभाग एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे, जहां उन्हें प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

प्रवेश को सरल, पारदर्शी एवं अभ्यर्थी-केंद्रित बनाया जाए: डॉ.कुड़रिया

एपीएसयू कुलगुरु ने प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा की, नवीन पाठ्यक्रमों में छात्रों की रूचि

जागरण,रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, कुलगुरु के नवाचार से इस वर्ष छात्रों के लिए प्रवेश प्रक्रिया काफी असान दिख रही है, इतना ही नही छात्रों के लिए कुलगुरु द्वारा शुरु कराए गए नए पाठ्सक्रमों में भी छात्र प्रवेश के लिए भारी संख्या में आवेदन कर रहे हैं। कुलगुरु प्रो.राजेन्द्र कुड़रिया के अध्यक्षता में बैठक का आयोजन बीतें दिनों किया गया। प्रवेश प्रक्रिया की प्रगति एवं आगामी योजनाओं की समीक्षा हेतु ली गई इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्षगण, स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों के प्रभारी आचार्यगण तथा प्रवेश से जुड़े अन्य प्रमुख अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य सत्र 2026-27 में आरंभ होने वाले नवीन पाठ्यक्रमों एवं नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना एवं भविष्य की रणनीति तय करना था। कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार कुड़रिया ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं अभ्यर्थी-केंद्रित बनाया जाए, ताकि कोई भी विद्यार्थी जानकारी के अभाव या प्रक्रिया की जटिलता के कारण वंचित न रह जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक विभागाध्यक्ष एवं स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों के प्रभारी अपने विभागों में चल रही प्रवेश गतिविधियों की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि अभ्यर्थियों को प्रवेश संबंधी समस्त जानकारी, पाठ्यक्रम विवरण, योग्यता मापदंड, शुल्क संरचना, प्रवेश तिथि एवं आवश्यक दस्तावेजों की सूची स्पष्ट एवं सुलभ रूप में उपलब्ध कराई जाए। इस हेतु विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा सूचना पटों का सक्रिय उपयोग करने की भी सलाह दी गई। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ किए जा रहे नवीन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की उल्लेखनीय रुचि देखी जा रही है। ये पाठ्यक्रम समय की मांग के अनुसार डिजाइन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन ज्ञान और व्यावसायिक कौशल से समृद्ध करना है।

प्रवेश प्रक्रिया में न हो लापरवाही

कुलगुरु ने सभी विभागों को यह निर्देश दिया कि प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की शिथिलता न हो और समयबद्ध रूप से समस्त कार्यवाही पूर्ण की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो विभाग नए पाठ्यक्रम प्रारंभ कर रहे हैं, वह शीघ्रतापूर्वक उनका प्रचार-प्रसार करें ताकि इच्छुक विद्यार्थी अधिकाधिक संख्या में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकें।

कम प्रवेश वाले पाठ्य क्रमों का करे प्रचार

स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों के संचालक ने बैठक के दौरान कुलगुरु का ध्यान ऐसे पाठ्यक्रमों की ओर आकृष्ट किया, जिनमें विगत शैक्षणिक सत्रों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या अपेक्षाकृत न्यूनतम रही है। इस संदर्भ में कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने संबंधित विभागाध्यक्षों एवं पाठ्यक्रम प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश प्रदान किए कि वे प्रवेश प्रक्रिया को सक्रिय, प्रभावशाली एवं लक्षित बनाते हुए विद्यार्थी नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि विभाग अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करते हुए प्रचार-प्रसार की प्रभावी योजनाएँ लागू करें, जिससे अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रमों की महत्ता एवं प्रासंगिकता की समुचित जानकारी प्राप्त हो सके तथा प्रवेश संख्या में संतोषजनक वृद्धि सुनिश्चित हो।

संभागीय आईटीआई में चयन मेला आज

रीवा। संभागीय शासकीय आईटीआई रीवा में ट्रेनी पद के लिए चयन मेला 8 जून को सुबह 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इसमें निजी संस्था हीरो मोटोक्रॉप लिमिटेड निमराना राजस्थान द्वारा आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा। इस संबंध में प्राचार्य सौरभ शुक्ला ने बताया कि चयन मेले में प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रशिक्षणार्थी महिला एवं पुरूष शामिल हो सकते हैं। उम्मीदवार की आयु 18 से 26 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। वर्ष 2026 की फाइनल परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी भी चयन मेले में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए उम्मीदवार को अपने शैक्षणिक दस्तावेज एवं पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ चयन मेले में शामिल होना होगा। चुने गए उम्मीदवारों को मानदेय के रूप में 18258 रुपए दिए जाएंगे, जिसमें भविष्य निधि की राशि भी शामिल है। संभागीय आईटीआई में दो जून को आयोजित चयन मेले में 134 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया। इनकी चयन सूची शीघ्र ही जारी की जाएगी।

रीवा-चार्पपल्ली सुपरफास्ट दमोह में भी रुकेगी

रीवा। साप्ताहिक रूप से संचालित होने वाली ट्रेन नंबर 20158 रीवा-चार्पपल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस रीवा से दोपहर 12.30 बजे रवाना होकर शाम 4 बजे दमोह रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन होते हुए अगले दिन सुबह 4.30 बजे नागपुर जंक्शन पहुंचेगी तथा दोपहर 2.45 बजे अपने अंतिम गंतव्य चार्पपल्ली हैदराबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 20157 चार्पपल्ली-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस सोमवार शाम 5 बजे चार्पपल्ली से रवाना होकर रात 1.45 बजे नागपुर पहुंचेगी। इसके बाद मंगलवार सुबह 8 बजे रानी कमलापति स्टेशन और दोपहर 2.45 बजे दमोह पहुंचेगी। ट्रेन रात 7.30 बजे रीवा पहुंचेगी। लंबे समय से दमोह से स्टापेज किए जाने की मांग उठ रही थी।

छात्रों को उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने हुई चर्चा

छात्र एवं अभिभावकों की बैठक सम्पन्न

जागरण, रीवा। सरदार पटेल संस्थान निराला नगर में छात्र एवं अभिभावकों की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें छात्रावास में रह रहे छात्रों को उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने एवं छात्रों के रहन-सहन में बदलाव लाने, छात्रावास में रह रहे बच्चों को कोचिंग एवं लाइब्रेरी के सुविधा मुहैया कराए जाने पर चर्चा की गई। साथ ही संस्थान की मासिक बैठक का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से सरदार पटेल संस्थान के अध्यक्ष इंजीनियर पुष्पेंद्र सिंह समाज के अध्यक्ष वीरभद्र सिंह डॉ.राजमणि पटेल सचिव डॉक्टर आरके पटेल प्रवक्ता एडवोकेट राजेंद्र पटेल उपाध्यक्ष हीरालाल पटेल संपत अधिकारी रामनिवास सिंह डॉ.गोमती प्रसाद छात्रावास प्रबंधन सिद्धेश्वर सिंह समाजसेवी महेश पटेल महासचिव मनोज कुमार सिंह युवा अध्यक्ष अभिषेक पटेल समाजसेवी स्वामी शरण पटेल प्रदीप पटेल संदीप पटेल इंजीनियर सुरेश पटेलसंजीव पटेल पुष्पेंद्र पटेल संजय सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र अभिभावक समाजसेवी ट्रस्टी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठ गणों के परिवार में हुई असामयिक मृत्यु पर शोक संवेदना एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

निःशुल्क शव वाहन सेवा में जरूरतमंदों को मिल रही सहायता

शव वाहन के लिए टोल फ्री नंबर 155334 पर संपर्क करें

रीवा। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क शव वाहन सेवा निरंतर बेहतर ढंग से संचालित की जा रही है। इस सेवा के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में त्वरित एवं सम्मानजनक सहायता प्रदान की जा रही है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि यह सेवा अस्पताल से मृतक के गृह ग्राम तक सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक परिवहन सुनिश्चित कर रही है, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। शव वाहन सेवा स्वास्थ्य विभाग की एक संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी पहल है। हमारा प्रयास है कि हर जरूरतमंद परिवार को समय पर वाहन उपलब्ध हो और किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सेवा की गुणवत्ता एवं त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करें। नोडल अधिकारी 108 और शव वाहन सेवा ऋषिराज गौतम ने बताया कि जिले में शव वाहन की मॉनिटरिंग सतत रूप से की जा रही है। कॉल प्राप्त होते ही प्राथमिकता के आधार पर वाहन उपलब्ध कराया जाता है। आमजन से अपील है कि निर्धारित हेल्पलाइन नंबरों निःशुल्क कॉल सेन्टर नंबर 155334 तथा 9644453956, 7880094831 पर ही संपर्क करें, ताकि सेवा का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। शव वाहन सेवा का उपयोग केवल जिले के अंदर स्वास्थ्य संस्था से मृतक के गृह ग्राम तक परिवहन के लिए किया जाएगा। जिले के बाहर शव परिवहन के लिए एंबुलेंस/वाहन की अनुमति नहीं है। आमजन से अपील की गई है कि सेवा का उपयोग केवल वास्तविक आवश्यकता होने पर ही करें किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या दुरुपयोग से बचें और निर्धारित संपर्क नंबरों पर ही कॉल करें।

कृषि विज्ञान केन्द्र में रोपे गये पौधे

रीवा। कृषि विज्ञान केन्द्र में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र में पौध रोपण किया गया जिसमें जिसमे केंद्र प्रमुख डॉ एके पांडेय के साथ-साथ सभी वैज्ञानिक एवं अधिकारी भाग लिए। केंद्र प्रमुख ने बताया कि जलवायु परिवर्तन को देखते हुए हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पेड़ लगाना चाहिए जिससे प्रकृति में संतुलन बना रहे और तापमान स्थिर रहे। प्रथम पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था जिसका उद्देश्य प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता के नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों पर आम जनमानस को एवं सरकारों का ध्यान आकर्षित करना था। वर्तमान समय में 2026 की थीम प्रकृति से प्रेरित 'जलवायु के लिए हमारे भविष्य के लिए' है।

विंध्य डान्स चैंपियनशिप के ऑडिशन में कलाकारों का जलवा

97 प्रतिभागी फाइनल के लिए चयनित

जागरण, रीवा। शहर की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्था डीसेंट डान्स परिवार द्वारा आयोजित होने वाली विंध्य डान्स चैंपियनशिप के लिए रविवार को ब्लैक पैंथर डान्स अकादमी चक्रधर सिटी में ऑडिशन का आयोजन किया गया। ऑडिशन में कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित ऑडिशन में कुल 163 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बाद निर्णायक सत्यम सर, शिवांजलि गुप्ता एवं आकाश तिवारी ने 97 प्रतिभागियों का चयन आगामी फाइनल राउंड के लिए किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की डायरेक्टर एकता वर्मा, आयोजक राजीव वर्मा 'गुड्डू', फैशन शो आयोजक अभय कश्यप, कोषाध्यक्ष संतोष जायसवाल, सोशल मीडिया एवं फाइनेंशियल कोऑर्डिनेटर निशी वर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। ऑडिशन में रीवा के अलावा सतना, कटनी, जबलपुर, सीधी, शहडोल, सोनभद्र, ढिंढोरी, वाराणसी और प्रयागराज सहित विभिन्न शहरों से प्रतिभागियों ने वीडियो ऑडिशन के माध्यम से भी अपनी प्रस्तुति भेजी। संस्था के संस्थापक राजीव वर्मा 'गुड्डू' ने बताया कि आगामी 14 जून रविवार को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में विंध्य डान्स चैंपियनशिप का फाइनल आयोजित किया जाएगा, जिसमें चयनित 97 प्रतिभागियों के बीच विभिन्न वर्गों में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल विजेताओं का चयन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी कला के प्रदर्शन के लिए एक सम्मानजनक और भव्य मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां संस्था के संरक्षक गुरमीत सिंह मंगू के मार्गदर्शन में की जा रही हैं। उन्होंने नगरवासियों एवं कला प्रेमियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर प्रतिभाशाली कलाकारों का उत्साहवर्धन करें तथा इस सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाएं।

परमपिता परमात्मा की सेवा के लिये आंशिका ने समर्पित किया पूरा जीवन

आत्मा और परमात्मा के दिव्य मिलन का प्रेरणादायी उदाहरण

जागरण,रीवा। ब्रह्माकुमारीज शांति धाम में अलौकिक, प्रेरणादायक एवं आध्यात्मिक सगाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बीके आँशिका बहन ने परमपिता परमात्मा शिव बाबा को अपना सर्वस्व स्वीकार करते हुए अपना संपूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा, मानव कल्याण और विश्व परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया। यह समारोह आत्मा और परमात्मा के दिव्य मिलन का अनुपम उत्सव बन गया, जिसने उपस्थित सभी भाई-बहनों और श्रद्धालुओं को गहन आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान बीके आँशिका ने संकल्प लिया कि वे अपने तन, मन, धन, समय, संकल्प, श्वांस तथा जीवन के प्रत्येक क्षण को परमात्मा शिव की श्रीमत अनुसार विश्व कल्याण के कार्यों में समर्पित रखेंगी। उन्होंने यह भी प्रतिज्ञा की कि जीवनभर सभी संबंधों का अनुभव एक परमात्मा से करते हुए पवित्रता, सेवा, त्याग, राजयोग साधना और ईश्वरीय मर्यादाओं पर आधारित जीवन व्यतीत करेंगी। उल्लेखनीय है कि बीके आँशिका बहन बचपन से ही प्रभु प्रेम में मग्न रही हैं। उनका जीवन प्रारंभ से ही आध्यात्मिक संस्कारों, राजयोग साधना, ईश्वरीय अध्ययन और सेवा के प्रति समर्पित रहा है। छोटी आयु से ही उनका मन परमात्मा की याद, मुरली अध्ययन और सेवा कार्यों में रमता था। वे आज भी प्रभु स्मृति और ईश्वरीय सेवा में निरंतर समाई रहती हैं। वर्षों की तपस्या, समर्पण और प्रभु प्रेम के फलस्वरूप उन्होंने अपने जीवन का सर्वोच्च निर्णय लेते हुए स्वयं को पूर्णतः परमपिता परमात्मा शिव बाबा के हवाले कर दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पधारीं राजयोगिनी बीके निर्मला बहन भोपाल जोन डायरेक्टर ने कहा कि वास्तविक सगाई वह है जिसमें आत्मा परमात्मा से अपना अटूट संबंध जोड़ लेती है। ऐसा समर्पण व्यक्ति को केवल स्वयं के उत्थान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे विश्व कल्याण का निमित्त बना देता है। रीवा सेवाकेंद्र की वर्तमान संचालिका बीके लता दीदी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए बीके आँशिका बहन का यह संकल्प एक प्रेरणादायी उदाहरण है। आध्यात्मिकता ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को पवित्र, नशामुक्त, तनावमुक्त और समाज के लिए उपयोगी बनाती है। परमात्मा से जुड़कर ही मनुष्य अपने जीवन को श्रेष्ठ दिशा दे सकता है। इस अवसर पर बीके आँशिका बहन के माता-पिता तथा परिवार के सभी सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। परिवारजनों ने भावुक मन से बीके आँशिका बहन के इस महान आध्यात्मिक निर्णय का स्वागत किया और इसे परमात्मा का विशेष वरदान बताया।

सारे नियम ताक पर: रहवासी एरिया में भी धड़ल्ले से संचालित किए जा रहे होटल-लॉज, जिम्मेदार खामोश

न फायर एनओसी, न पार्किंग ऊपर से टीएनसीपी के नियमों का उल्लंघन, बना रहता है हादसों का डर

जागरण,रीवा

दिल्ली में होटल में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद शहर की होटल व लॉज की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। खासकर उन होटलों को लेकर जो भीड़-भाड़ वाले इलाकों में हैं या फिर रहवासी एरिया के बीच। सबसे हैरानी की बात तो यह है कि बीते तीन से चार साल के अंदर रहवासी एरिया में सारे नियमों को ताक पर रखकर होटलें बना ली गईं, जिसके कारण यहां रहने वाले नागरिकों को हमेशा अग्नि हादसों का डर सताता रहता है और इन होटलों की आड़ में होने वाली अनैतिक गतिविधियों से माहौल खराब हो रहा है। लेकिन जिम्मेदार नियमों की बंदिशें और एक दूसरे पर ठीकरा फोड़कर पल्ला झाड़ लेते हैं।

निकलने का रास्ता तक नहीं

टीएनसीपी के नियमों के तहत रहवासी एरिया के आसपास होटल-लॉज बनाने के लिए फ्रंट की तरफ 12 मीटर चौड़ी सड़क और भवन के तीनों तरफकम से कम 15 फीट चौड़े रास्ते होने चाहिए। अंदर लिफ्ट के साथ 7 से 10 फीट चौड़ी सीढ़ियां, 6 मीटर चौड़ा पार्किंग के लिए बेसमेंट और हर तरफ फायर एग्जिट होना अनिवार्य है। इसके अलावा फायर एनओसी के साथ हर मंजिल पर अग्निशमन यंत्र होना चाहिए लेकिन सारे नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाकर इन होटलों का संचालन किया जा रहा है।

ये हैं फायर एनओसी के नियम

- 15 मीटर से ऊंचे सभी भवन।
- 500 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाले सभी गैर-आवासीय भवन। बड़े अस्पताल और होटल।

अटका है फायर एक्ट ड्राफ्ट : मप्र में फायर एक्ट का ड्राफ्ट 2020 से नगरीय विकास संचालनालय और शासन के बीच झूल रहा है। हालांकि अब इसके नियम तैयार कर लिए गए हैं। जल्द ड्राफ्ट वित्त और विधि विभाग को भेजा जाएगा। ड्राफ्ट के लटके होने के पीछे मुख्य वजह यह है कि फायर सर्विस का अलग कैडर और संचालनालय बनाने के लिए 400-500 करोड़ बजट और हजारों कर्मियों की जरूरत होगी, जबकि निकाय वेतन भी नहीं दे पा रहे।

इन क्षेत्रों में भरमार

शहर के विवि मार्ग सहित नीम चौराहा, उर्रहट, बजरंग नगर, योजना क्रमांक 6, पीटीएस-न्यू बस स्टैंड रोड, संजय नगर, उपरहटी सहित कई जगहों पर होटल व लॉज बना दिए गए हैं, जो नियमों का पालन नहीं करते। इसके बाद भी निगम प्रशासन इन पर कार्यवाही नहीं कर रहा है और बड़ी घटना के इंतजार में बैठा हुआ है।

शासकीय तालाब में अवैध उत्खनन कर बेच डाली मिट्टी

सरपंच, सचिव सहित देवर पर आरोप, शासकीय अमले ने जांच के दौरान लोगों के घरों से जब्त की मिट्टी

जागरण, रीवा। रीवा जिले की ग्राम पंचायत सहिजना में शासकीय तालाब से मिट्टी का अवैध उत्खनन उसे सरपंच, सचिव और सरपंच के देवर द्वारा बेचे जाने करने की शिकायत ग्राम अमिलकी व सहिजना के रहवासियों ने की थी, जब तालाब में खनन चालू किया गया था उसी समय ग्रामवासियों ने शिकायत दर्ज करवाई थी, किन्तु शासकीय अधिकारियों ने संज्ञान में नहीं लिया, दोबारा इसकी शिकायत की गई। जिसकी जांच के लिए यहां हल्का पटवारी, तहसीलदार, इंजीनियर आदि की टीम जांच करने पहुंची, जिसमें शिकायत सही पाई गई। तालाब में करीब 90 मीटर लंम्बाई और 34 मीटर चौड़ाई तक मिट्टी का खनन किया गया। ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि तालाब में नटवर मिश्रा द्वारा जेसीबी से खनन करवाया गया और दो डंपर लगाए गए थे। ग्रामवासियों को प्रतिगाड़ी 300 रुपए में बेची गई। ग्राम सहिजना में बना मसमासीनाथ तालाब करीब 10 एकड़ भूमि पर निर्मित है, जिसका 80 फीसदी हिस्सा अमिलकी और 20 फीसदी हिस्सा ग्राम सहिजना व पतेरी में आता है। जांच टीम ने ग्राम के ही रामबिहारी, अशोक तिवारी के यहां से तालाब की मिट्टी भी जब्त की है। जांच अधिकारियों ने बताया कि शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला है, जिसका पंचनामा बनाया गया है, जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा, अवैध उत्खनन करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

डॉ. कॉलोनी एवं आनंद नगर के बड़े नालों में जमा गाद निकाल कर की गई सफाई

निपनिया हरिजन बस्ती में नाली चेंबर खोलकर नालियों की सफाई कराई गई

जागरण, रीवा। महापौर एवं निगमायुक्त के निर्देश द्वर नगर निगम रीवा द्वारा वर्षाकाल को देखते हुए जलभराव की समस्याओं को रोकने तथा स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ बनाने हेतु शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नालों एवं बड़े नालियों की सफाई का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। चेन पुलिंग मशीन की सहायता से नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख अमहिया बड़े नाले की व्यापक सफाई कराई जा रही है। नाले में जमा गाद, प्लास्टिक, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाए रखने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही रविवार को नगर निगम की नाला गैंग द्वारा वार्ड क्रमांक 22 स्थित डॉ. कॉलोनी के बड़े नाले की सफाई कराई गई। वार्ड क्रमांक 8 के आनंद नगर क्षेत्र में स्थित बड़े नाले की भी सफाई कराई गई। सफाई के दौरान नालों में जमा मलबा एवं कचरा निकालकर उसका तत्काल उठाव कराया गया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 1 स्थित निपनिया हरिजन बस्ती में नाली चेंबर खोलकर नालियों की सफाई कराई गई। नालियों में जमा कचरे एवं गाद को निकालकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने का कार्य किया गया। सफाई अभियान के दौरान निकले कचरे, गाद एवं मलबे का टैंपो एवं ट्रैक्टरों के माध्यम से उठाव कराया गया। निगम आयुक्त अक्षत जैन ने कहा कि वर्षा ऋतु से पूर्व शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की व्यापक सफाई का कार्य चरणबद्ध रूप से जारी है। साथ ही नालों पर किए गए अतिक्रमण हटाने का कार्य भी जारी है । जिन नालों में मशीन से सफाई की आवश्यकता है वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर बड़े पैमाने में सफाई कराई जा रही है। नगर निगम रीवा ने नागरिकों से अपील की है कि वे नालों एवं नालियों में कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री न डालें तथा शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

जनप्रतिनिधियों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी

जागरण,रीवा। बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही रीवा में ग्रामीण क्षेत्रों में सडक की समस्या से परेशान ग्रामीण सड़क की मांग करने लगे हैं। बीते कई दशकों से सड़क विहीन गांव के लोगों में ना सिर्फ जनप्रतिधिनियों के प्रति आक्रोश व्याप्त है बल्कि वोट के लिये आने वाले जनप्रतिनिधियों को गांव से बाहर का रास्ता दिखाने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मांग को लेकर शासन प्रशासन से कई शिकायत की गई बावजूद इसके किसी के कानों में जू तक नहीं रेंगी। फिलहाल ग्रामीणों ने एक बार फिर सडक की मांग की है और मांग पूरी ना होने पर जनप्रतिनिधियों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। दरअसल मामला रीवा के मनगवां विधानसभा क्षेत्र गंगेव जनपद के पुर्वा गांव का है। बताया गया कि पुर्वा गांव की जनता सड़क जैसी मूलभूत सुविधा को मोहताज है। ग्रामीणों के मुताबिक गांव में स्थित 4 किलोमीटर की लंबी सड़क का निर्माण ना होने से बारिश के दिनों में उन्हें घरों में कैद होने पर मजबूर होना पड़ता है। पूर्व में ग्रामीणों की शिकायत पर मार्ग के कुछ हिस्से में मुरुम डाली गई थी लेकिन मार्ग का एक तिहाई हिस्सा आज भी बदहाल है जिसके चलते ग्रामीण परेशान हैं। फिलहाल रविवार को एक बार फिर पुर्वा गांव के लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करते हुये सड़क की मांग की है और मांग पूरी ना होने पर आंदोलन प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

12वें दिन भी नल जल आपूर्ति नहीं अब भोपाल में करेंगे सत्याग्रह

राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ईमेल भेजकर समय मांगा

जागरण, रीवा। नेहरू नगर के वार्ड नंबर 13 में नगर पालिक निगम के ठेकेदार की लापरवाही के चलते 27 मई को नाली निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी से मुख्य पाइप लाइन से जुड़े तीन नल कनेक्शनों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद अभी तक संबंधित घरों में जल आपूर्ति नहीं करा पाना प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल बन गया है। इस सवाल को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता शेषमणि शुक्ला ने तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौरान प्रभावित घरों में गत 12 दिनों से जल आपूर्ति का नहीं हो पाना प्रशासनिक नकारापन है। वैध नल कनेक्शनों को मनमाने तरीके से तोड़ा जाना और फिर अभी तक नल जल आपूर्ति का नहीं हो पाना अत्यंत गैर जिम्मेदाराना आपराधिक कृत्य है। सामाजिक कार्यकर्ता श्री शुक्ला ने कहा कि निर्माण कार्य में इस कदर भ्रष्टाचार हो गया कि इसके खिलाफ भोपाल जाकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री से शिकायत करनी होगी। इस संबंध में श्री शुक्ला ने प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से शीघ्र मुलाकात के लिए समय मांगा है। उन्होंने बताया कि सीनियर एमआईजी 2 / 1 / 715 , सीनियर एम आई जी 2/1/716 एवं सीनियर एम आई जी 2/1/717 के तीन जल आपूर्ति नल कलेक्शनों को रीवा नगर पालिका निगम कमिश्नर अक्षत जैन की पहल पर गत 4 जून को जुड़वा देने के बाद भी आगे चबूतरे के अतिक्रमण को हटाकर पाइप लाइन को जोड़ने का काम अभी तक नहीं कराया जा सका है। इससे 12 वें दिन भी संबंधित घरों में जल आपूर्ति बाधित है। बोरिंग, हैंड पंप और कुआं आदि नहीं होने से जल संकट काफी गंभीर है। प्रभावित घरों में नगरपालिक निगम रीवा के द्वारा अभी तक पानी की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई गई।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

कास्ता पाइप बेचना है
अजय ट्रेडिंग कंपनी गोलपार्क पुराना बस स्टैण्ड रीवा कास्ता पाइप के लिए संपर्क करें:- 9425185028
RN-87512 (12/6)

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

संत कंवर राम उद्यान राम भरोसे, पार्क जैसा कुछ भी नहीं

सिर्फ एक्सरसाइज के उपकरण लगे, पौधे, हरियाली नदारद

जागरण्ण, रीवा। तोपखाना गड्डी रोड तिराहा स्थित संत कंवर राम उद्यान राम भरोसे है। उद्यान जैसा यहां कुछ दिखाई नहीं देता। अंदर सिर्फ एक्सरसाइज के लिए उपकरण भर लगे हैं न तो यहां पेड़-पौधे लगाए गए हैं, न ही उद्यान के अंदर के हिस्से को समतल किया गया है। उबड़-खाबड़ पड़े इस उद्यान में लोग एक्सरसाइज करने भी नहीं आते, बताते हैं अंधेरा होने के बाद यहां असामाजिक तत्वों का कब्जा रहता है कोई नशाखोरी करने में व्यस्त रहता है तो कोई अपनी महिला मित्र के साथ यहां देखा जा सकता है। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर लाखों रुपए पौधारोपण के नाम पर खर्च कर दिए जाते हैं, अधिकारी, जनप्रतिनिधि अपना कार्य छोड़ पौधारोपण करने में मशगूल रहते हैं, इसके बाद भी शहर के ही उद्यान पेड़-पौधों का अभाव झेल रहे हैं। तोपखाना स्थित उद्यान ही नहीं शहर के अन्य पार्क, उद्यान भी रखरखाव के अभाव में अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं, चौपाटी के समीप स्थित पार्क लंबे समय से लोगों के लिए खुला ही नहीं, यहां जाने पर शराब और कफ सीरप की खाली बोतलें जरुर देखने को मिलती हैं। इसी प्रकार शहर के वार्ड क्रमांक 5 स्थित पद्मधर कॉलोनी में स्थित पार्क पर निजी व्यक्ति ने कब्जा कर रखा है जिसने पार्क के गेट पर अपना ताला लगा रखा है और पार्क के पानी सहित पार्क का उपयोग अपने वाहन खड़े करने के साथ ही मकान पर लगाने के लिए पत्थर की कटाई करने के लिए कर रहा है, वार्ड के बच्चे, बुजुर्ग बगीचे की सैर करने को तरस रहे हैं।

बाबूपुर श्रीराम जानकी मंदिर में चल रही श्रीराम कथा महायज्ञ में पहुंचे सांसद

जागरण, रीवा। शहर के बाबूपुर स्थित नजरबाग के श्रीराम जानकी मंदिर में श्रीराम कथा एवं श्रीराम महायज्ञ का भव्य आयोजन चल रहा है। 11 जून तक चलने वाली कथा में रोजाना महाप्रसाद और भंडारे का आयोजन हो रहा है। श्रीराम जानकी मंदिर बाबूपुर में सजा हुआ कथा पंडाल, व्यास गद्दी पर कथा वाचन करते महाराज, यज्ञ कुंड में आहुति देते एवंआरती करते श्रद्धालुओं के बीच भक्ति की धारा बह रही है। बाबूपुर के नजर बाग स्थित श्री राम जानकी मंदिर में चोरहटा द्वारा श्री राम कथा एवं श्री राम महायज्ञ का आयोजन किया गया है। कथा का वाचन मानस पीठ खजुरी ताल, जिला मैहर से पधारे महामण्डलेश्वर कथा व्यास श्री राम लालचार्य महाराज कर रहे हैं। प्रतिदिन दोपहर में होने वाली यह कथा 11 जून तक चलेगी। मंदिर परिसर में सुबह-शाम श्री राम महायज्ञ में श्रद्धालु आहुति दे रहे हैं। कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, यूके तिवारी, वशिष्ठ मुनि त्रिपाठी, नागेंद्र शुक्ल, डॉ राजेश मिश्रा, उमेश त्रिपाठी, अवधेश गौतम, नरेश मिश्रा, कन्हैया लाल त्रिपाठी और भूपेंद्र पांडे हैं। कथा श्रवण करने में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, श्रीराम हर्षण मंडल के सचिव बृजेंद्र तिवारी, इंजी. राजेंद्र शर्मा, चंद्रमणि त्रिपाठी, शैलेंद्र शुक्ला, संजय गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर राहुल मिश्रा, बृजभूषण शुक्ला, डीके गौतम समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित आरओ वाटर एटीएम टैंकों की कराई गई सफाई

जागरण, रीवा। महापौर एवं निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर नगम रीवा द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित आरओ वाटर एटीएम टैंकों का नियमित संचालन एवं रखरखाव किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक रविवार को सभी आरओ वाटर एटीएम के टैंकों, उपकरणों की विशेष व्यापक साफ-सफाई, धुलाई एवं तकनीकी निरीक्षण का कार्य किया जाता है, ताकि नागरिकों को उच्च गुणवत्ता का पेयजल निरंतर उपलब्ध कराया जा सके। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित आधुनिक आरओ वाटर एटीएम के माध्यम से राहगीरों, मरीजों के परिजनों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इन वाटर एटीएम की स्वच्छता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निगम द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख स्थलों पर संचालित वाटर एटीएम में नियमित रूप से शुद्ध एवं ठंडे पानी की रिफिलिंग की जाती है, जिससे पेयजल की उपलब्धता लगातार बनी रहती है। नागरिकों की सुविधा के लिए 91 7611162875 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। यदि किसी वाटर एटीएम में तकनीकी समस्या, जल आपूर्ति में बाधा आदि हो तो नागरिक इस नंबर पर सूचना दे सकते हैं। नगर निगम रीवा ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इन सार्वजनिक सुविधाओं का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें तथा स्वच्छता बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें, जिससे सभी नागरिकों को निरंतर शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध होता रहे।

कार्यालय जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.)
(केन्द्रीय जेल रीवा एवं सब जेल त्योंथर वास्ते)

म.प्र. भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के तहत

अल्पकालिक तृतीय वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2026-27

केन्द्रीय जेल रीवा एवं सब जेल त्योंथर में परिरुद्ध बंदियों के भोजन व्यवस्था बनाये रखने हेतु वर्ष 2026-27 के लिये (केन्द्रीय जेल रीवा हेतु शेष-सब्जी) खाद्यान, सब्जी क्रय करने हेतु म.प्र. भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के तहत अल्पकालिक तृतीय वार्षिक ई-निविदा www.mptenders.gov.in पर दिनांक-23/06/2026 को सायं 05:00 तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाईट से प्राप्त करें विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
1.	प्री-बिड मीटिंग	10/06/2026 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.)
2.	ई निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।)	22/06/2026 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
3.	ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	23/06/2026 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
4.	सेम्पल जमा करने की अंतिम तिथि	23/06/2026 सायं 05:00 बजे तक	केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.)
5.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	24/06/2026 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
6.	वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि	27/06/2026 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।

नोटः- 1. ई-निविदा का प्रकाशन केन्द्रीय जेल रीवा से किया जा रहा है। निविदा संबंधित समस्त कार्यवाही केन्द्रीय जेल रीवा द्वारा की जावेगी। **2.** व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है।

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.)

G-14050/26

आम सूचना

मेरे पक्षकार कैपरी ग्लोबल हाउसिंग फाइनेंश लिमिटेड शाखा रीवा के द्वारा सूचित किया जाता हैं कि दीनबंधू सोनी तनय श्री रामावतार सोनी निवासी वार्ड नं. 15 ग्राम पोस्ट बेलवा पैकान, तहसील मनगवां, जिला रीवा म.प्र. ने मेरे पक्षकार के यहां ऋण हेतु आवेदन किया है और दीनबंधू सोनी तनय श्री रामावतार सोनी ने प्रमोद कुमार सोनी तनय श्री श्यामलाल सोनी निवासी वार्ड नं. 10, अरूण नगर, तहसी हुजूर जिला रीवा म.प्र. से भूमि खसरा नं. 63/2 रकवा 0.065 हेक्ट. मे से अंश भाग 13x40=520 वर्गफिट एवं खसरा नं. 63/2/8/1 रकवा 0.1908 हेक्ट. मे से अंश भाग 6x40=240 वर्गफिट टोटल 02 किता एरिया 19x40=760 वर्गफिट जो स्थित मौजा गडरिया, पटवारी हल्का जोरी, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) क्रय किया जा रहा है जिसके वर्तमान भूमिस्वामी प्रमोद कुमार सोनी तनय श्री श्यामलाल सोनी है जो उक्त भूमि के पूर्व भूमिस्वामी लीलावती पटेल पत्नी श्री बुद्धसेन पटेल से खसरा नं. 63/2 रकवा 0.065 हेक्ट. मे से अंश भाग 13x40=520 वर्गफिट जरिये ई-रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 19-12-2023 को ई-पंजीयन क्र. MP328492023A12678747 जो उप-पंजीयक कार्यालय रीवा से क्रय की थी एवं लीलावती पटेल पत्नी श्री बुद्धसेन पटेल ने पूर्व भूमिस्वामी सुदर्शन प्रसाद गुप्ता तनय श्री सोहनलाल गुप्ता से उक्त भूमि खसरा नं. 63/2 रकवा 0.065 हेक्ट. मे से अंश भाग 15x35=525 वर्गफिट जरिये ई- रजिस्टर्ड विक्रय - पत्र दिनांक 06.06.2017 ई-पंजीयन नं. MP328492017A1302715 जो उप- पंजीयक कार्यालय रीवा से क्रय की थी। जिसकी मूल ई-रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र कहीं गुम हो गई हैं। दीनबंधू सोनी तनय श्री रामावतार सोनी द्वारा उक्त भूमि को कैपरी ग्लोबल हाउसिंग फाइनेंश लिमिटेड शाखा रीवा से ऋण प्राप्त करने हेतु बंधक की जा रही है जो ई-रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 06.06.2017 ई-पंजीयन नं. MP328492017A1302715 की मूल प्रति प्रमोद कुमार सोनी तनय श्री श्यामलाल सोनी को कय करते समय पूर्व विक्रेता लीलावती पटेल पत्नी श्री बद्धसेन पटेल द्वारा नही दी गई थी और पूर्व विकता लीलावती पटेल पत्नी श्री बुद्धसेन पटेल द्वारा बताया गया कि मूल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गई है। जिस किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था या अन्य उपक्रम को मूल ई-रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 06.06.2017 ई-पंजीयन नं. MP328492017A1302715 के संबंध में किसी व्यक्ति, बैंक वित्तीय संस्था या अन्य उपक्रम को किसी भी तरह की कोई आपत्ति है तो वह सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर निम्न पते पर अपनी लिखित आपत्तिमय दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करें अन्यथा मुद्दत अवधि उपरांत मेरे पक्षकार कैपरी ग्लोबल हाउसिंग फाइनेंश लिमिटेड शाखा रीवा द्वारा संपत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान कर दिया जावेगा, तदुपरान्त किसी भी तरह की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नहीं होगी।

दिनांक 06.06.2026

सुनील कुमार मिश्र
एडवोकेट
चेम्बर नं. 12, प्रथम तल, नवीन अधिवक्ता भवन कोर्ट परिसर रीवा (म.प्र.)
मो.- 8435691666,9424315715

RN- 87217

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश के महाविद्यालयों में छात्रों के प्रवेश की दूसरी सूची जारी

विसं भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने रविवार को प्रदेश के महाविद्यालयों के लिए छात्रों के प्रवेश की सूची जारी कर दी है। द्वितीय चरण की इस सूची में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 1.25 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिला महाविद्यालय आवंटन दिया गया है,जिन्हें 13 जून तक प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की आवंटन सूची जारी कर दी गई है,जिसमें प्रदेशभर के 1 लाख 25 हजार 917 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की गई है। जारी सूची के अनुसार स्नातक स्तर पर 93 हजार 546 विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 32 हजार 371 विद्यार्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। जानकारी के अनुसार द्वितीय चरण में महाविद्यालय आवंटित विद्यार्थियों को 7 से 13 जून 2026 के बीच निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे परिवार

भोपाल । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। तोमर ने कहा कि योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना मध्यप्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है।

अपहृत बच्चे सकुशल मिले

भोपाल। पुलिस के ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत प्रदेशभर में गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की तलाश व सुरक्षित वापसी हेतु चलाया जा रहा है। ऑपरेशन मुस्कान के तहत विगत एक सप्ताह में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों ने देश के दूरस्थ राज्यों तक पहुंचकर 08 गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। इन सफलताओं के पीछे पुलिस टीमों की सतत मेहनत, तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र, अंतर्राज्यीय समन्वय तथा बच्चों को सुरक्षित घर पहुंचाने की दृढ़ प्रतिबद्धता रही है।

प्राधिकरणों में बंट गए पद, बिना सुविधा कैसे हो विकास

अनदेखी: आधा दर्जन प्राधिकरण के पास अपना भवन व अमला नहीं, बजट भी नहीं मिल सका

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के विशेष क्षेत्रों के विकास के लिए गठित प्राधिकरणों में राज्य सरकार ने राजनीतिक नियुक्तियां तो कर दी, पर आधा दर्जन प्राधिकरण के पास अपना न तो खुद का भवन व अमला है और न ही उनके पास किसी तरह का बजट ही उपलब्ध है। ऐसे में ये प्राधिकरण केवल नेताओं को उपकृत करने का माध्यम बन गए हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में मुख्य रूप से 15 विकास प्राधिकरण हैं, जो अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के सुनियोजित विकास की जिम्मेदारी संभालते हैं। इनमें से अब तक राज्य सरकार ने 11 विकास प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्तियां कर दी हैं। लेकिन इनमें से अधिकांश प्राधिकरणों के पास अपना स्वयं का भवन नहीं है। इतना ही नहीं कई प्राधिकरण में स्वयं का अमला ही पदस्थ नहीं है, जिससे प्राधिकरणों में नियुक्तियों के बाद प्रशासनिक गतिविधियां प्रारंभ नहीं पा रही हैं। स्व वित्त पोषित संस्थान होने की वजह से प्राधिकरणों को आत्मनिर्भर रहना होता है, लेकिन ये तब संभव होता है, जब सरकार द्वारा प्रारम्भिक मदद मिलती है। राज्य सरकार ने चित्रकूट विकास प्राधिकरण का गठन कर बजट भी उपलब्ध कराया है, जिससे वहां विकास के काम भी शुरू हो गए हैं, लेकिन ऐसा दूसरे प्राधिकरणों में नहीं हो पा रहा है।

इन प्राधिकरणों में हो चुकी हैं नियुक्तियां

- विंध्य विकास प्राधिकरण--अध्यक्ष- पंचूलाल प्रजापति
- उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रविन्दर सोलंकी
- विशेष क्षेत्र प्राधिकरण ग्वालियर अध्यक्षअशोक शर्मा
- ग्वालियर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष मधूसूदन भदौरिया
- अमरकंटक विकास प्राधिकरण अध्यक्ष राजेन्द्र भारती ,ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक जादौन
- रतलाम विकास प्राधिकरण अध्यक्ष-मनोहर पोरवाल
- मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्षभोपाल विनोद गोटिया
- मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष गुड्डी आदिवासी
- जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन

विंध्य विकास प्राधिकरण रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने राज्य सरकार को लिखा पत्र

विंध्य विकास प्राधिकरण रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र भी लिखा है। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय को लिखे पत्र में सीईओ ने कहा कि प्राधिकरण का जो कार्यालय शासकीय आवास क्रमांक एफ-26वीं में संचालित था। उसे गिराकर वहां पर आईटी पार्क निर्माणाधीन है, जिसकी वजह से प्राधिकरण कार्यालय का समस्त दस्तावेज एवं सामग्री संयुक्त संचालक योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय में रखा गया है। ऐसे में सरकार द्वारा अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति के उपरांत उन्हें बैठने के लिए कार्यालय भवन उपलब्ध नहीं है। पत्र में कहा गया है कि प्राधिकरण में वर्तमान में कोई भी शासकीय सेवक प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अथवा सम्बद्ध नहीं है। कार्यालय संचालन के लिए अध्यक्ष व उपाध्यक्षों को देय सुविधायें तथा कार्यालय व्यय आदि मदों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में आवंटन शून्य रहा है तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में आवंटन उपलब्ध नहीं है। नई नियुक्तियों के बाद पदाधिकारियों के आग्रह पर सरकार ने कार्यालय के लिए एक शासकीय आवास आवंटित किया है, लेकिन अभी भी बजट उपलब्ध नहीं कराया गया है और न ही प्राधिकरण ने अब तक किसी नए प्रोजेक्ट की शुरूआत ही की है, जिससे उसके सामने आर्थिक संकट बना हुआ है।

आयकर विभाग ने रतलाम विकास प्राधिकरण का एकाउंट किया सीज

कामोवेश कुछ ऐसे ही हालात रतलाम विकास प्राधिकरण के हैं, जिस पर आयकर विभाग की लगभग 6 करोड़ की देनदारी निकल रही है। इसकी वजह से आयकर विभाग ने प्राधिकरण का एकाउंट सीज कर रखा है, जिससे पिछले चार माह से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। प्राधिकरण में भी आवश्यकतानुसार अधिकारी कर्मचारियों की पदस्थापना भी नहीं है। कार्यालय भी नगर निगम के भवन में संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं प्राधिकरण को अब तक बजट नहीं मिल सका है। प्राधिकरण के अध्यक्ष मनोहर पोरवाल का कहना है कि हम आयकर विभाग में अपील कर चुके है और ऐसी उम्मीद है कि हमारे खाते जल्द खोल दिए जाएंगे, जिससे विकास के कार्य प्रारम्भ होंगे। सिंगरौली विकास प्राधिकरण काफी पुराना है। यहां पर वर्तमान में लगभग 120 करोड़ का प्रोजेक्ट प्रस्तावित है। प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष दिलीप शाह के समय प्राधिकरण ने संपत्ति मेला (प्रॉपर्टी फेयर) लगाकर 12 से 13 करोड़ की आय अर्जित की थी। ऐसे में इस प्राधिकरण के सामने बजट की समस्या नहीं है, लेकिन यहां पर पर्याप्त कर्मचारियों का अभाव है। मौजूदा समय में महज 4 कर्मचारी अधिकारी प्राधिकरण के है, जबकि इतने ही प्रतिनियुक्ति के तहत सेवाएं दे रहे हैं।

मीनाक्षी के सामने भाजपा के तीसरे प्रत्याशी महेश केवट

आज 12:30 बजे नामांकन करेंगे दाखिल, देर रात बनी सहमति, सभी विधायकों को सुबह बुलाया

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्यसभा की तीसरे सीट के लिए भाजपा ने रविवार देर रात अपना प्रत्याशी चुन लिया। मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट भाजपा के तीसरे प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन सोमवार को दोपहर साढ़े बारह बजे जमा करेंगे। महेश बुंदेलखंड क्षेत्र से आते हैं। बता दें कि 8 जून नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख है। भाजपा के दो प्रत्याशी बीते शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं, जबकि कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन आखिरी दिन नामांकन पत्र दाखिल करेगी। भाजपा द्वारा अपना तीसरा प्रत्याशी मैदान में उतार देने से राज्यसभा चुनाव को लेकर 18 जून तक राजनीतिक उठा-पटक और जोड़-तोड़ की स्थिति बनना तय हो गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने बयानों से तीसरी सीट पर भाजपा के चुनाव लड़ने की संभावनाओं को जिंदा रखे हुए हैं। इधर भाजपा के विधायक भी तीन दिनों से भोपाल में ही डेरा जमाए हुए हैं, जिन्हें कहा गया है कि वे सोमवार तक कहीं नहीं जाए, उन्हें जरूरत पड़ने पर प्रत्याशी के नामांकन पत्र में बतौर प्रस्तावक हस्ताक्षर रखने को आना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री निवास में रविवार देर रात चले मंथन में महेश केवट के साथ चार अन्य नामों पर भी विचार किया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व से महेश के नाम को मंजूरी मिलने के बाद सभी विधायकों को सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे मुख्यमंत्री निवास बुलाया गया है। यहां औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। इसके बाद दोपहर साढ़े बारह बजे अपने प्रत्याशी को लेकर नामांकन दाखिल करने विधासनसभा पहुंचेगी।

रणनीति तैयार, हाईकमान के इशारे का इंतजार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार का अपना पूरा दिन खाली रखा। इस दौरान सीएम हाउस में उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा तीसरी सीट की संभावनाओं को तलाशते हुए इसके लिए रणनीति भी बनाई गई। सूत्रों का कहना है कि भाजपा कोई बड़ा धमाका कर सकती है, जिससे कांग्रेस में फूट बढ़ेगी और भाजपा आसानी से तीसरी सीट जीत सकती है। चर्चा है कि जैसे ही दिल्ली से हरी झंडी मिलती है,भोपाल में भाजपा तीसरी सीट के नामांकन की तैयारी प्रारम्भ कर देगी।

12 बजे नामांकन भरेंगी मीनाक्षी

कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन सोमवार को दोपहर 12 बजे के लगभग अपना नामांकन पत्र दाखिल करेगी। इससे पहले वे प्रदेश कांग्रेस दफ्तर पहुंचेगी,जहां से वे वरिष्ठ नेताओं से साथ विधानसभा परिसर जाएगी। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव व कांतिलाल भूरिया और मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित दूसरे नेता मौजूद रहेंगे। इधर रविवार को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि यदि भाजपा लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन नहीं करती है,तो ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। कांग्रेस विधायक दल के नेता उमंग सिंघार ने कहा है कि पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के समर्थन में सभी विधायक और संगठन एकजुट है।

विधायक लोधी ने दो महीने में दूसरी बार मांगी माफी

वीडियो जारी कर गुर्जर समाज से खेद जताया

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा के बयानवीर विधायक प्रीतम लोधी को दो माह में दूसरी बार माफी मांगनी पड़ी है। रविवार को उन्होंने वीडियो जारी कर गुर्जर समाज से खेद जताया है। उल्लेखनीय है कि विधायक लोधी ने पिछले दिनों डकैत रामबाबू गड़रिया को लेकर बयान दिया था, जिस पर गुर्जर समाज ने एतराज जताते हुए प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से विधायक के खिलाफ एक्शन लेने को कहा था। भाजपा अध्यक्ष ने समाज को भरोसा दिलाया था कि वे इस संबंध में लोधी को तलब करेंगे। इसके बाद भाजपा कार्यालय ने विधायक लोधी को भोपाल आने को कहा था। जानकारी के अनुसार राज्यसभा चुनाव के सिलसिले में भोपाल आए विधायक लोधी से पार्टी नेताओं ने समाज से जुड़े बयानों से बचने की सलाह दी है। जिसके बाद लोधी ने वीडियो संदेश के जरिए गुर्जर समाज से अपने बयान को लेकर खेद जता दिया। लोधी ने कहा कि वह सभी समाजों की सेवा करते हैं और यदि किसी कार्यक्रम के दौरान उनके मुख से ऐसी कोई बात निकल गई हो,जिससे किसी समाज की भावनाएं आहत हुई हों,तो वह उसके लिए खेद व्यक्त करते हैं।

आईपीएस अफसरों से भी जता चुके हैं खेद

प्रीतम लोधी ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी आयुष जाखड़ के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिस पर आईपीएस एसोसिएशन ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने उन्हें नोटिस जारी कर भोपाल तलब किया था। तब लोधी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष के सामने अपनी बात रखी थी। इसके बाद उन्होंने वीडियो से अधिकारी से खेद जताया था।

विवादों से पुराना नाता

विधायक लोधी का नाम पहले भी कई बाद विवादों में रहा है। अगस्त 2022 में उनके द्वारा समाज विशेष और महिलाओं को लेकर बयान दिया था। जिसका विरोध हुआ था और भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया था। बाद में उन्होंने खेद जताया,तो पार्टी में उनकी वापसी हो गई थी।

ब्रह्मांडीय जीवन के संकेत पर 8 सूत्रीय प्रोटोकॉल तैयार

वॉशिंगटन, जेएनएन। यदि भविष्य में पृथ्वी को किसी एलियन सभ्यता की ओर से कोई संदेश मिलता है तो मानवता की ओर से क्या कदम उठाए जाएंगे? इस सवाल का जवाब खोजने के लिए वैज्ञानिकों ने पहली बार एक विस्तृत वैश्विक कार्ययोजना तैयार की है। आठ बिंदुओं वाली इस योजना में बताया गया है कि किसी संभावित एलियन सिग्नल की पुष्टि होने पर वैज्ञानिकों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सरकारों को किस तरह काम करना चाहिए। इस नई रूपरेखा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अंतरिक्ष से मिले किसी रहस्यमय संदेश को लेकर दुनिया में अफरा-तफरी, अफवाह या गलत सूचना न फैले। खास बात यह है कि इस प्रोटोकॉल के अनुसार, यदि किसी बुद्धिमान एलियन सभ्यता का संदेश भी मिल जाए तो मानवता उसकी ओर से तुरंत जवाब नहीं देगी।

सोशल मीडिया के दौर की चुनौतियों पर फोकस

कार्ययोजना में सोशल मीडिया के प्रभाव को भी ध्यान में रखा गया है। वैज्ञानिकों को निर्देश हैं कि वे अफवाहों का तेजी से जवाब दें और दावों को चिन्हित करें। एलियन जीवन की खोज करने वाला वैज्ञानिक रातोंरात दुनिया की सबसे चर्चित हस्तियों में शामिल हो सकता है। ऐसे में संबंधित संस्थानों को उसकी सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर हितों की रक्षा करनी होगी।

यूएफओ फाइलों के दौर में आई योजना

वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल के समय में अमेरिका में बड़ी संख्या में स्नह्य और अज्ञात उड़न वस्तुओं से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। ऐसे माहौल में किसी अपुष्ट सूचना के कारण वैश्विक भ्रम और दहशत फैलने की आशंका बढ़ गई है। इसीलिए वैज्ञानिक समुदाय चाहता है कि यदि कभी पृथ्वी को किसी दूसरी बुद्धिमान सभ्यता का वास्तविक संदेश मिले, तो उस ऐतिहासिक क्षण को पारदर्शिता, जिम्मेदारी और वैज्ञानिक सत्यापन के साथ संभाला जाए।

सिग्नल और डेटा को रखा जाएगा सुरक्षित

- यदि एलियन सिग्नल मिलता है तो हर जानकारी को दुनिया के कई सुरक्षित केंद्रों में संरक्षित किया जाएगा।
- पुष्टि के बाद विशेष अंतरराष्ट्रीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा है।
- किसी एलियन सभ्यता का संदेश मिलने के बाद पृथ्वी की ओर से कोई तत्काल जवाब नहीं भेजा जाएगा।

कॉलेज खुलते ही आंदोलन के मूड में प्रोफेसर, पदोन्नति व वेतनमान की मांग

21 साल बाद भी खत्म नहीं हुई सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा, बैकलॉग में भरे थे पद

जागरण, भोपाल। एक तरफ कॉलेजों में अधिकांश पद खाली हैं, दूसरी तरफ सरकार पूर्व में भर्ती हुए प्रोफेसरों पर ध्यान नहीं दे रही। अनदेखी का परिणाम है कि सैकड़ों की संख्या में सहायक प्राध्यापक 21 साल से परिवीक्षा अवधि में बने हुए हैं। न तो परिवीक्षा खत्म हो पा रही है और पदोन्नति का लाभ ही मिल पा रहा है। यही हालत बाद के वर्षों में पदस्थ हुए सहायक प्राध्यापकों की भी बनी हुई है। उनका कैरियर प्रमोशन भी सालों से अटका हुआ है। सालों से दफ्तरों और अधिकारियों के चक्कर काट रहे प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर अब शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही हड़ताल पर जाने का मन बना रहे हैं। मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन के लिए प्रोफेसरों ने एक कमेटी का गठन भी कर लिया है। उच्च शिक्षा विभाग ने 2004 व 2005 में बैकलॉग क्लीयर करने के उद्देश्य से सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की थी। इनकी परिवीक्षा अवधि दो साल की रखी थी, उसके बाद नियमितीकरण का लाभ मिलना था। समयबद्ध प्रमोशन के दावेदार भी हो जाते। मगर भर्ती करने के बाद इन सहायक प्राध्यापकों को विभाग भूल ही गया। आज तक ये सभी परिवीक्षा अवधि में ही चल रहे हैं। उन्हें कैरियर पदोन्नति का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। रविवार को शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ की साधारण सभा की बैठक में इन बैकलॉग के सहायक प्राध्यापकोड्ड सहित 2003 से 2017 तक भर्ती हुए सहायक प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारी व ग्रंथपालों की समस्याओं पर चिंतन किया गया। संगठन ने बैकलॉग बैकलॉग के सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि नियुक्ति दिनांक से 2 वर्ष के अंदर समाप्त कर उन्हें कैरियर पदोन्नति का लाभ दिए जाने की मांग की है।

सरकार ने अफसरों से कहा-पात्रों को पहुंचाएं योजनाओं का लाभ

ब्लॉक और निकाय मुख्यालयों में तीन दिन लगाए जाएंगे जनकल्याण शिविर

जीएडी ने अधिकारियों को भेजे दिशा-निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने सभी जिलों के कलेक्टर से कहा है कि वे प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 3 दिवसीय जनकल्याण शिविर लगाकर सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाएं। अधिकारियों से कहा गया है कि पारदर्शी तरीके से पात्रों का चयन हो, यह सुनिश्चित किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिला कलेक्टर को पत्र भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि 12 से 18 जून की अवधि में जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 03 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किये जायेंगे। शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से कराया जाए। विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित कराया जाए। विभाग द्वारा इस संबंध में सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त, नगर पालिक निगम और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि शिविरों का रोस्टर इस प्रकार तैयार किया जाए कि यथासंभव कलेक्टर/अपर कलेक्टर/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिविर में उपस्थित रहें और विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

समय सीमा में करें आवेदनों का निराकरण

पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि शिविर में प्राप्त होने वाले ऐसे आवेदन जिनका निराकरण तत्काल संभव न हो, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदक को सूचित किया जाये और प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाये। जिला कलेक्टर शिविरों के आयोजन, विभागीय समन्वय, प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण के लिए उत्तरदायी होंगे। शिविर आयोजन के लिये जिले के प्रभारी मंत्री का अनुमोदन प्राप्त किया जाये और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाये।

आयोजन रविन्द्र भवन में मध्यप्रदेश वैश्विक बौद्ध धरोहर को लेकर अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया गया आयोजन

सनातन विचारधारा को बुद्ध ने वैश्विक स्तर पर किया प्रतिष्ठित

विसं भोपाल। राजधानी के रविन्द्र भवन में रविवार को मध्यप्रदेश वैश्विक बौद्ध धरोहर केंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य सरकार के मंत्रियों और दूसरे वक्ताओं ने संबोधित किया। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सनातन विचारधारा को भगवान गौतम बुद्ध ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया। मंत्री परमार ने कहा है कि भारतीय परम्परा में ज्ञान का सर्वोच्च स्थान रहा है। भारत का सनातन दर्शन केवल ज्ञान अर्जन का नहीं, बल्कि ज्ञान को साधना बनाकर आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करने का दर्शन है। ज्ञानमेव शक्ति की चेतना से प्रेरित होकर नर से नारायण बनने का यह सतत उपक्रम ही भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत महानता का आधार रहा है। परमार ने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थस्थलों को आस्था एवं पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित किए जाने से भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक वैभव विश्वमंच पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगा। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध केवल भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। उनका मानव कल्याण, करुणा और शांति का संदेश वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और आस्था केंद्रों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सतत कार्य कर रही है।

इस अवसर पर ओडिशा की राजमाता डॉ. राजश्री देवी, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पद्मश्री नारायण व्यास, उद्योगपति रोहित पिशाल तथा सम्मेलन के आयोजक भंते शाक्यपुत्र सागर सहित विभिन्न देशों से आए बौद्ध भिक्षु, विद्वान, शोधार्थी और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संस्कृति राज्य मंत्री ने कहा

संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि आज जब विश्व हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव और नैतिक संकटों से जूझ रहा है, तब भगवान बुद्ध का दर्शन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सांची को केंद्र में रखते हुए सतधारा, सोनारी, अंधेर, मुरेलखुर्द तथा बाघ गुफाओं को जोड़कर एक सुव्यवस्थित मध्यप्रदेश बौद्ध हेरिटेज सर्किट विकसित कर रही है। इसके अंतर्गत आधारभूत संरचना और पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के बौद्ध स्थलों को बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर और राजगीर जैसे प्रमुख राष्ट्रीय बौद्ध तीर्थों से जोड़ते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध यात्रा पैकेज विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

धार और नारायणा गांव में बनेगा श्रीकृष्ण तीर्थ : सीएम

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण ने लीलाएं कीं, वहां-वहां हमारी सरकार भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाने जा रही है। इसी तारतम्य में उज्जैन जिले के नारायणा गांव और धार जिले के अंका-झंका माताजी परिसर में भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाया जायेगा। सीएम रविवार को अपने निवास स्थान से उज्जैन जिले के ग्राम टंकारिया पंथ में श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। श्रीमद्भागवत कथा का पुण्य-प्रताप ऐसा है कि इसे सुनने मात्र से ही मनुष्य के दुःख-दर्द दूर हो जाते हैं। भागवत कथा श्रवण से कष्टों का शमन होता है और पूरे संसार का कल्याण होता है। इस कथा का श्रवण मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति में भी सहायक होता है। भारतीय संस्कृति में ऐसे धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं और सबके जीवन में सद्भाव एवं आत्मिक शांति का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म के मर्म एवं नैतिकता का भान कराती है। यह मनुष्य को उसके कर्तव्यों और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञानामृत है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में भागवत गीता कथा एक पवित्र माध्यम है। डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली राखी में भी हमारी सरकार लाड़ली बहनों को शगुन के रूप में राशि भेजेगी, बुजुर्गों से कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को हमारी सरकार तीर्थ यात्रा करायेगी। कथा आयोजन को समाज में आध्यात्मिक जागृति व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

संक्षिप्त समाचार

डीयू प्रोफेसर हत्याकांड बंगाल से दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल की हत्या का मामला तीन दिन में सुलझा लिया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी एक कपल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी प्रॉपर्टी विवाद के चलते करीब 1400 किमी दूर पश्चिम बंगाल से दिल्ली आए थे। पॉल के पास पश्चिम बंगाल में एक संपत्ति थी, जो उसे नाना के मरने के बाद विरासत में मिली थी। इस संपत्ति की कीमत करोड़ों रुपए है। आरोपी उस घर में किराएदार थे और संपत्ति पर इनकी नजर थी। पॉल उन पर घर खाली करने का दबाव डाल रहा थी। इसी वजह से कपल ने हत्या की साजिश रची।

दिल्ली में प्रदर्शन के बाद अपने घर पहुंचे अभिजीत

छत्रपति संभाजीनगर, जेएनएन। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने रविवार को कहा, ' नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर उनका आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा, तक जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते।' दीपके ने कहा, शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन काफी सफल रहा। 7,000 लोगों ने हिस्सा लिया। सरकार ने ट्रेलर देखा कि एकजुट होने पर 'कॉकरोच' क्या कर सकते हैं। बात अभी खत्म नहीं हुई है। अब यह आंदोलन पूरे देश में किया जाएगा। सीजेपी फाउंडर रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके में अपने घर पहुंचे, जहां उनके परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अभिजीत ने घर से एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया।

शहर से बाहर शिफ्ट होंगी मीट-मछली की दुकानें

वाराणसी, जेएनएन। धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में मीट-मांस और मछली के कारोबार को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। नगर निगम की साधारण सभा की बैठक में शहर के भीतर संचालित मीट-मांस और मछली की दुकानों को चरणबद्ध तरीके से शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित करने पर सहमति बनी है। मैदागिन स्थित टाउनहाल भवन में शनिवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित सदन की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को जानकारी दी कि योजना के प्रथम चरण के लिए पांच स्थानों का चयन कर लिया गया है। इनमें रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्र शामिल हैं। ये स्थान शहर की बाहरी सीमा के निकट स्थित हैं।

पेपर लीक का झांसा देकर वसूली, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक कराने का दावा कर छात्रों से पैसे वसूलने वाले एक फर्जी रैकेट का खुलासा हुआ है। यूपी एसटीएफ ने लखनऊ से ओम कुमार नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह टेलीग्राम पर 'पेपर लीक' जैसे चैनल बनाकर परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका देने का झांसा देता था। इसके बदले हर परीक्षार्थी से करीब 2 हजार रुपये लिए जाते थे। यूपी एसटीएफ के मुताबिक आरोपी मूल रूप से बिहार के पटना जिले का रहने वाला बताया गया है। आरोपी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के नाम पर फर्जी दावा करता था कि उसके पास परीक्षा का प्रश्नपत्र पहले से मौजूद है।

नाव को घेरकर खेलने लगीं व्हेल

मैक्सिको के बाहा कैलिफोर्निया तट पर एक छोटी नाव के बेहद करीब आकर अठखेलियां करतीं चार ग्रे व्हेल। इस क्षेत्र में, व्हेल की यह प्रजाति आमतौर पर बहुत मिलनसार होती है, और अक्सर जिज्ञासा और इंसानों के साथ मेलजोल की इच्छा से नावों के पास आती है। फोटोग्राफर कौशिक सुब्रमण्यम के मुताबिक, 'मैंने यह तस्वीर एक अविश्वसनीय सुबह खींची थी जब हमारी नाव के आसपास 20 से अधिक व्हेल थीं। इस तस्वीर में जो चार व्हेल दिख रही हैं, वे पहल करने वाली थीं, जिसके बाद बाकी सभी व्हेल भी इंसानों के साथ समय बिताना चाहती थीं। आज तक, यह मेरे द्वारा अनुभव किया गया सबसे अविश्वसनीय वन्यजीव अनुभव है।'

इंजीनियर के लॉकरों में 2 करोड़ कैश मिला

भुवनेश्वर, जेएनएन। ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी। ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद भुवनेश्वर के विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) के सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने शुक्रवार को भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 5 बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश बरामद किए गए हैं। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। भुवनेश्वर के 4 इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के आवास, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में 2 एडिशनल एसपी, 5 डीएसपी, 6 इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया। जांच में भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में लगभग 10,500 वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है। इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है।

साल 1999 में महज 6 हजार रुपये सैलरी पर हुई थी नियुक्ति

अमेरिका ने होर्मुज में दो ड्रोन गिराए ईरान बोला-सीजफायर का उल्लंघन

पश्चिम एशिया में फिर बढ़ा तनाव, युद्ध रुकवाने के लिए पाकिस्तान के गृह मंत्री पहुंचे तेहरान

वाशिंगटन डीसी, तेहरान, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही युद्धविराम लागू हो, लेकिन बीच-बीच में हमलों के मामले सामने आते रहते हैं। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे ईरान के दो ड्रोन पर हमला करके उन्हें गिरा दिया। इससे पश्चिम एशिया में एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी मिलिट्री ने कहा है कि उसने होर्मुज के ऊपर ईरान के दो और ड्रोन मार गिराए हैं, जिनसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को खतरा था। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। ईरानी फॉरेन मिनिस्ट्री का कहना है कि अमेरिका तनाव कम करने के बजाय अपनी सैन्य कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। दूसरी तरफ सेंट्रल इजराइल में रविवार को एक पेट्रोल पंप हुए आतंकी हमले में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मेडिकल अधिकारियों के अनुसार, इनमें एक की हालत गंभीर है।

इस बीच, युद्ध को रुकवाने के लिए पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी भागे-भागे तेहरान पहुंच गए। वे ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं और अपने साथ आसिम मुनीर का ईरान के सुप्रीम लीडर के लिए संदेश ले गए हैं। रविवार को ईरान-अमेरिका युद्ध अपने 100वें दिन पर पहुंच गया और इसका कोई अंत नहीं दिख रहा है। सीजफायर को पक्के समझौते में बदलने की कोशिशें बार-बार रुकी हैं, जबकि इस युद्ध ने ग्लोबल मार्केट को हिला दिया है और मिडटर्म चुनावों से पहले घर पर अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बढ़ा दिया है। वहीं, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी के तेहरान दौरे के साथ नई डिप्लोमैटिक कोशिशों के संकेत मिले।

खार्ग द्वीप के पास धमाकों की आवाज

एपीए ने फार्स समाचार एजेंसी के हवाले से बताया है कि ईरान के खार्ग द्वीप के पास एक विस्फोट की आवाज सुनी गई। एजेंसी का कहना है कि विस्फोट का सटीक स्थान और स्रोत अज्ञात है, लेकिन माना जाता है कि यह द्वीप के तट से दूर हुआ था।

अमेरिका के पास सबसे ज्यादा तेल-गैस: ट्रंप

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया के किसी भी देश की तुलना में सबसे ज्यादा तेल, गैस और कोयला है। चिपपेवा फॉल्स जाते समय पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी संसाधन हैं। जब इसमें वेनेजुएला को भी जोड़ दिया जाए, तो हमारे पास इस प्रकार की ऊर्जा का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा है। यह अविश्वसनीय है।' ट्रंप ने वेनेजुएला के साथ संबंधों को 'बहुत अच्छा' बताया। उन्होंने कहा, 'देश खुश है। लोग अमेरिका से प्यार करते हैं। बड़ी तेल कंपनियां अभी वहां पहुंच रही हैं। हम लाखों बैरल तेल निकालने जा रहे हैं।'

नहीं बढ़ेंगी तेल की कीमतें: तेल की कीमतों पर ट्रंप ने कहा कि लोगों को आशंका थी कि भाव 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा, उन्होंने कहा, 'हमारे देश में और दुनिया भर में बहुत सारा तेल आ रहा है जिसके बारे में लोगों को पता भी नहीं है। इसीलिए तेल की कीमत 300 डॉलर के बजाय 96 डॉलर है।'

दिल्ली में डरा रहे आंकड़े, 6 साल में आग से 543 लोगों की मौत

मालवीय नगर अग्निकांड के बाद दिल्ली में अग्नि सुरक्षा उपायों को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले छह वर्षों में राजधानी में आग से संबंधित दुर्घटनाओं में 543 लोगों की जान गई है।

65	की मौत साल 2026 में आग से हो चुकी है
84	लोगों की मौत 2025-26 में आगजनी से हुई
90	की मौत 2024-25 में, 2023-24 में 77 की जान गई
41	मौतें 2020-21 में, 2021-22 में 55 मौतें दर्ज की गईं
95	लोगों की जान 2022-23 में आग से हुई
44	लोगों की मौत 2019-20 में अग्निकांड में हुई
4403	लोग घायल हुए 2019 से 2025 के बीच आग से

'इंडिया' ब्लॉक की बैठक आज नहीं आएगी डीएमके, कई नाराज

दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन की अहम बैठक सोमवार को होगी। इसमें महंगाई, पेपर लीक और एक देश-एक चुनाव जैसे मुद्दों पर रणनीति बनेगी। हालांकि, जेएमएम, सपा और वामदल कांग्रेस के रवैये से नाराज हैं, जबकि तमिलनाडु समीकरणों के कारण डीएमके इस बैठक में शामिल नहीं हो रही है। यह 15 अप्रैल को हुई पिछली बैठक से काफी ज्यादा अलग है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद विपक्ष काफी कमजोर हो गया है और राजनीतिक समीकरणों में भी बदलाव आया है। इस बार की बैठक में डीएमके शामिल नहीं होगी। तमिलनाडु में कांग्रेस ने डीएमके के साथ चुनाव लड़ा था लेकिन हार के बाद डीएमके का साथ छोड़कर कांग्रेस टीवीके के साथ है और सरकार में शामिल है। इसके चलते ही डीएमके कांग्रेस से काफी ज्यादा नाराज हैं। हालांकि पश्चिम बंगाल विस चुनाव हारने के बाद टीएमसी के तेवर ढीले हैं।

भारत-इंडोनेशिया के बीच बैठक में विमर्श

क्रिटिकल मिनरल्स, रक्षा व व्यापार पर बढ़ाएंगे सहयोग

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई मिलने जा रही है। नई दिल्ली में रविवार को दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक की मेजबानी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की। बैठक में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों देश क्रिटिकल मिनरल्स, रक्षा, समुद्री व्यापार और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। यह दोनों देशों के बीच आयोजित आठवीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग की बैठक थी।

इस बैठक में समुद्री व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इंडोनेशिया वर्तमान में दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत का एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है। बता दें कि इंडोनेशिया के विदेश मंत्री इस समय नई दिल्ली के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

सीबीएसई: 'टेंडर इन्वेस्टिगेटर' सार्थक से मिले राहुल

सार्थक, अपने सिद्धांतों पर हमेशा अडिग रहो: राहुल

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डिजिटल कॉपियों के मूल्यांकन यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर मचा बवाल अब देश की मुख्य राजनीति के केंद्र में पहुंच गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 17 वर्षीय छात्र और विहिसलब्लोअर सार्थक सिद्धांत से मुलाकात की। राहुल गांधी ने सार्थक के साथ मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं। उन्होंने सार्थक के नाम के साथ शब्दों का वर्ड प्ले करते हुए हिंदी में लिखा, 'सार्थक, अपने सिद्धांतों पर अडिग रहो।' इसके साथ ही राहुल गांधी ने सार्थक के लिए 'टेंडर इन्वेस्टिगेटर' नाम के एक हैशटैग का भी इस्तेमाल किया। यह शब्द सार्थक द्वारा सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर जाकर सरकारी टेंडर के डॉक्यूमेंट की तकनीकी जांच करने की क्षमता को सम्मान देने के लिए दिया गया। सार्थक ने अपनी जांच में दावा किया था कि उन्होंने सीबीएसई के लगातार आए टेंडरों में कम से कम 15 गंभीर गलतियां पकड़ी थीं। उनका आरोप है कि ओएसएम सिस्टम चलाने वाली निजी कंपनी 'कोएम्प्ट एडुटेक' को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव किए गए थे, हालांकि सीबीएसई और कंपनी ने इन आरोपों से इनकार किया है।

प्रदेश की महिलाओं के विश्वास का आधार बनी डॉ. मोहन यादव सरकार

आलोक एम इंदौरिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिस तरह प्रदेश की महिलाओं के समग्र उत्थान लिए काम कर रहे हैं, उसके चलते राजनीतिक विथिकाओं में अब ऐसा माना जाने लगा है कि डॉ. मोहन यादव और बहनों के बीच स्वस्थ आत्मीय रिश्ते प्रगाढ़ होते जा रहे हैं। भाई-बहन के ये रिश्ते भारतीय जनता पार्टी के लिए न केवल बेहद मुफीद होंगे बल्कि 2028 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की तकदीर लिखने में महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। डॉ. यादव अपने समग्र महिला उत्थान और स्वावलंबन के इन तमाम भागीरथी प्रयासों से वे प्रदेश की बहनों के बीच न केवल खासे लोकप्रिय हो गए हैं, बल्कि वे अब देश की बहनों के लाड़ले भैया के रूप में माने जाने लगे हैं। प्रदेश की कमान संभालने के बाद डॉ. यादव इस बात को बखूबी जानते थे कि यदि प्रदेश में दोबारा सत्ता लाना है तो प्रदेश की लगभग कुल आबादी का 49 प्रतिशत महिला आबादी को न केवल खुद से जोड़ना होगा बल्कि इसके लिए मातृशक्ति के बीच अपनी भूमिका एक ऐसे भाई की रखना होगी, जैसी कृष्ण ने द्रोपदी के लिए एक सशक्त और समर्थ भाई की भूमिका निभाई थी। प्रदेश में कुल 5.39 करोड़ वोटर हैं, जिनमें महिला वोटर 2.5 करोड़ से 2.6 करोड़ के बीच अनुमानित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में लगभग 76 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा को वोट किया था, जो 2018 से चुनाव से लगभग दो प्रतिशत अधिक था। लाड़ली बहना के अतिरिक्त डॉ. यादव सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई महिला हितैषी योजनाएं प्रदेश में... महिला प्रथम... महिलाओं का वास्तविक आधार बन चुका है और हम इसे केवल एक वित्तीय सहायता मानकर ही इसके स्वरूप का आंकलन नहीं कर सकते बल्कि यह सरकार और डॉ. मोहन यादव के बीच इन बहनों के उस भरोसे की एक ऐसी नजीर बन गई है, जिसके चलते ये बहनें आज मोहन यादव को लाड़ले भैया कहकर संबोधित कर रहीं हैं। उन्होंने मातृशक्ति के लिए लगातार किए जा रहे अपने कामों से यह साबित कर दिया कि प्रदेश की बहनें उन्हें मुख्यमंत्री के साथ-साथ एक सहृदय बड़े भाई के रूप में उन्हें स्वीकार करती हैं। मुख्यमंत्री ने महिला कल्याण योजनाओं को केवल सहायता वितरण तक सीमित न रख के उन्हें सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक स्वावलंबन और बालिका सशक्तिकरण के व्यापक अभियान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। इसके सकारात्मक परिणाम शहरों से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देने लगे हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 29 विधानसभा ऐसी हैं, जहां महिला वोटर की संख्या पुरुष वोटरों से अधिक है और आधा सैकड़ा से अधिक सीटों पर वे निर्णायक भूमिका भी रखती है। एक परिपक्व और दूरदर्शी मुख्यमंत्री बन चुके डॉ. यादव इस राजनीतिक मर्म को समझते थे और समग्र महिला विकास पर उन्होंने अपनी सरकार को फोकस किया। अकेली लाड़ली बहना ही इस मातृशक्ति के लिए काफी नहीं है बल्कि लखपति दीदी योजना, मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना, नारी शक्ति मिशन जैसे तमाम कार्यक्रमों को एक कड़ी में पिरोकर डॉ. यादव ने महिला सशक्तिकरण का एक विशाल पैकेज मप्र में खड़ा कर डाला है। लाड़ली लक्ष्मी ने जहां बेटियों के शिक्षा का भविष्य सुरक्षित किया है ,वहीं लखपति दीदी, उद्यम शक्ति, ड्रोन दीदी समेत स्वावलंबन की कई योजनाओं के माध्यम से शहर से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक की महिलाओं ने अपने छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू करके अपनी आत्मनिर्भरता और सम्मान दोनों को स्थापित तो किया ही साथ ही परिवार और समाज में अपनी अहम जगह बनाई है। प्रदेश में 4 लाख से अधिक महिलाएँ स्व-रोजगार योजना से जुड़ी हैं, वहीं रेडीमेड उद्योग एवं कारखानों में कार्यरत महिलाओं को पांच हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही 34 लाख महिला कृषकों को दुग्ध उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बार डॉ. मोहन यादव ने अपना जन्मदिन मातृशक्ति के बीच मना कर एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी जिसकी अनुगूंज सारे प्रदेश में सुनाई दे रही है। महिला सुरक्षा और उनके समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक ऐसी ढाल बनकर खड़े हो गये हैं जिनके संरक्षण में मध्य प्रदेश की महिलाएं न केवल अपने आपको बेहद सुरक्षित महसूस करती हैं ,बल्कि अपने सामाजिक, आर्थिक सहित चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर होंगी।

रिसर्च 6.4 से 7.8 घंटे की नींद उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कर सकती है धीमा

दिमाग, लिवर, फेफड़े, त्वचा के लिए नींद जरूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। जीवनभर स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है। एक नए शोध से पता चला है कि इंसानी शरीर के लिए 6.4 से 7.8 घंटे की नींद सबसे आदर्श (आइडियल) मानी गई है। इस तय समय से कम या ज्यादा सोने का सीधा संबंध 'बायोलॉजिकल एजिंग' (जैविक रूप से उम्र का बढ़ना) से देखा गया है, यानी ऐसा करने से शरीर के अंग तेजी से बूढ़े होने लगते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि 6.4 से 7.8 घंटे के बीच सोने वाले लोगों में बायोलॉजिकल एजिंग की रफ्तार सबसे धीमी थी। इसका सकारात्मक असर दिमाग, लिवर, फेफड़े, इम्यून सिस्टम, त्वचा, एडिपोज़ टिश्यू (वसा ऊतक) और अग्न्याशय (पैन्क्रियाज) समेत कई ऑर्गन सिस्टम पर देखा गया।

क्या कहता है शोध

'नेचर' जर्नल में प्रकाशित इस शोध में वैज्ञानिकों ने यूके बायोबैंक के करीब 5 लाख प्रतिभागियों की नींद के आंकड़ों का विश्लेषण किया और उसकी तुलना उनकी बायोलॉजिकल उम्र से की। बायोलॉजिकल उम्र का मतलब है कि किसी व्यक्ति के वास्तविक कालानुक्रमिक (क्रोनोलॉजिकल) उम्र की तुलना में उसके शरीर के आंतरिक अंग कितनी तेजी या धीमी गति से बूढ़े हो रहे हैं।

ज्यादा सोने से भी होता है नुकसान

प्रोफेसर लिंकन के मुताबिक, कम और ज्यादा सोने के पीछे अलग-अलग जैविक कारण काम करते हैं। कम सोने से शरीर में शारीरिक तनाव, सिस्टेमिक इन्फ्लेमेशन (सूजन), कमजोर इम्यून सिस्टम और मेटाबॉलिक गड़बड़ी पैदा होती है, जो सीधे तौर पर दिल, मांसपेशियों और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करती है। दूसरी ओर, ज्यादा सोने का सीधा संबंध दिमागी और न्यूरोसाइकिएट्रिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन या कॉग्निटिव दिक्कतों (याददाश्त और सोचने की क्षमता में कमी) से देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादा सोना सीधे तौर पर एजिंग नहीं बढ़ाता, बल्कि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर पहले से ही किसी अंदरूनी बीमारी या तनाव से जूझ रहा है। नेशनल स्लीप फाउंडेशन के वैज्ञानिक जोसेफ डेज़एर्ज़ेव्स्की ने कहा, 'नींद एक बायोलॉजिकल सिग्नल है।

जहरीली गैस से चार की मौत

सूरत, जेएनएन। गुजरात के सूरत जिले में रविवार को चार मजदूरों की मौत हो गई है। सूरत शहर के अश्विनी कुमार इलाके में एक ज्वेलरी निर्माण फैक्ट्री में जहरीली गैस के कारण यह हादसा हुआ। फैक्ट्री में मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई का काम कर रहे थे।

सरकार से मांगा दो फीसदी महंगाई भत्ता

जागरण संवाददाता, भोपाल। ईंधन और खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों के बीच मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने राच्य सरकार से कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग की है। संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने प्रदेश के7.50 लाख कार्यरत एवं 4.50 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 58 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी करने की मांग करते हुए कहा कि जहां केंद्र सरकार ने जनवरी 2026 से अपने कर्मचारियों को और मध्य प्रदेश सरकार ने 850 अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को केंद्रीय दर से 2 प्रतिशत भत्ता दे दिया है, वहीं राच्य कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

नई रेल लाइन का रेल सेफ्टी कमिश्नर 12 को करेंगे निरीक्षण

नगर संवाददाता, भोपाल। रामगंजमंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत निर्मित श्यामपुर-कुरावर रेलखंड के कमीशनिंग कार्य के लिए रेल संरक्षा आयुक्त, मुंबई द्वारा 12 जून को विशेष निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक श्यामपुर-कुरावर रेलखंड पर विभिन्न संरक्षा एवं तकनीकी मानकों का परीक्षण किया जाएगा। इस दौरान उक्त रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन तीव्र गति से संचालित किया जाएगा। रेल प्रशासन द्वारा आमजन, विशेषकर खिलचीपुर-राजगढ़ रेलखंड एवं इसके आसपास स्थित ग्रामों एवं बस्तियों के निवासियों से अपील की गई है कि वे रेलवे ट्रैक, पुलों, समपार फाटकों तथा अन्य रेल परिसंपत्तियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी स्थिति में रेलवे ट्रैक पर न जाएं। साथ ही अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि बच्चों को रेलवे लाइन के निकट खेलने अथवा अनधिकृत रूप से ट्रैक पार करने से रोकें। रेलखंड पर परीक्षण के दौरान ट्रेनों की गति सामान्य से अधिक रहेगी, इसलिए सभी नागरिक अतिरिक्त सतर्कता एवं सावधानी बरतें। रेल प्रशासन का उद्देश्य नवीन रेलखंड पर सुरक्षित एवं निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करना है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 100 पौधों का रोपण

भोपाल। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वॉयरलैस कॉलोनी के न्यू कैंपस परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजधानी भोपाल से दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी के नेतृत्व में कॉलोनीवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 100 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर विधायक श्री सबनानी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पौधारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, बीजेपी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने पौधों की सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प भी लिया। पौधारोपण के दौरान विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से टैगोर मंडल प्रभारी राजकुमार विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया, मंडल महामंत्री संदीप तोमर, मंजू सराठे, शैलेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अपनी मांगों को लेकर आज सीएम हाउस का घेराव करेंगे संविदाकर्मी

नगर संवाददाता, भोपाल। नियमितीकरण, स्वास्थ्य बीमा, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि लागू करने, नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता देने सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे संवदिा स्वास्थ्य कर्मचारी सोमवार को पैदल मार्च निकाल कर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत प्रदेश के 32 हजार से अधिक संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का आंदोलन 25 मई से लगातार जारी है। प्रदेशभर में कर्मचारी कामकाज बंद कर अपनी मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर रहे है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र भदौरिया ने बताया कि कर्मचारी लंबे समय से लंबित मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। सरकार स्तर पर कई बार आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी कारण कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया है। सोमवार को प्रदेशभर के जिलों से बड़ी संख्या में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी राजधानी भोपाल पहुंच कर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

हमीदिया में फायरिंग का आरोपी शादाब 10 तक पुलिस रिमांड पर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हमीदिया अस्पताल की इमरजेंसी में लल्लू रईस पर गोली चलाने के मामले में आरोपी शादाब गेट को कोर्ट ने 10 तारीख तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। शादाब पहले से ही महाराष्ट्र के जलगांव जेल में बंद था, जिसे भोपाल पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर यहां लेकर आई है। पुलिस के मुताबिक, इस वारदात में शामिल शादाब के अन्य साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अब मुख्य आरोपी से पूछताछ कर घटना की साजिश, हथियार की व्यवस्था और हमले के पीछे की वजह खंगाली जा रही है। गौरतलब है कि आरोपी ने अस्पताल परिसर में घुसकर फायरिंग की थी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान और भी अहम खुलासे हो सकते हैं।

चार जल परियोजनाओं के बाद भी कई कॉलोनियों में बोरवेल का पानी सप्लाई

नए भोपाल की 150 कॉलोनियों सहित शहर के कई क्षेत्रों में आज भी नहीं पहुंच सकी निगम की पाइपलाइन

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में लोगों तक पानी की सप्लाई करने के लिए भले ही नगर निगम द्वारा चार परियोजनाएं संचालित की जा रही हों, लेकिन शहर के कई क्षेत्रों में आज भी लोगों के घरों तक बोरवेल का ही पानी सप्लाई किया जा रहा है। जिसके कारण गर्मी के मौसम में हर साल लोगों को जलसंकट से जूझना पड़ता है। इन कालोनियों में रहने वाले लोगों ने कई बार अधिकारियों से शिकायत कर कनेक्शन देने की गुहार लगाई, लेकिन किसी न किसी नियम के कारण पेयजल सप्लाई शुरू नहीं हो सकी। इसके अलावा कुछ कालोनियों में पानी की सप्लाई तो शुरू हो गई है, लेकिन रहवासियों को मांग के अनुसार पानी नहीं दिया जाता है। नतीजतन लोगों को अपने खर्चे पर पानी का इंतजाम करना होता है। बता दें कि नए भोपाल की 150 से ज्यादा कालोनियां और लालघाटी एयरपोर्ट रोड स्थित कई कालोनियां भी नगर निगम द्वारा पेयजल कनेक्शन दिए जाने का इंतजार कर रही हैं। करोंद इलाके में भी कई कालोनियों में आज भी बिल्डर्स ही पानी पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे में लोगों को निजी डेवलपर्स से महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ता है और कई बार बिल्डर्स लोगों से उगाही करने के चलते उन्हें पानी नहीं देते हैं। नतीजतन लोग गर्मी में बूंद बूंद पानी के लिए तरस जाते हैं।

कॉलोनियों में पानी की यह है स्थिति

होशंगाबाद रोड स्थित श्रीराम कॉलोनी और स्नेह नगर कालोनी में रोजाना डेढ़ लाख लीटर की खपत है, लेकिन श्रीराम कॉलोनी और स्नेह नगर में केवल 5 से 10 हजार लीटर पानी ही मिल पा रहा है। बाकी की जरूरतें बोरवेल के पानी से पूरी हो रही हैं।

होशंगाबाद रोड की न्यू कालोनी वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़ी 150 कालोनियों में भी यही स्थिति है। वार्ड 85 में 2018 में नर्मदा जल की लाइन तो बिछ गई, पानी सप्लाई के लिए टंकी का निर्माण भी हो गया। लेकिन पानी की सप्लाई आज तक शुरू नहीं हो सकी। कुछ कालोनियों में लोग बल्क कनेक्शन के महंगे दाम के कारण कनेक्शन नहीं ले पा रहे हैं। एयरपोर्ट रोड स्थित कुछ कालोनियों में सप्लाई पानी की सप्लाई बिल्डर कर रहे हैं। वे इन्हें रहवासी समितियों के हवाले नहीं कर रहे हैं। अयोध्या बायपास स्थित कोरल कासा और मेट्रो भविष्य सिटी में भी पानी सप्लाई का काम बिल्डर कर रहे हैं। भौरी, भैंसाखेड़ी, रापड़िया, दीपड़ी व मक्सी में भी लोगों को पानी के कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। लोग हैंडपंप सहित पानी के अन्य संसाधनों पर निर्भर हैं। वार्ड 85 की इंडस टाउन, नटराज कॉलोनी, हरिगंगा नगर, अनुजा विलेज, सावन एंड शिवाय पेयजल कनेक्शन के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। वार्ड 27 कोटरा सुल्तानबाद की आकृति गार्डन और अन्य कालोनी के लोग भी पेयजल कनेक्शन चाहते हैं।

"न्यू कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन से करीब 150 से ज्यादा कॉलोनियां जुड़ी हुई हैं, लेकिन अब तक कॉलोनियों तक नर्मदा जल नहीं पहुंचा है। होशंगाबाद रोड की 6 कॉलोनियों तक ही नर्मदा जल की सप्लाई सिमट गई है।

सुनील उपाध्याय, अध्यक्ष (एनसीडब्ल्यूए)

शहर में पर्याप्त मात्रा में पानी की सप्लाई की जा रही है। जो भी लोग कनेक्शन के आवेदन कर रहे हैं, उन्हें आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होते ही कनेक्शन दिए जा रहे हैं। कनेक्शन में पूरी तरह से पारदर्शिता है। जैसे जैसे पानी की मांग बढ़ेगी, वैसे वैसे पर्याप्त सप्लाई के इंतजाम किए जाते रहेंगे।

उदित गर्ग, अधीक्षण यंत्री जलकार्य विभाग

अदनान उर्फ पिस्टल को क्राइम ब्रांच ने दबोचा, 4 पिस्टल व कारतूस बरामद

आधा दर्जन मामलों में था फरार, 15 हजार का ईनाम था घोषित

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। क्राइम ब्रांच आधा दर्जन मामलों में फरार चल रहे 15 हजार रुपए के ईनामी बदमाश अदनान बेग उर्फ पिस्टल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 4 पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने उसके साथी को भी दबोचा है। उसके खिलाफ जिला बदर कार्रवाई की गई थी। उसका भी उसने उल्लंघन किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने शनिवार को गोविंदपुरा इलाके में स्थित हेमा पब्लिक स्कूल चौराहा स्थित रंगमंच के पीछे दबिश दी थी। यहां से टीम को दो संदिग्ध युवक मिले। उनकी पहचान अदनान बेग उर्फ पिस्टल (25) निवासी जहांगीराबाद और रंजीत सिंह दांगी (35) निवासी जिला सीहोर के रूप में हुई। तलाशी लेने पर दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक देशी पिस्टल एवं दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपियों से हथियार रखने संबंधी वैध लाइसेंस मांगा, जो वे प्रस्तुत नहीं कर पाए। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 4 देशी पिस्टल, रिवालवर, 4 जिंदा कारतूस एवं 3 मोबाइल फोन जब्त किए गए। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया।

आपराधिक नेटवर्क और अवैध हथियारों के स्त्रोत की पूछताछ

जांच में सामने आया कि आरोपी अदनान पूर्व से कई आपराधिक प्रकरणों में वांछित एवं फरार चल रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट भी जारी था। उसे 6 माह के लिए जिला बदर किया गया था। आरोपी ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन किया। इस पर उसके खिलाफ धारा 14 मध्यप्रदेश राच्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के अंतर्गत अलग से अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी अदनान के आपराधिक नेटवर्क, अवैध हथियारों के स्त्रोत तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर रही है।

प्री मानसून ने फुल किया कोटा, औसत से 65% अधिक वर्षा

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल मानसून की दस्तक से पहले ही मौसम के मिजाज में बड़ा फेरबदल देखने को मिल रहा है। जून महीने के पहले सप्ताह (1 से 7 जून) के भीतर राज्य में हुई बारिश ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस सात दिनों की अवधि में पूरे मध्य प्रदेश में औसत से 65 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, इस भारी बारिश का वितरण पूरे राच्य में एक समान नहीं है। जहां एक तरफ पश्चिमी मध्य प्रदेश पानी से सराबोर है, वहीं दूसरी तरफ पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में मानसून पूर्व की बारिश का सूखा बना हुआ है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 146 प्रतिशत ज्यादा पानी गिरा मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार अरब सागर से आ रही नमी और स्थानीय स्तर पर बने चक्रवातीय घेरे (सर्कुलेशन) का सबसे ज्यादा असर पश्चिमी मध्य प्रदेश पर पड़ा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 1 से 7 जून के बीच पश्चिमी मप्र (जिसमें इंदौर, उच्जैन, भोपाल और ग्वालियर-चंबल संभाग के कई हिस्से शामिल हैं) में सामान्य से 146 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। अचानक हुई इस तेज बारिश और तेज हवाओं के कारण कई शहरों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से बड़ी राहत मिली है। मालवा और निमाड़ अंचल के कई जिलों में तो जून के पहले ही हफ्ते में नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। इस बेमौसम और प्री-मानसून बारिश ने जहां आम लोगों को चिलचिलाती धूप से सुकून दिया है, वहीं किसानों के लिए यह मिश्रित संकेत लेकर आई है। जो किसान खरीफ की फसल (सोयाबीन, मक्का) के लिए खेतों को तैयार कर रहे थे, उन्हें इस बारिश से जुताई में आसानी होगी, लेकिन कटी हुई फसलों या खुले में रखे अनाज को इससे नुकसान भी पहुंचा है।

पूर्वी मध्य प्रदेश में 40 प्रतिशत कम वर्षा

पश्चिमी मप्र में जहां झमाझम बारिश का दौर जारी है, वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश (जिसमें जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिले आते हैं) में स्थिति बिल्कुल उलट है। महाकौशल और बुंदेलखंड के इस हिस्से में जून के पहले सप्ताह में उम्मीद के मुताबिक बादल नहीं बरसे हैं। आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी मप्र में इस अवधि के दौरान होने वाली सामान्य बारिश के मुकाबले 40 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। इस क्षेत्र के कई जिलों में अभी भी तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है और लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से उठने वाली मानसूनी हवाओं के कमजोर होने और किसी मजबूत सिस्टम के न बनने के कारण पूर्वी हिस्से में अभी तक अच्छी बारिश की शुरुआत नहीं हो सकी है। यहां के किसानों को अब भी अपनी फसलों की बोवनी और खेतों की तैयारी के लिए मानसूनी बादलों का बेसब्री से इंतजार है।

क्यों दिख रहा है मौसम में यह बड़ा अंतर

जून के शुरुआत में राजस्थान और उससे सटे पश्चिमी मध्य प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवात सक्रिय था। साथ ही, अरब सागर से लगातार आ रही नमी ने पश्चिमी जिलों में बादलों को तेजी से घना किया, जिससे वहां मूसलाधार बारिश हुई।

12 राज्यों तक पहुंचा मानसून मध्य भारत में आंधी का कहर

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रविवार को त्रिपुरा, नगालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में दस्तक दे दी, जिसके साथ ही यह देश के 12 राज्यों तक पहुंच चुका है। वहीं महाराष्ट्र में मानसून दक्षिण कोंकण क्षेत्र तक पहुंचा है और मौसम विभाग ने सिंधुदुर्ग तथा रत्नागिरी में 9 जून तक भारी बारिश की संभावना जताई है। केरल, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु के कई हिस्सों में लगातार तेज बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में मानसूनी गतिविधियों के बावजूद गर्मी का असर बरकरार है।

अगले दो दिनों में मौसम का हाल

- केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है।
- ओडिशा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है।
- राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

एम्स में 21 तक योग के कार्यक्रम

नगर संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल के आयुष विभाग ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 21 जून तक योग गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की है। इसका शुभारंभ कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के सामूहिक अभ्यास के साथ किया गया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और संस्थान के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकों का अभ्यास कराया गया। योग सत्र का संचालन चिकित्सा अधिकारी (योग) डॉ. मुद्दा सोफिया और योग प्रशिक्षक डॉ. विजयता जैन ने किया। विशेषज्ञों ने योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ बताते हुए नियमित अभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम आयुष मंत्रालय की 360 डिग्री योग पहल और इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है। आयुष विभाग के अनुसार 21 जून तक योग कार्यशालाएं, जागरूकता अभियान, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और सामूहिक योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन कार्यक्रम का समापन सामूहिक ध्यान सत्र और योग संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया।

जामुन तोड़ते समय पेड़ से गिरा युवक, मौत

जागरण, भोपाल। टीटीनगर थाना क्षेत्र में जामुन तोड़ते समय पेड़ से गिरने से युवक की मौत हो गई। वह अपने घर के सामने लगे जामुन के पेड़ पर जामुन तोड़ने के लिए चढ़ा था। घटना रविवार दोपहर की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 38 वर्षीय प्रकाश अहिरवार पिता रूपलाल सुनहरी बाग में रहता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। वह शराब के नशे का आदी था। रविवार दोपहर को वह घर के पास स्थित जामुन पेड़ पर चढ़ा था। जिसे तोड़ने के दौरान अचानक से उसका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने से वह सीधे जमीन पर गिर गया। गिरने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिजन उसे तुरंत जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। गंभीर हालत होने पर उसे हमीदिया रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। सोमवार को शव का पीएम करवाया जाएगा।

'संडे ऑन साइकिल' फिटनेस का दिया संदेश

भोपाल। रविवार सुबह राजधानी की सड़कों पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुए 'संडे ऑन साइकिल' अभियान में हजारों फिटनेस प्रेमियों ने हिस्सा लेकर शहर को फिटनेस का संदेश दिया। विश्व साइकिल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने फ्लैग ऑफ कर किया। साईं और खेल विभाग के तत्वावधान में आयोजित अभियान को वृहद रूप दिया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ी, युवा, महिलाएं और आम नागरिक शामिल हुए। सुबह की ताजी हवा के बीच साइकिलों की कतारें सड़कों पर फिट इंडिया का संदेश देती नजर आईं। मंत्री विश्वास सारंग खुद भी साइकिल चलाते हुए टीटी नगर स्टेडियम से लिंक रोड, रोशनपुरा होते हुए आगे बढ़े। इस दौरान उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में फिटनेस को शामिल करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

कमर्शियल सिलेंडर के बढ़ते दाम से होटल-रेस्टोरेंट में महंगा हुआ खाना

जागरण संवाददाता, भोपाल। मार्च माह से जारी एलपीजी संकट के कारण बढ़ रही महंगाई का असर अब भोजन की थाली और घर पर भी दिखाई देने लगा है। एक जून को कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 44 रुपए की बढ़ोत्तरी करने के बाद अब घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम भी 29 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। जिसके कारण 31 मई तक 3074 रुपए में मिलने वाला कमर्शियल सिलेंडर 1 जून से 3116.50 रुपए का हो गया है। वहीं 918.50 रुपए में मिलने वाला घरेलू रसोई गैस सिलेंडर अब 947.50 रुपए का मिलने लगा है। सिलेंडर के दाम बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट में भोजन व नाश्ते की प्लेट 15 प्रतिशत तक महंगी हो गई है। पहले जो पोहा, समोसा और कचौड़ी प्रति नग 10 से 12 रुपए में मिलते थे, वे अब 15 से 20 रुपए के हो गए हैं। 140-160 रुपए में मिलने वाली सामान्य भोजन की थाली अब 180 से 200 रुपए तक पहुंच गई है। घरों में भी अब खाना बनाना महंगा पड़ रहा है। यदि एक परिवार साल में 12 सिलेंडर इस्तेमाल करता है, तो उसे 29 रुपए प्रति सिलेंडर के हिसाब से अब 348 रुपए का अतिरिक्त बोझ उठाना होगा। मामले में भोपाल गैस एजेंसी डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आरके गुप्ता का कहना है कि कंपनियों ने दाम जरूर बढ़ाए हैं, लेकिन शहर में सिलेंडरों के लिए मारामारी नहीं है। बुकिंग के बाद समय पर होम डिलीवरी की जा रही है।

आयोजन सिद्ध चक्र महामंडल विधान के आखिरी दिन भगवान जिनेंद्र की निकली शोभायात्रा

संयम ही भारत की असली संपदा: संभव सागर

भोपाल। आठ दिन तक भक्ति, तप और संयम में डूबे श्रद्धालुओं की साधना का रविवार को भव्य समापन हुआ। श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के आखिरी दिन विश्व शांति महायज्ञ के साथ भगवान जिनेंद्र की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। केसरिया ध्वज, जयकारों की गूंज और भक्ति से सराबोर माहौल ने पूरे शहर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। शोभायात्रा में सजी भगवान जिनेंद्र की रजतमय पालकी श्रद्धा का केंद्र बनी रही। मार्गभर श्रद्धालु श्रीफल अर्पित करते नजर आए और सुख-समृद्धि की कामना करते रहे। समाज प्रवक्ता अंशुल जैन के मुताबिक, आठ दिवसीय आयोजन में अभिषेक, जाप और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने मंडल की परिक्रमा कर अपने जीवन में सुख और शांति की प्रार्थना की। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने व्रत और उपवास रखकर भौतिक सुख-सुविधाओं से दूरी बनाई और पूरे आठ दिन आराधना में लीन रहे। मुनि संभव सागर महाराज ने कहा कि संयम भारत की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पर्यावरण संरक्षण और जीवदया के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। अविनाश भैया के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सो धर्म इंद्र, प्रियंका, महेंद्र, श्रीपाल, मेना सुंदरी, ऋषभ, मंजू, कुबेर, आशा, विजेंद्र सहित अन्य पात्रों ने मंडल पर अर्घ्य अर्पित किए।

जेके रोड के पास नाले में बहता मिला नवजात शिशु का शव, मचा हड़कंप

पीएम रिपोर्ट आने के बाद होगा कारणों का खुलासा

जागरण, भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित जेके रोड के पास नाले में नवजात का शव मिलने से हड़कंप मच गया। रविवार सुबह 10 बजे राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम करवा कर उसका अंतिम संस्कार करवा दिया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 10 बजे नगर निगम के सफाई कर्मचारी काली राम ने पुलिस को सूचना दी कि जेके पुल में नाले में नवजात शिशु का शव बहता हुआ दिखाई दिया है। सूचना पर मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो नवजात का शव पानी में उतराता मिला। जो एक लड़के का शव है। वह करीब 9 महीने का नवजात शिशु बताया जा रहा है। जिसे पुलिस ने बरामद कर पीएम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक शव रविवार या शनिवार का है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने मृत पैदा होने पर उसे जेके पुल के नीचे जाकर पानी में रख दिया होगा। फिलहाल पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही कारणों का खुलासा हो पाएगा। आसपास इलाके में सीसीटीवी फुटेज नहीं लगे होने के कारण पुलिस नजदीकी अस्पतालों से घटना के बारे में पूछताछ कर रही है।

दो युवकों ने फांसी लगाकर दी जान

जागरण, भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक के पास सुसाइड नोट नहीं मिलने आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय विनोद गुप्ता पिता लल्लू औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा में रहता था। वह वेल्डिंग का काम करता था। वह शराब पीने का आदी था। शनिवार सुबह साढ़े पांच वह अपने कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों ने जब उसे फांसी के फंदे पर लटका देखा तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इधर, बिलखिरिया थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय ओम प्रकाश बांसिया में रहता था। वह गैस एजेंसी में काम करता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। शनिवार को कटारा हिल्स निवासी उसके बड़े भाई के घर का उद्घाटन था। इस दौरान उसका परिवार वहां गया था। शाम को 7 बजे जब वे वापस लौटे तो उन्होंने ओम प्रकाश को फांसी के फंदे पर लटका देखा।

इटहा में कांग्रेसजनों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

आंचलिक डेस्क। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन एवं जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शमा तथा संगठन महासचिव रवि तिवारी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा ग्राम पंचायत इटहा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आम, नींबू, बरगद एवं नीम के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के

महामंत्री राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, मंडलम अध्यक्ष मनकहरी रावेंद्र कुमार तिवारी, ब्लॉक सचिव शैलेन्द्र सिंह बघेल, सेक्टर अध्यक्ष अरुणेश मिश्रा आचार्य जी, सरपंच इटहा भगवान दीना साकेत, फुलेल सिंह, राजमोहन सिंह, लालजी सिंह, फालगो सिंह, रामेश साकेत, लाखन सिंह, भूरे आदिवासी, मोहन आदिवासी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो हम जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जल संकट जैसी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं। वृक्ष पृथ्वी का आभूषण ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए गए फलदार पौधे

सिरमौर, नि.प्र.। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा एवं महा सचिव रवि तिवारी के मार्गदर्शन तथा नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय के नेतृत्व में नगर स्थित सोनिया तालाब की मेड़ पर आमों के पौधे लगाकर विश्व पर्यावरण को स्वच्छ, एवं शुद्ध बनाने में पार्टी द्वारा सार्थक योगदान दिया गया।

उक्त अवसर पर बृजेश पाण्डेय ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में सरकार ही नहीं बल्कि आम आदमी की भागीदारी होनी चाहिए। सरकार द्वारा किए गए पौधरोपण सुरक्षा एवं सिंचाई के अभाव में दो दिन बाद सूख जाते हैं। किन्तु आम आदमी द्वारा लगाए गए पेड़ों की सुरक्षा भी होती है और सिंचाई भी, इसलिए आम आदमी को पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आना चाहिए। पेड़ पौधे सभी को निःशुल्क प्राण वायु देते हैं। हमारे द्वारा प्रदूषित किए गए पर्यावरण को शुद्ध करते रहते हैं। अपनी ही भलाई के लिए हमे पौधरोपण करना चाहिए। न केवल पौधरोपण करना चाहिए बल्कि जब तक वे अपनी सुरक्षा स्वयं न कर सके तब तक उनकी सुरक्षा और सिंचाई भी हमारा कर्तव्य है।

ये रहे मौजूद

उक्त अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी तथा सभी पन्द्रह वार्डों के अध्यक्ष एवं उनकी कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एड गणेश प्रसाद पाण्डेय, प्रदीप, अमृतांश, लक्ष्मण कुशवाहा, कमलेश कुशवाहा, लल्लू लोधी, केशव तिवारी, सतीश चौबे, आशीष पाण्डेय, संतोष सिंह, सुशील पाण्डेय,राम सूरत द्विवेदी, राम नरेश सेन, रमेश रजक,राम दयाल सेन, रज्जब खान, अनिल द्विवेदी, सोमिल गुप्ता, सज्जन सेन, दिलदार कोल, जितेन्द्र गुप्ता, राकेश पाण्डेय ,राम करण मिश्रा, पाण्डेय, राहुल शुक्ला, रवि गुप्ता, सतीश चतुर्वेदी, अमर साकेत, नत्थू लाल सेन, पार्षद अनीता पाण्डेय, प्रभा पाण्डेय, पार्वती पाण्डेय, सुभद्रा पाण्डेय, स्वाति पाण्डेय, शिखा पाण्डेय, निक्की पाण्डेय, लालू पाण्डेय, राहुल पाण्डेय, नागेश्वर पाण्डेय, पंच नाथ द्विवेदी, प्रवीण राज कुशवाहा, राम संजीवन कहार, राम लौटन साकेत, लकी द्विवेदी, राम मणि मिश्रा आदि ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बृजेश पाण्डेय ने अपने घर मे भी हर सिंगार, नींबू तथा सुगंधित फूलों के पेड़ रोपे।

पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह के सम्मान में उमड़ा जन सैलाब

आंचलिक डेस्क। सेना में नायब सूबेदार पद से सेवानिवृत्त सेमरिया तहसील के ग्राम झलवार निवासी पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह के सम्मान में ग्राम वासियों ने एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। शासकीय विद्यालय प्रांगण झलवार में आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव किसान नेता शिव सिंह रहे तथा अध्यक्षता विंध्य पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कैप्टन एस डी गुप्ता ने की तथा विशिष्ट अतिथि की हैसियत से पूर्व विधान सभा प्रत्याशी पंकज सिंह पटेल किसान नेता कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू एवं किसान नेता प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल उपस्थित रहे। आयोजक गणों ने बताया कि पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह फौज से सेवानिवृत होने के बाद जैसे ही अपने गांव झलवार आए वैसे ही उनका ध्यान गांव की प्रमुख समस्याओं पर गया और उन्होंने अपने निजी धन से गांव के मुख्य मार्ग में

सैनिक यात्री प्रतीक्षालय एवं माता तेजवती प्याऊ वाटर कूलर तथा विद्यालय में स्थापित सरदार पटेल प्रतिमा के उपलक्ष में सरदार पटेल द्वार का निर्माण कराया साथ ही शासकीय स्कूल झलवार के बोर्ड परीक्षार्थियों को सेमरिया परीक्षा केंद्र तक के लिए निजी वाहन की व्यवस्था तथा परीक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को 5 हज़ार रुपए का पुरस्कार दिया। सम्मान समारोह के पूर्व कार्यक्रम के अध्यक्ष कैप्टन एस डी गुप्ता एवं मुख्य अतिथि किसान नेता शिव सिंह ने नवनिर्मित सरदार पटेल द्वार का लोकार्पण किया तथा सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। मुख्य अतिथि किसान नेता शिव सिंह ने पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि सरकारों एवं जनप्रतिनिधियों को अपने सेना के जवान से सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष कैप्टन एस डी गुप्ता ने कहा कि अपने जांबाज सैनिक को सैल्यूट करता हूं जिन्होंने सेवा भावना की एक मिसाल कायम की है। अन्य अतिथियों ने भी पूर्व सैनिक के सम्मान में अपने विचार साझा किए।

पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह का परिचय

पूर्व सैनिक चक्रधर सिंह प्राथमिक शिक्षा झलवार से ही ग्रहण कर सन 1997 में सेना में शामिल हुए। सन 2000 में जम्मू कश्मीर में उग्रवादियों से मुठभेड़ में तीन उग्रवादियों को मारने के बाद खुद घायल हो गए जिन्हें आर्मी मेडिकल बोर्ड ने 60 फ़ीसदी विकलांग घोषित कर दिया उन्हें सन 2001 में सम्मानित भी किया गया तथा सन 2008 में संयुक्त राष्ट्र की सेना में शामिल होने उन्हें विदेश भेजा गया जहां उन्हें यूनाइटेड नेशन मेडल से भी सम्मानित किया गया। और सन 2023 में नायब सूबेदार पद से सेवानिवृत होने के बाद आज सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित उनका जीवन हम सबके लिए एक उदाहरण बना हुआ है। वह वर्तमान में विंध्य पूर्व सैनिक संगठन इकाई सेमरिया के उपाध्यक्ष भी हैं। संचालन एडवोकेट बंशपति सिंह ने किया।

सम्मान समारोह में यह रहे उपस्थित

पूर्व सैनिक की पत्नी ज्ञानवती देवी सहित बाल्मीक विश्वकर्मा किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह एड रविंद्र सिंह उप सरपंच इंद्रपाल सिंह सीताराम सिंह पूर्व सरपंच शिव संपत तिवारी दिनेश पटेल प्रिंसिपल पूर्व सैनिक जगन्नाथ सिंह प्रवीण कुमार शुक्ला फौजी यदुवंश प्रताप सिंह अशोक कुमार सिंह अनिल मिश्रा भरत कुशवाहा राजेश पटेल अनुसुइया प्रसाद त्रिपाठी दशरथ प्रसाद शर्मा अमोद सिंह सूर्यबली सिंह शेषमणि सिंह हीरा सिंह छोटेलाल मुखिया कालिका साकेत राकेश सिंह रामभान सिंह अंजनी सिंह आदर्श त्रिपाठी राजेश सिंह तेजभान सिंह सोमवती गुप्ता राधा गुप्ता अमर सिंह सुरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन महिला पुरुष उपस्थित रहे।

मड़फहानाथ मंदिर परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोविन्दगढ़ द्वारा रविवार को मडफहानाथ मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया तथा लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। पौधरोपण कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोविन्दगढ़ के अध्यक्ष रामनरेश यादव के नेतृत्व में महामंत्री नारायण पयासी, अनिल शुक्ला, ग्रामीण जिला महामंत्री सुखसागर प्रसाद शुक्ला, रामानुज यादव, सीताराम यादव,नजीर खान, रमेश यादव, टीकर मंडलम के जितेंद्र मिश्रा, राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरुकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में हरियाली बढ़ाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

समर कूल कंपनी के सीईओ ने सोनू एजेंसी को किया सम्मानित

हनुमना के व्यवसायी को रीवा में मिला सम्मान

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के नगर हनुमना निवासी सोनू गुप्ता जो उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बीच में बसे हनुमना के निवासी सोनू गुप्ता (सोनू एजेंसी) कई जिलों में थोक एवं फुटकर में उनका व्यापार अच्छे व्यवहार और उचित मूल्य के कारण अग्रसर हो रहा है। इसी तारतम्य में समर कूल कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेश बत्रा एवं वीरेंद्र चौबे के द्वारा बीते शुक्रवार 04 जून को सोनू गुप्ता का रीवा निवास में सम्मानित किया गया। इस सम्मान पर हनुमना नगर के व्यापारियों के साथ सामाजिक लोगों ने खुशी जाहिर की है कि हमारे नगर का एक छोटा व्यापारी

आज जिले में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए हैं जिसमें सुशील गुप्ता शाहपुर वाले, शंकर लाल गुप्ता, श्याम गुप्ता, निलेश केसरी(बच्चा, यीशु तोमर, श्याम जी कॉस्मेटिक हनुमना, अनिल चौधरी, निखिल केसरी, पंकज गुप्ता, सेवानिवृत्ति रामकृष्ण शिक्षक, विदुर गुप्ता, सोनू मेडिकल हाउस, पत्रकार अनसूया सोनी, गिरधारी गुप्ता किराना वाले एजेंट लक्ष्मण दास गुप्ता, नगर पुरोहित श्रीनाथ मिश्रा, प्रकाश हार्डवेयर, बच्चा मिठाई वाले, पुनीत मिठाई वाले, समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, लवकुश गुप्ता, रोहित रितेश केसरी गुप्ता, पवन मोबाइल सेंटर, राजश्री एजेंसी संचालक भरत लाल गुप्ता, अमरेश गुप्ता(दद्दू) साइ राम गुप्ता, विवेक ऑनलाइन, विपिन मोबाइल सेंटर आदि नगर के व्यापारी सामाजिक लोगों ने खुशी जाहिर की है।

फिट इंडिया अभियान : संडे ऑन साइकिल का ग्राम पंचायतों में हुआ आयोजन

जवा ब्यूरो । जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार फिट इंडिया अभियान अंतर्गत संडे आन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत जवा की समस्त 80 ग्राम पंचायतों में उत्साहपूर्वक किया गया। अभियान का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं, छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। रैलियां ग्राम पंचायतों के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गईं तथा प्रतिभागियों द्वारा स्वास्थ्य, फिटनेस, स्वच्छ पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। युवाओं ने साइकिल के

उपयोग को बढ़ावा देते हुए प्रदूषण नियंत्रण तथा ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। अभियान का मुख्य कार्यक्रम जनपद पंचायत जवा मुख्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा सुलाब सिंह पूशाम के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित पाण्डेय सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, जनपद पंचायत जवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पूशाम ने कहा कि संडे आन साइकिल अभियान स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। साइकिल चलाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से साइकिल चलाने तथा समाज में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरुकता फैलाने का आह्वान किया। ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम के सफल आयोजन में सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सहयोग से साइकिल रैलियों का सफल संचालन हुआ तथा ग्रामीणों को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक किया गया। जनपद पंचायत जवा द्वारा आयोजित यह व्यापक अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, फिटनेस एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक जनजागरण का माध्यम बना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता ने अभियान को सफल एवं प्रभावी बनाया।

कर्मचारियों की मनमानी, समय पर नहीं पहुंच रहे कार्यालय

त्योंथर ब्यूरो। जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर कृषि उपज मंडी चाकघाट में पदस्थ कर्मचारियों पर मनमानी के आरोप लगे है। संवाददाता को स्थानीय लोगों ने बताया गया कि मंडी सचिव सहित कई कर्मचारी तहसील मुख्यालय से बाहर निवास करते हैं। जबकी कलेक्टर रीवा द्वारा समय-समय पर कर्मचारियों को यह निर्देशित किया जाता रहा है कि मुख्यालय से बाहर कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति नहीं जाएगा। समय पर कार्यालय पहुंचने और मुख्यालय में रहने को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। शिकायतों के अनुसार कई कर्मचारी नियमों के विपरीत वर्षों से गृह ग्राम में ही सेवा दे रहे हैं। स्थानीय एवं पदस्थ कई कर्मचारियों पर अनाजों के अवैध परिवहन व अवैध गतिविधियों में संलिप्त रहने के आरोप हैं। बताया गया कि ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज कराई जा रही है लेकिन इसमें भी भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। बताया गया कि ऑनलाइन उपस्थिति के बाद कर्मचारी मनमौजी हो जाते हैं। मंडी के व्यवस्थाओं को लेकर कर्मचारी और अधिकारी दोनों ही पर गंभीर लापरवाही के आरोप है। इसके साथ ही शासकीय राशि के दुरुपयोग की भी शिकायतें सामने आ रही हैं।

सीसीटीवी फुटेज जांच की मांग

संवाददाता को बताया गया कि कृषि उपज मंडी में कर्मचारियों के मनमानी एवं चल रहे गड़बड़ियों की जांच परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज से किया जा सकता है। बताया गया कि मंडी में पदस्थ कर्मचारियों को शासन द्वारा भले ही प्रतिमाह एक मोटी रकम वेतन के रूप में दी जाती है लेकिन उनकी मानसिकता मंडी के गिरते ग्रेड स्तर से ही लगाया जा सकता है।

क्षेत्र के अन्य कार्यालयों का भी हाल-बेहाल

कर्मचारियों की मनमौजी और अव्यवस्था इसी प्रकार से, पशु चिकित्सालय चाकघाट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाकघाट, वन विभाग सहित जनपद क्षेत्र अंतर्गत के विभिन्न कार्यालयों में भी बना हुआ है। आम नागरिक कार्यालय में फैली अव्यवस्थाओं से त्रस्त हो चुका हैं। जिसकी सत्यता वरिष्ठ अधिकारियों के आकस्मिक निरीक्षण से ही सामने आ सकता है।

भव्य सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

गणेश धाम बराव में हुआ आयोजन

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना तहसील अंतर्गत गणेश धाम बराव में मऊगंज विधानसभा के पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी के सानिध्य में आयोजित भव्य सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चौरासी क्षेत्र सहित दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमान जी की आराधना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सुंदरकांड पाठ के उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम प्रभारी इंद्रमणि प्रसाद द्विवेदी (मुन्ना) झरी, पूर्व जनपद सदस्य, सरपंच एवं सोसाइटी अध्यक्ष ने पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी के जनसेवा, विकास एवं धार्मिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण तिवारी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव क्षेत्र के विकास, आमजन की समस्याओं के समाधान तथा धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में लक्ष्मण तिवारी ने सड़क, शिक्षा, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए, जिसके कारण आज भी क्षेत्र की जनता उनके प्रति विशेष सम्मान और विश्वास रखती है। इंद्रमणि प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए लक्ष्मण तिवारी एवं समस्त आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुंदरकांड पाठ जैसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और हनुमान जी के आदर्श हमें सेवा, त्याग, समर्पण और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने क्षेत्र के विकास, सामाजिक सौहार्द एवं जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया तथा सभी से आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना बनाए रखने का आग्रह किया।इसके पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम के आयोजक कृष्ण गोपाल तिवारी (पप्पू) एवं कार्यक्रम प्रभारी इंद्रमणि प्रसाद द्विवेदी (मुन्ना) झरी सहित समस्त आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा के 126वें शहादत दिवस का आयोजन उमरिहा में कल

दुआरी, नि.प्र.। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक एवं जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुण्डा का 126वां शहादत दिवस 09 जून 2026, मंगलवार को ग्राम उमरिहा, तहसील गुढ़, जिला रीवा में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, युवा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल होकर महान शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामसुंदर कोल, पूर्व प्राचार्य दुआरी रहेंगे। आयोजन समिति ने समस्त क्षेत्रीय नागरिकों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं एवं भाई-बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। अपने संक्षिप्त संदेश में आयोजकों ने कहा कि अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान भारतीय इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में सदैव अमर रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति, संघर्ष तथा स्वाभिमान की प्रेरणा देता रहेगा। आयोजन समिति ने कहा कि शहादत दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि देश और समाज के लिए बलिदान देने वाले महानायक के आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर है। ऐसे महान क्रांतिकारी को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

राइस मिल के धुएं में घुट रही ग्रामीणों की सांसें, जिम्मेदार मौन

सोहागी, नि.प्र.। त्योंथर जनपद के बरेठी कला गांव में संचालित राइस मिल ग्रामीणों के लिए गंभीर संकट का कारण बनती जा रही है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि मिल से निकलने वाला धुआं और धूल न केवल पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन पर भी सीधा खतरा बन चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग और प्रशासन मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राइस मिल की चिमनी से निकलने वाला धुआं पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लेता है। धूल के गुबार घरों, आंगनों, खाद्य सामग्री और जल स्रोतों तक पहुंच रहे हैं। स्थिति ऐसी बन गई है कि लोगों को खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। गांव में श्वास संबंधी बीमारियों, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के मामले बढ़ने की बात ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है। वहीं ग्रामीण में बताया कि हर वर्ष ऐसी ही बीमारियों से मरने वालों की संख्या में बढोतरी हो रही है। हम लोग अपने ही घरों में घुट-घुट के जीने को मजबूर हो रहे हैं और स्थानीय प्रशासन हम लोगों की किसी प्रकार की मदद नहीं कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मिल के लोग आकर हम लोगों को डराते धमकाते हैं और जब भी हम अपने हक अधिकार की बात करते हैं तो हमें उनके द्वारा बोला जाता है कि तुम्हें जहां शिकायत करनी हो जो भी करना हो कर लो मेरा कुछ नहीं होने वाला है, तुम लोग की गनीमत इसी में है कि अपना बोरिया बिस्तर यहां से उठाकर के कहीं और चले जाओ। हाल ही में आई तेज आंधी के दौरान मिल परिसर की टीन चादरें उड़कर ग्रामीणों के घरों में जा गिरीं, जिससे कई परिवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा इंतजाम किए गए होते तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

मुल्लांपुर टेस्ट: भारत ने पहली पारी 564 रन पर घोषित की, अफगानिस्तान के 5 विकेट गिरे

डेब्यूटेंट मानव सुथार का कहर, टीम इंडिया ने टेस्ट मैच पर बनाई पकड़

मुल्लांपुर, जेएनएन। अफगानिस्तान के 5 विकेट गिर, भारत और अफगानिस्तान के बीच मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में दूसरे दिन का खेल खत्म हो चुका है। दूसरे दिन स्टम्प तक अफगानिस्तान का स्कोर पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 113 रन है। रहमत शाह 43 रन पर नॉटआउट हैं। पहली पारी के आधार पर अफगानी टीम अब भी 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से डेब्यूटेंट खिलाड़ी मानव सुथार ने तीन विकेट झटके हैं। मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल (126 रन) और केएल राहुल (100 रन) ने शतक जड़े। मुकाबले में कप्तान गिल ने टॉस जीता था और पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया था।

अफगानी टीम से उम्मीदें रहमत पर : अफगानिस्तान की पहली पारी में शुरुआत कुछ खास नहीं रही। अब्दुल मलिक सिर्फ 16 रन बनाकर चलते बने। उनका विकेट डेब्यूटेंट मानव सुथार ने झटका। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने एक बेहतरीन गेंद पर सेदिकुल्लाह अटल (17 रन) की गिल्लियां उड़ा दीं। फिर सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज (12 रन) को आउट कर अफगानिस्तान को बैकफुट पर ढकेला। अफगानिस्तान टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (20 रन) लय में दिख रहे थे, लेकिन वो बड़ी पारी नहीं खेल सके। शाहिदी को कृष्णा ने आउट किया। फिर दूसरे दिन स्टम्प से ठीक पहले मानव सुथार ने अफसर जजई (3 रन) को आउट कर अफगानिस्तान को पांचवां झटका दे दिया। अब अफगानी टीम की सारी उम्मीदें रहमत शाह पर टिकी हुई हैं।

सफी ने झटके सबसे ज्यादा 6 विकेट

शुभमन के बाद क्रीज पर उतरे ध्रुव जुरेल (19 रन) कुछ खास नहीं कर पाए और उन्हें सलीम सफी ने बोल्ड किया। मानव सुथार को मोहम्मद सलीम सफी ने चलता किया और अपना पंजा खोला। सफी ने फिर मोहम्मद सिराज को भी आउट किया, जिन्होंने 12 बॉल पर 22 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप 9 रनों पर नॉटआउट रहे। अफगानिस्तान की ओर से सफी ने सबसे ज्यादा 6 विकेट झटके।

पंत नहीं जड़ सके शतक

ऋषभ पंत के पास शतक जड़ने का सुनहरा मौका था, लेकिन वो कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलनी की कोशिश में लपके गए. ऋषभ ने 121 बॉल पर 81 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। डेब्यूटेंट मानव सुथार के रूप में भारत का सातवां विकेट गिरा।

स्कोर बोर्ड

भारत : 564/8 (127 ओवर)	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का. जजाई बो. सलीम	24	32	5	0
राहुल का. गुरबाज बो. जियाउर	100	165	11	0
साई सुदर्शन का. जजाई बो. सलीम	81	104	13	0
शुभमन का. अफसर बो. सलीम	126	177	15	1
रिषभ पंत का. उमर बो. सईदी	81	121	6	3
ध्रुव जुरैल बो. मो. सलीम	19	20	4	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	52	68	5	1
मानव का. अफसर बो. सलीम	28	41	2	2
सिराज बो. मो. सलीम	22	12	4	1
कुलदीप यादव नाबाद	9	26	1	0

अतिरिक्त: 22, **कुल:** 564 रन 8 विकेट पर 127 ओवर, **विकेट पतन:** 1-41, 2-180, 3-247, 4-416, 5-452, 6-456, 7-510, 8-540 **गेंदबाजी:** जियाउर 24-2-91-1, ओमरजई 22-5-67-0, सलीम 27-3-140-6, नांगेलिया 23-0-115-0, मलिक 7-0-43-0, शहीदी 24-1-91-1.

अफगानिस्तान: 113/5 (39.5 ओवर)	रन	गेंद	4	6
मलिक का. सिराज बो. सुथार	16	18	3	0
सेदिकुल्लाह अटल बो. कृष्णा	17	27	3	0
गुरबाज का. साई बो. सुथार	12	40	1	1
रहमत शाह खेल रहे हैं	43	81	6	1
शहीदी एलबीडब्ल्यू. बो. कृष्णा	20	48	4	0
अफसर का. एंड बो. सुथार	3	26	0	0

अतिरिक्त: 2, **कुल:** 113 रन 5 विकेट 39.5 ओवर, **विकेट पतन:** 1-28, 2-40, 3-62, 4-98, 5-113 **गेंदबाजी:** सिराज 6-1-24-0, कृष्णा 7-0-27-2, सुथार 15.5-7-21-3, कुलदीप 7-0-29-0, वाशिंगटन 4-0-12-0

भारतीय टीम के नाम रहा पहला दिन

मुकाबले का पहला दिन पूरी तरह भारतीय टीम के नाम रहा था। केएल राहुल ने अपना 12वां टेस्ट शतक जड़ते हुए 165 बॉल पर 100 रन बनाए। राहुल ने अपनी इनिंग्स में 11 चौके जड़े।

कप्तान शुभमन गिल ने भी 11 चौके और एक छक्के की मदद से 138 बॉल पर शतक पूरा किया। गिल के टेस्ट करियर की ये 11वीं सेंचुरी रही। साई सुदर्शन ने 81 और यशस्वी जायसवाल ने 24 रन बनाए। पहले दिन के खेल के आखिर में ऋषभ पंत ने भी अपनी फिफ्टी पूरी की। दूसरे दिन के खेल के पहले सेशन में शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने संभली शुरुआत की। अफगानी गेंदबाजों ने भी इस दौरान सटीक लेंथ पर गेंदबाजी की। मोहम्मद सलीम सफी ने शुभमन को आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। शुभमन ने 15 चौके और एक छक्के की मदद से 177 गेंदों पर 126 रन बनाए। शुभमन और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 169 रनों की साझेदारी हुई।

आरआर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया इंटरव्यू

अगले 10-20 साल तक दबदबा बनाए रखना है: वैभव

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 साल तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था। उन्होंने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने आगे कहा, ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 साल तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

इंग्लैंड-आयरलैंड साथ जाएंगे माता-पिता

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के माता-पिता भी इंग्लैंड और आयरलैंड जाएंगे। बीसीसीआई ने वैभव के माता-पिता को टीम के साथ यात्रा करने को कहा है। बोर्ड का कहना है कि इससे वह सीनियर टीम के माहौल में आसानी से ढल जाएंगे। वैभव पहली बार किसी सीनियर नेशनल टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। यह रिकॉर्ड फिलहाल सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 16 साल 207 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि आमतौर पर बोर्ड खिलाड़ियों के माता-पिता को टीम के साथ दौरे पर जाने की अनुमति नहीं देता। लेकिन वैभव नाबालिग हैं और पहली बार सीनियर खिलाड़ियों वाली टीम का हिस्सा बन रहे हैं, इसलिए उनके मामले में विशेष अनुमति दी गई है।

मैदान से हटकर

महिरा शर्मा को डेट कर रहे हैं अभिषेक शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने हाल ही में आईपीएल 2026 में दमदार खेल का प्रदर्शन किया। आईपीएल के बाद अभिषेक टीम इंडिया के साथ इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होंगे, लेकिन उससे पहले अभिषेक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिषेक एक्ट्रेस महिरा शर्मा को डेट कर रहे हैं। हाल ही में माहिरा और अभिषेक शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किए, जिससे हिंट मिला है कि शायद ये दोनों गुपचुप तरीके से डेट कर रहे हैं। हाल ही में माहिरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट डालकर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह ब्लैक टैंक टॉप और जीन्स में नजर आईं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, बातें बनाना चाहते हो बनाओ, लेकिन सिर्फ मेरी क्यूटनेस की, लेकिन इन सब में नोटिस करने वाली चीज उनके हाथ का ब्रेसलेट था। माहिरा ने ब्लैक कलर का एक प्लस साइन वाला ब्रेसलेट पहना हुआ था। इसी ब्रेसलेट के कारण क्रिकेटर अभिषेक शर्मा के साथ उनके लिंकअप की खबरें बाहर आईं और फैंस यह अनुमान लगाने लगे कि दोनों के बीच कुछ तो खिचड़ी पक रही है। दरअसल, माहिरा ने जब इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया, ठीक उसी दौरान अभिषेक शर्मा ने भी अपनी दो फोटोज पोस्ट की थीं। ये तस्वीरें आईपीएल के बाद की हैं। अभिषेक की इन तस्वीरों में भी ठीक उसी तरह का ब्रेसलेट दिखा, जैसा माहिरा ने पहना हुआ था। इसी वजह से फैंस यह सोचने पर मजबूर हो गए कि दोनों ने एक ही समय पर पोस्ट शेयर किया और दोनों के हाथ में एक जैसा ब्रेसलेट कैसे हो सकता है। माहिरा शर्मा एक जानी-मानी एक्ट्रेस और मॉडल हैं। माहिरा ने दर्जनों पंजाबी म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह बिग बॉस के 13वें सीजन में भी नजर आ चुकी हैं। साथ ही वह नागिन और तारक मेहता का उल्टा चश्मा जैसे टीवी सीरियल्स में भी दिख चुकी हैं। माहिरा मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं।

महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण, बाधा दौड़ में तेजस को रजत

ताइपे एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता

न्यू ताईपे, जेएनएन। भारत की महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा। रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेलों क्वालिफाई नहीं कर सके तेजस

भारत के तेजस शिरसे ने भी ट्रैक पर प्रभावित किया और मेन्स 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। कड़े मुकाबले के बीच तेजस ने बेहतरीन दौड़ लगाई और दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने बाधा दौड़ स्पर्धा में अपनी लगातार प्रगति को भी जारी रखा। तेजस ने पहले नेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। उनका गोल्ड जीतने का टाइम 13.50 सेकेंड था। उन्होंने 13.61 सेकेंड के अपने ही मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन वह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए।

अंडर-19 में भारत रिकार्ड 19 मेडल जीते: इससे पहले, भारतीय महिला रिले टीम ने भी अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां भारत ने रिकॉर्ड 19 मेडल जीते।

लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 115 रनों से दी शिकस्त, 1-0 से सीरीज में बनाई बढ़त

लॉर्ड्स, जेएनएन। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 115 रन से हरा दिया। इसी की साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 17 जून से द ओवल में खेला जाएगा। रविवार को न्यूजीलैंड 138 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड ने 254 रन का टारगेट दिया था। मुकाबले के चौथे दिन गस एटकिंसन ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 2 विकेट लिए थे। ओली रॉबिन्सन को मैच में 7 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 254 रन का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि केन विलियमसन 18 रन ही बना सके। रॉबिन्सन और जोश टंग ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। डेवोन कॉन्वे ने 91 गेंदों में 41 रन और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 44 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला।

इंग्लैंड की पहली पारी 140 रन सिमटी

मैच की शुरुआत न्यूजीलैंड के टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने से हुई। काइल जैमीसन और नाथन स्मिथ की गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की पहली पारी 140 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने 71 गेंदों में 56 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जैमीसन ने 62 रन देकर 5 विकेट और नाथन स्मिथ ने 3 विकेट झटके।

एटकिंसन ने झटके 5 विकेट: मैच के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके और न्यूजीलैंड की पारी समेट दी। रॉबिन्सन ने 2, जोश टंग ने 2 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1 विकेट लिया। मुकाबला सिर्फ 167 ओवर में खत्म हो गया। ओली रॉबिन्सन ने 39 रन देकर 5 विकेट लिए।

आईटीएफ जे100 टूर्नामेंट

13 वर्षीय सृष्टि रहीं रनर-अप

ग्वाटेमाला सिटी, जेएनएन। बेंगलुरु की 13 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी सृष्टि किरण आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स जे100 टूर्नामेंट में रनर-अप रहीं। सृष्टि को फाइनल में यूएसए की टॉप सीड एलेरी मेंडेल के हाथों 4-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के आखिरी दौर में क्रैम्प्स से जूझते हुए, इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने अपनी ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जबरदस्त जज्बा दिखाया। सृष्टि ने 2-0 की बढ़त बनाने के बाद पहले सेट में 3-1 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मेंडेल ने वापसी करते हुए सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट में, भारतीय खिलाड़ी 3-3 की बराबरी पर थीं और उनके पास दो गेम प्वाइंट थे, जिनसे उन्हें 4-3 की अहम बढ़त मिल सकती थी। हालांकि, लगातार दर्द और क्रैम्प्स ने उनकी मूवमेंट को प्रभावित किया, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी को मैच पर पकड़ बनाने और जीत हासिल करने का मौका मिल गया। खिताबी मैच के बाद सृष्टि ने कहा, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत खास रहा है। फाइनल तक पहुंचना और कुछ बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना, इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

नेमार का आखिरी वर्ल्ड कप होगा फीफा:2026

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्राजील के फुटबालर नेमार ने संकेत दिया है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। ब्राजील रिकॉर्ड 23वीं बार फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। ब्राजील इकलौती ऐसी टीम है जिसने वर्ल्ड कप के हर संस्करण में हिस्सा लिया है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा इस मेगा इवेंट की संयुक्त मेजबानी करेंगे। 34 साल के नेमार ने यह बयान फीफा के एक सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में दिया, नेमार के करियर की तस्वीरों के साथ लिखा हमने उन्हें बड़ा होते देखा सैंटोस के अटैकर ने कमेंट बॉक्स में जवाब में 1997-98 में शिकागो बुल्स के साथ एनबीए के लेजेंड माइकल जॉर्डन के आखिरी सीजन से जुड़ी एक लाइन का इस्तेमाल करते हुए लिखा, द लास्ट डांस।

बेल्जियम ने ट्यूनीशिया को 5-0 से रौंदा ब्राजील और जर्मनी ने भी दर्ज की जीत

फीफा वर्ल्ड कप फ्रेंडली मुकाबला

नई दिल्ली, जेएनएन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच कई बड़ी टीमों ने फ्रेंडली मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। ब्राजील, जर्मनी और पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, जबकि बेल्जियम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-0 से रौंदा। ब्राजील ने मिस्र को 2-1 से हराकर अपने वर्ल्ड कप अभियान की तैयारियों को पुख्ता किया। मैच में ब्राजील की तरफ से ब्रूनो गुइमारेस और एंड्रिक ने गोल किए। गुइमारेस ने पहले हाफ में 18-यार्ड बॉक्स के पास शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, मिस्र ने मुस्तफा जिको के गोल से वापसी की। डिफेंडर मार्क्विनहोस की हुई गलती का मिस्र ने भरपूर फायदा उठाया। पहले हाफ में स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ में बदलाव के तौर पर आए युवा खिलाड़ी एंड्रिक ने राफिन्हा के क्रॉस पर बेहतरीन गोल करके ब्राजील को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद ब्राजील ने बढ़त बनाए रखी और मैच को 2-1 से अपने नाम किया। वहीं,जर्मनी ने अमेरिका के खिलाफ शिकागो के सोल्जर फील्ड में शानदार प्रदर्शन किया। जर्मनी के लिए पहला गोल काई हैवर्ट्ज ने दागा, लेकिन अमेरिका ने एंटोनी रॉबिन्सन के दमदार गोल से बराबरी कर ली। मैच में रोमांच बना रहा, लेकिन लेरॉय साने ने निर्णायक गोल करके जर्मनी को 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ जर्मनी ने लगातार अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी और यह उनकी लगातार नौवीं जीत रही।

योगासन चैंपियनशिप, 50 मेडल के साथ टॉप पर भारत

हीना राजगोर ने जीता गोल्ड

अहमदाबाद, जेएनएन। योगासन चैंपियनशिप 2026 में रविवार को पूर्व मिस गुजरात सुपर मॉडल हीना राजगोर ने भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। इसी के साथ मेजबान देश ने टॉप पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। ईकेए एरिना में जारी योगासन चैंपियनशिप में भारत ने अब तक कुल 50 मेडल (40 गोल्ड, 8 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज) अपने नाम कर मेजबान देश मेडल टैली में सबसे ऊपर है। जापान ने 2 और गोल्ड मेडल अपने खाते में जोड़ लिए हैं, जिससे उसके कुल गोल्ड मेडल की संख्या 3 पहुंच गई है। कुल 10 मेडल के साथ जापान फिलहाल दूसरे पायदान पर है, जबकि सिंगापुर 6 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर है। भुज की रहने वालीं राजगोर योग में पीएचडी कर रहीं हैं, जिन्होंने सीनियर बी महिला कैटेगरी में फॉरवर्ड बेंड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43.50 प्वाइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता।

गोल्ड मेडल में भारत का दबदबा

भारतीय खिलाड़ियों का गोल्ड मेडल की दौड़ में दबदबा रहा, वहीं जापान ने दो गोल्ड मेडल जीते। रूस तथा उज्बेकिस्तान ने एक-एक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। हिसाशी वतानाबे (सुपाइन इंडिविजुअल सीनियर बी पुरुष) और टोमोका शिमिजु ने जापान के लिए गोल्ड मेडल जीते।

विधायक ट्रॉफी 2026: भूतेश्वर इलेवन की जीत

भोपाल, खेप्र। नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट विधायक ट्रॉफी दक्षिण पश्चिम विधानसभा का आयोजन किया जा रहा है। पहले मुकाबले में श्री भूतेश्वर महादेव इलेवन ने थाला इलेवन को 9 विकेट के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी थाला इलेवन की टीम विरोधी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 7.0 ओवर में 47 रनों पर सिमट गई। जवाब में श्री भूतेश्वर महादेव इलेवन ने आक्रामक रुख अपनाते हुए मात्र 3.1 ओवर (19 गेंदों) में 1 विकेट खोकर 49 रन बनाए और लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इस एकतरफा जीत के हीरो अंकित सिंह मीना रहे।

गूंजा फिट इंडिया का संदेश

भोपाल, खेप्र। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल में रविवार सुबह फिटनेस और जागरूकता का उत्साह देखने को मिला। मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम पहुंचकर संडे ऑन साइकिल अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान हजारों की संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, फिटनेस प्रेमियों, सामाजिक संगठनों, स्कूली विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने साइकिल रैली में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष अभियान का उद्देश्य लोगों को फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। सुबह से ही टीटी नगर स्टेडियम परिसर में युवाओं और नागरिकों की भारी भीड़ जुटने लगी थी। हाथों में फिट इंडिया और हेल्थ अवेयरनेस के संदेश लिए प्रतिभागियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में फिट इंडिया मूवमेंट को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है। संडे ऑन साइकिल उसी संकल्प का हिस्सा है, जिसके माध्यम से नागरिकों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

बीसीसीआई की गिल को वनडे व टेस्ट पर ध्यान देने की सलाह

मुंबई, जेएनएन। शुभमन को बीसीसीआई ने वनडे और टेस्ट पर ध्यान देने की सलाह दी है। सिलेक्शन कमेटी चाहती है कि भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान अगले आईसीसी टूर्नामेंटों वनडे वर्ल्ड कप और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए पूरी तरह फिट रहें। इसी वजह से उनका टी-20 टीम में चयन नहीं किया गया है। शनिवार को इंग्लैंड, आयरलैंड और एशियन गेम्स के लिए टी-20 टीम का ऐलान हुआ। गिल ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 732 रन बनाए और 163 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। फिर भी उन्हें टीम में नहीं चुना गया।

गिल डॉन ब्रैडमैन को दे रहे टक्कर!

मुल्लांपुर, जेएनएन। भारतीय कप्तान शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले जा रहे टेस्ट मैच में भी शुभमन गिल ने 177 गेंदों का सामना करते हुए 126 रन बनाए। शुभमन ने इस दौरान बतौर कप्तान टेस्ट क्रिकेट में अपने 1000 रन भी पूरे कर लिए। 1000 या उससे अधिक रन बनाने वाले टेस्ट कप्तानों में गिल का बल्लेबाजी औसत 82.8 का है, जो दूसरा सबसे ज्यादा है। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन हैं, जिनका औसत बतौर कप्तान 101.5 का रहा था।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक आज

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 8 जून को सुबह 10.30 बजे से टीएल बैठक आयोजित की गई है। टीएल बैठक के बाद दोपहर 12 बजे से डीएलसीसी की बैठक भी आयोजित की गई है। बैठक में स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

जनजातीय आयोग के अध्यक्ष आज आएंगे रीवा

रीवा। मप्र राज्य अनुसूचित जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल दो दिवसीय प्रवास पर 8 जून को रीवा आएंगे। श्री रौतेल 8 जून को शाम 4 बजे अनूपपुर से कार द्वारा प्रस्थान कर रात 8 बजे रीवा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। श्री रौतेल 9 जून को सुबह 10 बजे रीवा से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे त्योंथर पहुंचकर भगवान बिरसा मुण्डा शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

Clinically Tested* *For efficacy and safety.
Get Glow that you desire
New Dr. Juneja's Roop Mantra®
Ayurvedic Face Cream & Face Washes
24x7 Helpline No.: 87259 66666 • www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores
No.1 BRAND | INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
Helpful to control blemishes & pimples, purifying the skin & skin cracking.
Remove dryness, roughness, excess oil & deep rooted dirt.
NEEM | MIX FRUIT | CUCUMBER | ALOEVERA | LIME & MINT

सिलपरा डैम में गिरे फौजी का 5 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग

परिजनों का फूटा आक्रोश सड़क पर किया चकाजाम

घंटों प्रभावित हुआ यातायात, फिसलने से डैम मे गिरा था भाई बहन के साथ घूमने आया फौजी

जागरण, रीवा

रीवा के सिलपरा नहर में डूबे सेना के जवान का रविवार को 5वें दिन भी कोई सुराग नहीं लगा। जिसकी जानकारी होते ही रविवार की दोपहर परिवार जन भड़क उठे। आक्रोशित परिजनों ने रीवा गोविंदगढ़ मार्ग स्थित सिलपरा में ही सड़क जाम कर विरोध शुरू कर दिया। आक्रोशित परिजनों का आरोप है की डैम में डूबे जवान की तलाश में पुलिस और प्रशासन गंभीरता नहीं दिखा रही है जिसका नतीजा है की 5 दिनों से चल रही तलाश के बाद भी लापता जवान का पता नहीं चला। आक्रोशित परिजनों द्वारा किए गए चकाजाम से घंटों यातायात प्रभावित रहा व आमजन को समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि जाम के दौरान आमजन भी पुलिस प्रशासन की सर्चिंग को लेकर सवाल खड़ा करते रहे कि आखिर बीते पांच दिनों में भी क्यों तलाश पूरी नहीं हो सकी।

एनडीआरएफ टीम पहुंची रीवा

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बिछिया पुलिस पहुंची और आक्रोशित परिजनों को समझाइश देकर शांत कराया और जाम किए गए मार्ग को बहाल कराया। पुलिस ने बताया कि लापता जवान की तलाश के लिए बनारस से एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया था, जो रीवा पहुंच चुकी है और लापता जवान की तलाश में सर्चिंग तेज कर दी गई है, जिसके बाद परिजन माने और हटे।

3 जून की है घटना

दरअसल 3 जून को सिलपरा डैम मे घूमने आए सीधी जिले के बघवार निवासी सेना के जवान सचिन द्विवेदी पैर फिसलने की वजह से डैम गिरने के बाद पानी में डूब गए थे। घटना के बाद से पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार जवान की तलाश में सर्च ऑपरेशन चल रही थी लेकिन डैम में पानी अधिक होने की वजह से जवान का कोई सुराग नहीं लगा। इधर घटना को हुए 5 दिन बीतने के बाद भी जब लापता जवान का कोई सुराग नहीं लगा तो परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। फिलहाल पुलिस द्वारा लापता जवान की तलाश में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, जिसके लिए एसडीआरएफ टीम के साथ-साथ अब बनारस से एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है।

रात 10 बजे के बाद भारी पड़ेगी सड़कों पर तफरी

रीवा। शहर की सड़कों पर अब रात 10 बजे के बाद बिना किसी जरूरी काम के तफरी करना लोगों को महंगा पड़ सकता है। एसपी गुरकरन सिंह के आदेश पर शहर पुलिस ने असामाजिक तत्वों, शराबखोरी और देर रात संदिग्ध रूप से घूमने वालों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न इलाकों में पुलिस ने देर रात तक सघन चेकिंग और पूछताछ करेगी। सीएसपी राजीव पाठक के नेतृत्व में शनिवार शाम को चलाए गए अभियान में थाना प्रभारी समान विजय सिंह बघेल सहित भारी पुलिस बल शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात रहा। पुलिस ने दर्जनों वाहनों की जांच की, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मौके पर कार्रवाई की गई। एसपी के निर्देश परअब रात 10 बजे के बाद बिना उचित कारण घूमते मिलने वाले लोगों से सख्ती से पूछताछ की जाएगी। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनकी पूरी जानकारी, नाम, पता और मोबाइल नंबर नोट किया जाएगा। संदिग्ध पाए जाने पर थाने लाकर वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और मारपीट की घटनाओं को देखते हुए यह अभियान शुरू किया गया है। अब यह अभियान प्रतिदिन चलाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि शहर में सुरक्षा का माहौल बनाना और अपराधियों में पुलिस का भय कायम करना है। आने वाले दिनों में शहर के सभी थाना क्षेत्रों में इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि रात में कोई जरूरी काम हो तो पहचान पत्र साथ रखें।

बाइक सहित सूखी नहर में गिरा युवक

जागरण, रीवा। बीती रात बाजार से घर जा रहा युवक बाइक सहित नहर में जा समाया। गनीमत रही कि नहर सूखी थी जिससे वह पानी से तो बच गया लेकिन सिर में चोट आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना की मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायल को संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार अभी जारी है। दरअसल घटना शनिवार की देर रात रीवा के बैकुण्ठपुर थाना क्षेत्र तिलखन गांव की है। जानकारी के मुताबिक ग्राम डिहिया निवासी मनीष कोल नामक युवक शनिवार की रात बैकुंठपुर से अपने गांव जा रहा था। युवक जैसे ही तिलखन गांव के समीप पहुंचा तभी सूखी नहर में जा गिरा। अचानक हुये इस हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई हैं जिसे पुलिस की डायल 112 द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया, एसजीएमएच में उसका उपचार चल रहा है।

स्कार्पियो सवार अधिवक्ता के परिवार को सरहंगों ने पीटा

शहर में भरे बाजार गुण्डागर्दी का सामने आया वीडियो

जागरण, रीवा। शहर के मुख्य बाजार में रविवार दोपहर सड़क के बीच गुण्डागर्दी का मामला प्रकाश में आया है। यहां वाहनों की मामूली टक्कर के बाद काले रंग की हैरियर में सवार युवकों ने स्कॉर्पियो सवार परिवार से जमकर मारपीट की। हैरियर सवार युवकों ने लात घूंसे और बेल्ट से मारपीट करते हुये वाहन में तोड़फोड़ भी की है। भरे बाजार हुई इस घटना से हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई और देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें हैरियर सवार कार को रोककर मारपीट करते नजर आ रहे हैं। स्कॉर्पियो सवार जिन लोगों से मारपीट हुई, वह शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता के परिजन थे और उनसे मिलने रीवा आए थे। घटना की सूचना के बाद भी काफी देर तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित रहा। घटना के सबंध में स्कॉर्पियो सवार सुधांशु सिंह गुड्डू ने बताया कि वह मनकीसर गांव से भाई-भतीजे और चाचा के साथ ताला हाउस के समीप रहने वाले अपने अधिवक्ता चाचा के घर जा रहे थे। मृगनयनी चैराहे पर जब वह गाड़ी मोड़ रहे थे तभी तेज रफ्तार हैरियर कार ने उन्हें टक्कर मारी और उल्टा उन्हीं के साथ मारपीट करने लगे। आरोप है कि आधा दर्जन की संख्या में हैरियर सवार युवक मारपीट व वाहन मे तोड़फोड़ कर फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी — MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल — ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल — MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियां Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
परामर्श शुल्क 300/- | मो.-7247097637
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम — MD, DrNB (गैस्ट्रो)
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधा: • एंडोस्कोपी • कोलोनोस्कोपी • फाइब्रोस्केन • ERCP
Call Now 8770352872, 7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

THE BRAIN SHAPER SENIOR SECONDARY SCHOOL
ISO 9001:2015 Certified
Nursery to 12th | English Medium | Math | Bio | Com.
Director - Coach B.M. SHARMA
For : 12th, IIT (JEE), MBBS, Nursing and CA
पढ़ाई की सर्वोत्तम क्वालिटी
संपूर्ण व्यक्तित्व विकास | योग, संगीत एवं कराटे की नियमित कक्षाएं।
कम सीटें उपलब्ध, शीघ्र संपर्क करें
समान बांध, रीवा 9300607071
Website-www.thebrainshapers.com

कमला नेहरू उच्च. माध्य. विद्यालय
बाण सागर कालोनी, रीवा
प्रवेश प्रारंभ Nur. To 12th English Medium
32 वर्षों से संचालित विश्वास का प्रतीक
आवश्यकता है: अंग्रेजी - 2 पद, गणित - 2 पद, आर्ट - 2 पद, इंग्लिश मीडियम प्राथमिक शिक्षक - 6 पद
इच्छुक अभ्यर्थी संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें
कार्यालय समय: प्रातः 08 बजे से 02 बजे तक बायोडाटा जमा करें
इंग्लिश मिडियम में योग्य अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता है।
संपर्क करें: 9755844900, 7415156972, 7000215923

प्रवेश प्रारंभ
NCVT & DGET भारत सरकार से मान्यता प्राप्त
सतपुड़ा I.T.I.
'हुनर से रोजगार तक हम आपके साथ है'
ELECTRICIAN 2 YEARS | FITTER 2 YEARS | DIESEL MECHANIC 1 YEARS
प्रवेश प्रारंभ सत्र- 2026-27
ST/SC/OBC के छात्रों को शासन द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा
Eligibility 10th Pass
पता- चोरहटा थाने के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
प्रवेश हेतु संपर्क करें मो.:- 8349786513, 6262604134, 8827117778

SUDHA COLLEGE OF PHARMACY
Approved By: PCI New Delhi and Affiliated to RGPV Bhopal (M.P.)
B.Pharma 4- Years Course 60 Seats
D.Pharma 2- Years Course 60 Seats
Admission Fees Free
REGISTRATION OPEN Session : 2026-27
Eligibility : 12th Passed (Math/Biology)
Note: Scholarship is also available for eligible candidate
For Admission and Query Call US: 9993204854, 9425818399
Add.: Sagra Gagahara Road Rewa (M.P.)
Email: sudhacollegeofpharmacy@gmail.com

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज | सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ: • IUI, IVF, ICSI • फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET) • एग फ्रीजिंग • एंब्रियो फ्रीजिंग • स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा — स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ MBBS, MD (ऑब्स & गायनी) फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

SHRI RAMKRISHNA COLLEGE OF PHARMACY
APPROVED BY: PCI NEW DELHI AND AFFILIATED TO RGPV BHOPAL (M.P.)
B.Pharma | D.Pharma
REGISTRATION OPEN Session 2026-27
6262084843, 9183484843
Campus -Deora, Airport road chorahata, Rewa (M.P)

Minerva The Medicity — A Multi Superspeciality Hospital
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना — कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

बवासीर को नजर अंदाज करना सर्जरी का कारण भी बन सकता है
देर न लगायें, अपनायें सिद्पाईल्स® टेबलेट
» दर्द » सूजन » खुजली
से पायें नेचुरल रिलीफ़
सिद्धायु - बैद्यनाथ का भरोसा
MOST TRUSTED BRANDS OF INDIA 2025-26
सभी मेडीकल स्टोर्स एवं आयुर्वेदिक औषधालय में उपलब्ध। 844 844 4935

SATYA ACADEMY H.S. SCHOOL
Class : 11th & 12th Bio, Maths & Commerce
Session 2026-27 ADMISSION OPEN Nursery to 11th
REQUIREMENT TGT- English & Science Music Teacher
Regular abacus classes
University Road Bypass Ratahara, Rewa, (M.P.)
9425999434, 8827499434
satyaacademyrewamp@gmail.com
satyaacademyrewa.in

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com